सूर्योदय 5:56 सूर्यास्त 6:49

आज का तापमान

शिमला	17.4 न्यू	24.6 अधि
धर्मशाला	21.8 न्यू	30.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	77,264
निफ्टी	24,175

सोना 1,60,000 चांदी 2,44,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | शनिवार, 29 अगस्त 2026 | 13 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 124, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

बेंगलुरु पुलिस की गाड़ी और यूपी बस में आमने-सामने टक्कर, 4 की मौत

एजेंसी, भोपाल/राजगढ़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा में भोपाल बायपास ब्रिज पर शुक्रवार सुबह बेंगलुरु पुलिस की गाड़ी व उत्तर प्रदेश की यात्री बस में आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बेंगलुरु पुलिस के साइबर सेल के इंस्पेक्टर रवि केवी और बस चालक विकास शुक्ला समेत चार लोगों की मौत हो गई। 12 लोग घायल हुए हैं, जिनमें तीन पुलिसकर्मी शामिल हैं। गंभीर रूप से घायल पांच लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल रेफर किया गया। पुलिस टीम आरोपितों की तलाश में उत्तर प्रदेश जा रही थी। हादसे की सूचना पर पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंचा। क्रेन से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात बहाल कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

एनटीए में केंद्र के तीन अफसरों की नियुक्ति

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी में दो डायरेक्टर और एक ज्वॉइंट डायरेक्टर नियुक्त किया है। ये आदेश 27 अगस्त को जारी किया गया था। आईपीएस रवि कुमार सिंह और आईएएस अधिकारी प्रसन्ना वेंकटेश वी को डायरेक्टर बनाया गया है। 2016 बैच के आईआरएस अधिकारी अमित सामदारिया जॉइंट डायरेक्टर होंगे। तीनों अधिकारियों को आदेश जारी होने की तारीख से तीन हफ्ते के भीतर पद संभालना होगा। आदेश में कहा गया है कि ऐसा नहीं करने पर सेंट्रल स्टाफिंग स्कीम से डिबार करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। एनटीए में अफसरों के बदलाव की शुरुआत नीट पेपर लीक मामले के बाद से हुई। 25 जुलाई को नीट पेपर लीक मामले में एनटीए ने 47 अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया था।

दिल्ली में आईएसआई के जासूसी नेटवर्क का खुलासा, कपल गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े जासूसी नेटवर्क का खुलासा किया है। पुलिस ने जासूसी के आरोप में दिल्ली के कपल साहिल (25) और उसकी पत्नी समीरा (21) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, दोनों 2024 से पाकिस्तान में बैठे खुफिया अधिकारियों के संपर्क में थे। वे भारत से जुड़ी संवेदनशील जानकारी जुटाने, 8 भारतीय सिम कार्ड पाकिस्तान भेजने और दूसरे लोगों को जासूसी के लिए तैयार करने में मदद कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि जांच में इस नेटवर्क के तार दिल्ली से कराची और इस्लामाबाद तक जुड़े मिले हैं। पाकिस्तान में बैठे हैंडलर दोनों को पैसे भी भेजते थे।

तिब्बत में फिर फटी झील

नेपाल में खाली कराए गांव, नेपाल से 21 तमिल तीर्थयात्री पहुंचे दिल्ली

एजेंसी, नई दिल्ली। नेपाल में बाढ़ से सुरक्षित निकाले गए तमिलनाडु के 21 कैलाश मानसरोवर तीर्थयात्री शुक्रवार को काठमांडू से दिल्ली पहुंचे, इन्हें नेपाली सेना ने बाढ़ प्रभावित इलाके से रेस्क्यू किया था। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दिल्ली में उनसे मुलाकात कर उनकी आपबीती सुनी।

नेपाल-तिब्बत सीमा के पास एक और झील फटने के बाद नेपाल में भोटेकोशी, त्रिशूली और नारायणी नदी के किनारे बसे गांव खाली कराए गए। नेपाली सेना ने लोगों और सुरक्षाकर्मियों को नदी किनारे से हटकर सुरक्षित जगह जाने को कहा। चीन ने तिब्बत में लेवल-4 अलर्ट जारी किया और दोबारा बाढ़ के खतरे को देखते हुए राहत-बचाव अभियान रोक दिया। नेपाल और तिब्बत में बाढ़-भूस्खलन से अब तक 552 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 1500 से ज्यादा लोग लापता हैं। नेपाल पर्यटन बोर्ड के ताजा अपडेट के मुताबिक, भोटेकोशी बाढ़ के बाद अब तक 121 विदेशी नागरिकों को सुरक्षित निकाला गया है। इनमें 85 भारतीय, 16 चीनी, 9 दक्षिण कोरियाई, 2 अमेरिकी और 2 रूसी नागरिक शामिल हैं।

नेपाल में ऊंचाई वाले इलाके में ग्लेशियर टूटने से आई बाढ़: चीन

चीन ने शुक्रवार को कहा कि नेपाल में ऊंचाई वाले इलाके में ग्लेशियर टूटने से बुधवार को भोटेकोशी नदी में अचानक बाढ़ आई हो सकती है। इस बाढ़ ने नेपाल-तिब्बत सीमा के बड़े इलाके में तबाही मचाई। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि चीन और नेपाल के विशेषज्ञों और सरकारी संस्थानों ने शुरुआती जांच की है। उनके मुताबिक, ऊंचाई वाले इलाके में ग्लेशियर टूटना इस आपदा की संभावित वजह हो सकती है।

◆ **बाढ़ में 552 की मौत, 121 विदेशियों का रेस्क्यू, इनमें भारत के 85 नागरिक**

चीन में 400 भारतीय फंसे, सभी सुरक्षित

नेपाल में भीषण बाढ़ के बाद चीन की तरफ करीब 400 भारतीय नागरिक फंसे हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि इन सभी से संपर्क हो चुका है और सभी सुरक्षित हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के मुताबिक, भारतीय दूतावास बीजिंग में फंसे भारतीयों, उनके ट्रैवल एजेंट और ग्रुप लीडर्स के संपर्क में है। दूतावास उनकी सुरक्षित निकासी की व्यवस्था कर रहा है। रास्ते खुलने के बाद इन भारतीयों को सुरक्षित भारत लाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

भाजपा ने चुनाव 'हाईजैक' किया : ममता बनर्जी

एजेंसी, कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा ने चुनाव 'हाईजैक' करने के लिए चुनाव आयोग का इस्तेमाल किया।

वोटर लिस्ट से लाखों नाम गैर-कानूनी तरीके से हटाकर 'वोट लूटने' के लिए एसआईआर का इस्तेमाल किया गया। ममता ने आगे कहा- भाजपा बंगाल में बांटने वाली राजनीति कर रही है और डर फैलाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल कर रही है। तृणमूल छात्र परिषद का स्थापना दिवस था। ममता सहित पार्टी के सीनियर नेताओं ने कोलकाता में एक इवेंट में छात्रों को संबोधित किया। ममता ने भाजपा पर बंगाल में विभाजनकारी राजनीति करने और पुलिस के जरिए लोगों में डर फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही पूरे राज्य का दौरा शुरू करेंगी

पेंशनर्स के सम्मान व अधिकारों की रक्षा हमारा दायित्व : सीएम सुक्खू

◆ **क्लास-चतुर्थ पेंशनर्स और फैमिली पेंशनर्स को मिला बकाया भुगतान**

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर प्रदेश सरकार ने बिजली बोर्ड के क्लास-IV के सभी पेंशनर्स एवं फैमिली पेंशनर्स को बड़ी राहत दी है। सरकार की ओर से लंबे समय से लंबित बकाया एरियर का भुगतान कर दिया गया है। करीब 20 करोड़ रुपए की राशि पेंशनर्स भाइयों-बहनों के बैंक खातों में जमा करवाई गई है। सरकार के इस निर्णय से लंबे समय से अपने बकाया भुगतान की प्रतीक्षा कर रहे पेंशनर्स और उनके परिवारों को आर्थिक राहत मिली है।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि बिजली बोर्ड के कर्मचारियों ने अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय प्रदेश की बिजली व्यवस्था को मजबूत करने में समर्पित किया है। कठिन परिस्थितियों में सेवाएं देते हुए उन्होंने प्रदेश के घरों, संस्थानों और उद्योगों तक बिजली पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। ऐसे में सेवानिवृत्ति के बाद उनके वित्तीय अधिकारों और लंबित देयकों का समय पर भुगतान करना सरकार का दायित्व है। प्रदेश सरकार कर्मचारी और पेंशनर वर्ग के हितों के प्रति संवेदनशील है। सरकार उपलब्ध संसाधनों के बीच लंबित वित्तीय दायित्वों को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

सरकार प्रदेश के हर कर्मचारी और पेंशनर परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने सभी पेंशनर्स और उनके परिवारों को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और भरोसा दिलाया कि कर्मचारियों एवं पेंशनर्स से जुड़े मामलों का समाधान संवेदनशीलता व प्राथमिकता के आधार पर किया जाता रहेगा।

कर्नाटक- मंत्री बी नागेंद्र ने दिया इस्तीफा

एजेंसी, बेंगलुरु। कर्नाटक के मंत्री बी नागेंद्र ने महार्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में मंत्रिमंडल से इस्तीफे दिया,

उन पर लंबे समय से पद छोड़ने का दबाव था। भाजपा लगातार उनके खिलाफ प्रदर्शन कर रही थी व उन्हें मंत्रिमंडल से हटाने की मांग कर रही थी। नागेंद्र ने कहा कि उन्होंने स्वेच्छा से पद छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने भाजपा पर भी निशाना साधा व खुद को उसकी 'मनुवादी राजनीति' का शिकार बताया। यह मामला इसलिए अहम है क्योंकि जिस निगम में कथित गड़बड़ी के आरोप लगे हैं, वह अनुसूचित जनजातियों के विकास से जुड़ा है।

रक्षाबंधन पर बच्चों से मिले पीएम मोदी छात्राओं संग की हंसी-मजाक व बातचीत

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने आवास 7, लोक कल्याण मार्ग में स्कूली बच्चों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के साथ हंसी-मजाक, हाई-फाइव व बातचीत की।

पीएम मोदी ने बच्चों के साथ विशेष रक्षा बंधन समारोह की झलकियां भी शेयर कीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे छात्राओं के साथ हाई फाइव करते और हाथ मिलाते हुए नजर आए। उन्होंने लिखा, 'आज 7, लोक कल्याण मार्ग (प्रधानमंत्री आवास) में रक्षाबंधन समारोह के दौरान हाई-फाइव, मुस्कानें और भी बहुत कुछ। वीडियो में प्रधानमंत्री को बच्चों से बातचीत करते और गर्मजोशी से उनका अभिवादन करते देखा गया। उन्होंने बच्चों को आशीर्वाद भी दिया और रक्षाबंधन समारोह के दौरान उनके साथ समय बिताया। बातचीत के दौरान एक बच्ची ने पीएम मोदी से उनके बचपन के सपने के बारे में पूछा। बच्ची ने पूछा, 'आपका बचपन का सपना'। इस पर पीएम मोदी ने जवाब दिया और कहा, 'आप लोगों से मिलने का।'

बिलासपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के समय विमान का टायर फटा

एजेंसी, बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान विमान का टायर फट गया। शुक्रवार दोपहर अलायंस एयर की फ्लाइट 9I613 (VT-UDA) जब दिल्ली से बिलासपुर पहुंची तभी यह हादसा हुआ। विमान की सुरक्षित लैंडिंग करा ली गई। विमान में सवार सभी 37 यात्री और 4 क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। इसी फ्लाइट को बिलासपुर से प्रयागराज जाना था, लेकिन एयरपोर्ट प्रबंधन ने उसे कैंसिल कर दिया। एयरपोर्ट प्रबंधन ने जानकारी दी कि विमान के लेफ्ट (बाएं) साइड का टायर पंचर हुआ था। जानकारी के मुताबिक, रनवे पर लैंडिंग के बाद विमान दौड़ रहा था, तभी टायर फटने की आवाज सुनकर यात्री दहशत में आ गए।

'वयो आनंद' योजना के तहत मनोरंजन केंद्रों में मिलेंगी कई सुविधाएं : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के वरिष्ठ नागरिकों के लिए 'वयो आनंद' योजना शुरू करने की घोषणा के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि इस योजना के अंतर्गत वरिष्ठजनों के लिए इनडोर गेम और सामाजिक गतिविधियों में शामिल होने जैसे केन्द्र स्थापित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार इस योजना का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को उनके आसपास ही ऐसा सुरक्षित और सुविधाजनक स्थान उपलब्ध कराना है। इनमें भाग लेकर अकेलेपन को दूर कर सकें। इन केंद्रों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए योग और ध्यान की कक्षाएं भी आयोजित की जाएंगी। साथ ही केंद्रों में मासिक चिकित्सा शिविर

◆ **बुजुर्गों के लिए योग, ध्यान मनोरंजन केंद्र होंगे स्थापित**

और प्राथमिक उपचार किट की भी व्यवस्था होगी। सरकार ऐसे मनोरंजन केंद्रों को चलाने वाले संगठनों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, दिल्ली के वरिष्ठ नागरिक हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनके सम्मान, स्वास्थ्य, सक्रिय जीवन तथा सामाजिक जुड़ाव को सुनिश्चित करना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। इन केन्द्रों में कैरम, लूडो आदि इनडोर खेल, बैठने की व्यवस्था, पंखा, कूलर, टेलीविजन, कंप्यूटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसमें समाचार पत्र, पत्रिकाएं और किताबें भी रखी जाएंगी ताकि वरिष्ठ नागरिक खाली समय का पूरा उपयोग कर सकें।

इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, वरिष्ठ नागरिक दिवस और राष्ट्रीय पर्व आदि मनाए जाएंगे। इन केंद्रों में वर्ष में कम से कम 5-6 ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। योजना में मासिक चिकित्सा शिविर और प्राथमिक उपचार किट की व्यवस्था का भी प्रावधान है।

मुख्यमंत्री मान ने 'मावां-धीयां सत्कार योजना' के तहत जारी किए 181 करोड़

एजेंसी, लुधियाना/चंडीगढ़। अमृतसर के बाबा बकाला में रक्षाबंधन पर सीएम भगवंत मान ने 'मावां-धीयां सत्कार योजना' के तहत तीसरी किस्त की राशि महिलाओं के खाते में ट्रांसफर की। इसके तहत शुक्रवार को 5.30 लाख महिलाओं को 3000 रुपए (जनरल) और 4500 रुपए (एससी) को दिए गए। 5 लाख 30 हजार 303 खाते में पैसे डाले गए।

योजना के तहत अब तक 70 लाख 92 हजार महिलाएं रजिस्टर्ड हैं, जिनके खातों में 181 करोड़ रुपए डाले गए। इससे पहले 1 जुलाई को पहली और 1 अगस्त को दूसरी किस्त जारी की थी। वहीं, राखी पर ही सांसद सरबजीत सिंह खालसा की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें बाबा बकाला साहिब में होने वाली पंथक कॉन्फ्रेंस में शामिल होना था। रास्ते में तबीयत खराब होने के बाद उन्हें जालंधर के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। इलाज के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई, उनका बीपी 200 पहुंच गया था। इधर, सीएम भगवंत मान, मंत्री हरजोत सिंह बैंस, सिंगर रणजीत सिंह बाबा ने अपनी बहन से राखी बंधवाई।

वहीं फाजिल्का में नौजवान समाज सेवी संस्था ने फ्री ऑटो सेवा शुरु की। विधायक नरेंद्र पाल सिंह की पत्नी ऑटो में सवार होकर घर पहुंचीं। इधर, बठिंडा, फरीदकोट और लुधियाना जेल में बंद कैदियों को राखी बांधने के लिए उनकी बहनें जेल पहुंचीं। इस दौरान कई बहनें अपने भाइयों से लिपटकर रो पड़ीं। लुधियाना में नशा तस्करी के मामले में जेल में बंद एक युवक ने रोते हुए कहा कि पहले वह घर पर बहन से राखी बंधवाता था, लेकिन अब बहन को यहां आना पड़ा। 3 महीने से जेल में बंद एक पिता 10 दिन के बेटे को पहली बार देखकर रो पड़ा।

मुख्यमंत्री ने संत कबीर कुटीर पर मनाया रक्षाबंधन का पावन त्योहार

बेटियां समाज और प्रदेश की शक्ति : सैनी

एजेंसी, चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को संत कबीर कुटीर पर स्कूली छात्राओं, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों और गणमान्य व्यक्तियों के साथ रक्षाबंधन का पावन त्योहार मनाया।

इस अवसर पर स्कूली छात्राओं ने मुख्यमंत्री को राखी बांधी। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को स्नेह और आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी सुमन सैनी भी उपस्थित रही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के पवित्र प्रेम, स्नेह और विश्वास का त्योहार है। यह पर्व हमें बेटियों और बहनों के सम्मान, सुरक्षा तथा उनके सशक्तिकरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार बेटियों के सम्मान, सुरक्षा

◆ **कहा- रक्षाबंधन भाई-बहन के पवित्र प्रेम, स्नेह और विश्वास का त्योहार**

और उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी बेटियां समाज और प्रदेश की शक्ति हैं। बेटियों को शिक्षा, सम्मान और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाकर ही हम एक मजबूत समाज का निर्माण कर सकते हैं। रक्षाबंधन जैसे पर्व सामाजिक समरसता, आपसी प्रेम और भाईचारे की भावना को और मजबूत करते हैं। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भी मुख्यमंत्री को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामाजिक संस्थाएं समाज में सेवा, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

अमेरिका से जैवलिन एंटी टैंक मिसाइल खरीदेगा भारत, समझौते पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत ने अमेरिका से एफजीएम-148 जैवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल प्रणाली खरीदने के लिए प्रस्ताव और स्वीकृति पत्र (एलओए) पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। अमेरिकी दूतावास की प्रवक्ता डाना जिए ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि भारतीय सेना के एलओए पर हस्ताक्षर का स्वागत किया जाता है। यह समझौता दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच मजबूत साझेदारी को दर्शाता है और रक्षा उद्योगों के बीच भविष्य में सहयोग तथा सह-उत्पादन के अवसरों का मार्ग प्रशस्त करता है। जैवलिन एक उन्नत, मध्यम दूरी की 'फायर एंड फॉरगेट' एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल प्रणाली है, जिसे बख्तरबंद वाहनों और मजबूत ठिकानों जैसे लक्ष्यों को निशाना बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका इस्तेमाल अमेरिकी सेना, मरीन कॉर्प्स और कई अन्य देशों की सेनाएं करती हैं। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भी इसे भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों में महत्वपूर्ण प्रगति बताया। शुरुआती पैकेज में 100 मिसाइल राउंड, प्रशिक्षण उपकरण और लॉन्च यूनिट शामिल हैं। इसकी अनुमानित लागत करीब 4.57 करोड़ डॉलर है। प्रणाली का निर्माण आरटीएक्स और लॉकहीड मार्टिन के संयुक्त उपक्रम द्वारा किया जाता है।

बग्वाल मेले में उमड़ा आस्था का सैलाब, मुख्यमंत्री धामी बोले- परंपराओं के संरक्षण को सरकार प्रतिबद्ध

एजेंसी, चंपावत। रक्षाबंधन के अवसर पर शुक्रवार को मां वाराही धाम, देवीधुरा में ऐतिहासिक बग्वाल मेले का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मेले में पहुंचे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी मेले में शामिल होकर मां वाराही की पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बग्वाल मेले में उमड़ा आस्था का सैलाब सनातन संस्कृति और देवभूमि की गौरवशाली परंपराओं के प्रति लोगों की गहरी आस्था को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराएं राज्य की पहचान हैं और इनके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य की लोक आस्था, पारंपरिक मेलों और सांस्कृतिक विरासत को

संरक्षित करने के साथ इनके विकास को भी विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। प्रदेश के प्राचीन मंदिरों और धार्मिक स्थलों का सुनियोजित विकास किया जा रहा है तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं का विस्तार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की पहचान प्राकृतिक सौंदर्य के साथ उसकी प्राचीन धार्मिक परंपराओं, लोक मान्यताओं और सांस्कृतिक विरासत से भी है। सरकार इन परंपराओं को संरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि पारंपरिक मेले धार्मिक आयोजनों के साथ लोक संस्कृति, सामाजिक समरसता और स्थानीय परंपराओं के संरक्षण के महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों से स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा मिलने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यटन को भी लाभ मिलता है।

कार्यक्रम 15 करोड़ राखियों से कारीगरों को रोजगार, पर्व से जुड़ा है समाज के स्वावलंबन और आर्थिक विकास का भाव

बेटियों के सपनों को पंख दे रही डबल इंजन सरकार : मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी, लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रक्षाबंधन केवल रक्षा सूत्र बांधने का पर्व नहीं, बल्कि श्रद्धा, विश्वास, सम्मान, आत्मसम्मान व आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। यह पर्व परिवार व समाज के रिश्तों को मजबूत करने के साथ स्थानीय कारीगरों और हस्तशिल्पियों के आर्थिक स्वावलंबन से भी जुड़ा है। प्रदेश में करीब 15 करोड़ राखियां बंध रही हैं। इनमें से प्रत्येक राखी के पीछे किसी कारीगर, हस्तशिल्पी, दुकानदार व बाजार की आर्थिक गतिविधि जुड़ी हुई है। राखी खरीदने पर पैसा कारीगर तक पहुंचता है और फिर बाजार में लौटकर विकास को गति देता है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को 'बिटिया और बहना-यूपी का गहना' स्नेहबंधन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि

श्रद्धा और सम्मान से विश्वास पैदा होता है, विश्वास आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता को मजबूत करता है और आत्मनिर्भर समाज ही विकास को तेज गति देता है। इसी सोच के साथ प्रदेश में मिशन शक्ति का संचालन बेटी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए किया जा रहा है। आज बेटियां भयमुक्त होकर स्कूल जा रही हैं और शिक्षा से लेकर रोजगार तक हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं।

मुख्यमंत्री ने अपने कार्यकाल के शुरुआती दिनों का अनुभव साझा करते हुए बताया कि एक दौरे के दौरान उन्होंने गरीब परिवार की कुछ बच्चियों को नंगे पैर और बिना यूनिफॉर्म स्कूल जाते देखा था। वहीं, उनके भाइयों के पास जूते और यूनिफॉर्म थी। इस अनुभव के बाद उन्होंने बेटियों को दो यूनिफॉर्म, बैग, किताबें, जूते-मोजे और सर्दियों में स्वेटर उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। बाद में यह सुविधा सभी जरूरतमंद बच्चों तक पहुंचाई गई। आज प्रदेश में करीब 1.60 करोड़ बच्चों को हर वर्ष दो यूनिफॉर्म, बैग, किताबें, जूते-मोजे और स्वेटर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि लखनऊ स्थित परमवीर चक्र विजेता कैप्टन मनोज पांडे के नाम पर संचालित देश के पहले सैनिक स्कूल में वर्ष 2018 में बेटियों को प्रवेश देने की शुरुआत की गई। आज देश के सभी सैनिक स्कूलों में बेटियों के लिए प्रवेश का रास्ता खुल चुका है। सरकार का लक्ष्य बेटियों को ऐसा वातावरण देना है, जिसमें वे अपनी क्षमता के अनुसार आगे बढ़ सकें।

प्रदेश के सभी विकासखंडों में विद्यालयों के निर्माण की प्रक्रिया शुरू

मुख्यमंत्री ने कहा कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में पहले आठवीं के बाद बड़ी संख्या में बेटियों की पढ़ाई छूट जाती थी। सरकार ने इन विद्यालयों को 12वीं तक विस्तार देने का निर्णय लिया है और प्रदेश के सभी 825 विकासखंडों में विद्यालयों के निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गई है। अटल आवासीय विद्यालयों में भी बेटियों की संख्या बढ़ाई गई है।

रक्षाबंधन पर महिलाओं ने मुख्यमंत्री सुक्खू को बांधी राखी, भाईचारे और स्नेह का दिया संदेश

विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं ने मुख्यमंत्री को राखी बांधकर दीं शुभकामनाएं

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर शुक्रवार को शिमला में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं के साथ भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का पर्व मनाया। इस अवसर पर अलग-अलग वर्गों और क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं ने मुख्यमंत्री की कलाई पर राखी बांधकर उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने सभी महिलाओं को रक्षाबंधन की बधाई देते हुए उनके स्नेह और अपनत्व के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते का पर्व नहीं है, बल्कि यह आपसी प्रेम, विश्वास, सम्मान और सामाजिक सौहार्द का भी प्रतीक है। उन्होंने प्रदेश की सभी बहनों के सुख, समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने मुख्यमंत्री के साथ अपने विचार भी साझा किए। मुख्यमंत्री ने उनसे बातचीत करते हुए प्रदेश में महिलाओं के कल्याण, सुरक्षा और सशक्तीकरण से जुड़े विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा में समान अवसर उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की महिलाओं ने शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासन, कृषि, स्वरोजगार, सामाजिक सेवा और अन्य क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और क्षमता का परिचय दिया है। प्रदेश के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है और सरकार उनके हितों को प्राथमिकता दे रही है।

इस अवसर पर महिलाओं ने मुख्यमंत्री को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश में शांति, समृद्धि और विकास की कामना की। कार्यक्रम में रक्षाबंधन की पारंपरिक भावना के साथ उत्साह और आत्मीयता का माहौल देखने को मिला। महिलाओं ने मुख्यमंत्री की कलाई पर राखी बांधकर भाई-बहन के रिश्ते की भावनाओं को साझा किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे पर्व समाज में आपसी भाईचारे और सौहार्द को मजबूत करने का संदेश देते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से मिल-जुलकर रहने और हिमाचल की समृद्ध सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

मुस्कान ठाकुर ने एम्स परीक्षा में चमकाया हिमाचल का नाम

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। घुमारवीं उपमंडल की लद्दा पंचायत के खनसरा गांव की बेटी मुस्कान ठाकुर ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की एमएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। देशभर में आयोजित इस प्रतिष्ठित परीक्षा में मुस्कान ने 87वीं रैंक हासिल की है। मुस्कान के पिता सुनील कुमार ने बताया कि बेटी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा नवालोक आदर्श विद्यालय खनसरा से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने चंडीगढ़ से उच्च शिक्षा हासिल की। मुस्कान ने वर्ष 2021 से 2025 तक आईजीएमसी शिमला से बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई पूरी की। पढ़ाई के प्रति उनकी लगन और निरंतर मेहनत का परिणाम रहा कि उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया। प्रवेश परीक्षा में देशभर से करीब 11 हजार अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। मुस्कान ने चयनित 200 विद्यार्थियों में 87वीं रैंक प्राप्त की। इस सफलता के आधार पर उन्हें एम्स ऋषिकेश में एमएससी नर्सिंग के न्यूरोसाइंस विषय में प्रवेश मिला है।

आईजीएमसी की दवा खरीद पर ऑडिट का सवाल सरकारी दरों से 3621 प्रतिशत तक महंगी हुई खरीद

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आईजीएमसी) शिमला में वर्ष 2019-20 से 2024-25 के बीच 202.94 करोड़ रुपये की दवाओं और सर्जिकल सामान की खरीद को लेकर प्रधान महालेखाकार की ऑडिट जांच में कई गंभीर सवाल उठाए गए हैं। ऑडिट ने दवाओं की कीमत, कंपनियों के चयन और खरीद प्रक्रिया को लेकर आईजीएमसी प्रशासन से जवाब मांगा है।

ऑडिट के अनुसार, वर्ष 2019 से आईजीएमसी प्रबंधन ने दवाओं और सर्जिकल सामान की आपूर्ति के लिए 83 कंपनियों और फर्मों के साथ समझौते किए। अलग-अलग वर्षों में इन कंपनियों की संख्या 63 से 79 के बीच रही। हालांकि, ऑडिट को ऐसे पर्याप्त अभिलेख नहीं मिले, जिनसे यह स्पष्ट हो सके कि कंपनियों के चयन से पहले अन्य कंपनियों से दरें मंगवाई गई थीं या अलग-अलग दरों की तुलना की गई थी।

ऑडिट ने वर्ष 2014 में अपनाई गई आवेदन प्रक्रिया का भी उल्लेख किया है। उस समय दवाओं, कैंसर की दवाओं, सर्जिकल सामान और शरीर में लगाए जाने वाले उपकरणों की आपूर्ति के लिए कंपनियों से आवेदन मांगे गए थे। वर्ष 2019 में हड्डी, हृदय और न्यूरोसर्जरी से संबंधित उपकरणों के लिए भी प्रक्रिया अपनाई गई थी। ऐसे में दवाओं तथा हृदय, पेट और आंखों से संबंधित उपकरणों की खरीद में यह प्रक्रिया क्यों नहीं अपनाई गई, इस पर भी जवाब मांगा गया है।

99.06 प्रतिशत खरीद ब्रांडेड दवाओं की : छह वर्षों के दौरान 202.94 करोड़ रुपये की कुल खरीद में केवल 1.90 करोड़ रुपये यानी 0.94 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं पर खर्च किए गए। इसके विपरीत 99.06 प्रतिशत खरीद ब्रांडेड दवाओं की हुई। ऑडिट ने चिकित्सकों द्वारा दवाएं सामान्य नाम से लिखे जाने तथा इसकी निगरानी के लिए पर्चियों की जांच की व्यवस्था के बारे में भी जानकारी मांगी है।

सरकारी दर से हजारों प्रतिशत अधिक कीमत : ऑडिट ने जनऔषधि केंद्रों के अभिलेख और सरकारी दरों से 14 दवाओं व इंजेक्शन की कीमतों की तुलना की। इसमें खरीद दरें सरकारी दरों से 29.14 प्रतिशत से लेकर 3621 प्रतिशत तक अधिक पाई गईं। एटोरवास्टेटिन 20 मिलीग्राम की कीमत में 3621 प्रतिशत तक का अंतर मिला। वहीं एटोरवास्टेटिन 10 और 40 मिलीग्राम में 756 से 2275 प्रतिशत, सलाइन नेजल साल्यूशन में 879 प्रतिशत, पैंटोप्राजोल इंजेक्शन में 510 प्रतिशत और लेवोफ्लोक्सासिन इंजेक्शन में 462 प्रतिशत तक अधिक दर दर्ज की गई। एनोक्सापैरिन में 98 से 137 प्रतिशत, एल्ब्यूमिन में 181 प्रतिशत और ट्रास्टुजुमैब में 145.39 प्रतिशत तक अधिक कीमत पाई गई।

सेब बगीचे में भालू ने किया व्यक्ति पर हमला, गंभीर हालत में अस्पताल रेफर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। रामपुर उपमंडल के सराहन वन परिक्षेत्र की भगावट बीट में सेब के बगीचे में काम कर रहे एक व्यक्ति पर भालू ने हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को देखते हुए रामपुर रेफर कर दिया, जहां उसका उपचार चल रहा है।

जानकारी के अनुसार थड़ा गांव निवासी सुभाष चंद्र पुत्र दौलत राम अपने सेब के बगीचे में काम कर रहे थे। बताया जा रहा है कि वह बगीचे की देखभाल में व्यस्त थे। इसी दौरान अचानक वहां भालू पहुंच गया और उसने सुभाष चंद्र पर हमला कर दिया। हमले से वह घायल हो गए।

घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों और परिजनों को इसकी जानकारी मिली। घायल सुभाष चंद्र को उपचार के लिए तुरंत सराहन अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उनकी चोटों का प्राथमिक उपचार किया। उनकी स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए उन्हें रामपुर अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल रामपुर अस्पताल में उनका उपचार किया जा रहा है।

सेब के बगीचों में इन दिनों किसानों और बागवानों की गतिविधियां बढ़ी हुई हैं। बागवान अपने बगीचों में सेब की फसल से जुड़े कार्यों में जुटे हुए हैं। ऐसे में जंगली जानवरों की मौजूदगी से उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। भालू के हमले की घटना के बाद भगावट बीट और आसपास के क्षेत्रों में लोगों में भय का माहौल है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पहले भी जंगली जानवरों की गतिविधियां सामने आती रही हैं। सेब के बगीचे और जंगल एक-दूसरे से जुड़े होने के कारण भालू सहित अन्य वन्यजीव कई बार आबादी और बगीचों के आसपास पहुंच जाते हैं। इससे बागवानों को काम करते समय खतरा बना रहता है।

ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि क्षेत्र में भालू की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। लोगों ने विभाग से संभावित खतरे वाले स्थानों की निगरानी बढ़ाने और बागवानों की सुरक्षा के लिए उचित व्यवस्था करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते आवश्यक कदम उठाए जाने से भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है। घटना के बाद वन विभाग की ओर से क्षेत्र में निगरानी और आवश्यक कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है।

जयराम ठाकुर का सुक्खू सरकार पर हमला बोले- असंवैधानिक कानूनों से हो रही फजीहत

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति में सरकार के हस्तक्षेप से जुड़े कानून को उच्च न्यायालय द्वारा रद्द किए जाने के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने इस फैसले को लेकर सुक्खू सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि सरकार बार-बार ऐसे कानून और फैसले ले रही है, जो संवैधानिक कसौटी पर टिक नहीं पा रहे हैं।

जयराम ठाकुर ने कहा कि खुद को कानूनविद और कानून का जानकार बताने वाले मुख्यमंत्री बार-बार ऐसे निर्णय ले रहे हैं, जिनकी न्यायालय में फजीहत हो रही है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को सरकारी विभाग की तरह चलाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन उच्च न्यायालय ने एक बार फिर सरकार के इस प्रयास को झटका दिया है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री खुद को पढ़ा-लिखा और कानून का जानकार बताते हैं, लेकिन विधानसभा में सरकार द्वारा बनाए जा रहे कई कानून न्यायिक समीक्षा में टिक नहीं रहे हैं। विपक्ष की ओर से विधानसभा के भीतर भी सरकार को कई बार आगाह किया जाता रहा है कि ऐसे कानून नहीं बनाए जाने चाहिए, जो संविधान की कसौटी पर खरे न उतरें। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों से केवल सरकार की किरकिरी नहीं होती, बल्कि विधानसभा की गरिमा भी प्रभावित होती है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि इससे पहले पूर्व विधायकों की पेंशन रद्द करने के लिए कानून बनाया गया था, जिसे उच्च न्यायालय ने अवैध करार दिया। इसी तरह कर्मचारियों के पदोन्नति के अधिकार को प्रभावित करने के सरकार के प्रयास को भी न्यायालय ने रद्द कर दिया। पंचायत चुनावों से जुड़े मामलों में भी सरकार को न्यायालय से लगातार झटके लगे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार किसी भी निर्णय को लेते समय संवैधानिक सीमाओं और नैतिक मर्यादाओं का पर्याप्त ध्यान नहीं रख रही है। मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सरकार को अपने पद की गरिमा और विधानसभा की प्रतिष्ठा का ध्यान रखना चाहिए।

रक्षाबंधन के दिन शिमला के बाजारों में रही भारी भीड़

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। रक्षाबंधन के त्योहार को लेकर राजधानी शिमला के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। त्योहार से एक दिन पहले वीरवार को मालरोड, लोअर बाजार, राम बाजार सहित शहर के अन्य प्रमुख बाजारों में राखी की खरीदारी के लिए महिलाओं और बच्चों की भीड़ उमड़ी। दिनभर बाजारों में लोगों की आवाजाही बनी रही, जिससे कारोबारियों के चेहरे भी खिले नजर आए।

बहनों ने भाइयों की कलाई सजाने के लिए रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियों की खरीदारी की। बाजारों में पारंपरिक राखियों के साथ मोती, स्टोन, रुद्राक्ष और विभिन्न डिजाइनों वाली राखियों की कई किस्में उपलब्ध हैं। बच्चों के लिए कार्टून किरदारों वाली राखियों की सबसे अधिक मांग देखने को मिल रही है। छोटा भीम, शिनचैन समेत कई लोकप्रिय कार्टून पात्रों वाली राखियां बच्चों को खास तौर पर पसंद आ रही हैं।

दुकानदारों के अनुसार, इस बार बच्चों के लिए लाइट और संगीत वाली राखियां भी बाजार में उपलब्ध हैं। इन राखियों को लेकर बच्चों में खासा उत्साह है। कई बच्चे अपनी पसंद के कार्टून वाली राखी लेने के लिए अभिभावकों के साथ बाजार पहुंच रहे हैं। दुकानदारों को उम्मीद है कि रक्षाबंधन के दिन भी खरीदारी का सिलसिला तेज रहेगा।

मिठाई और उपहारों की बढ़ी मांग : राखी के साथ भाइयों और बहनों के बीच मिठाई और उपहारों का आदान-प्रदान भी त्योहार का प्रमुख हिस्सा है। ऐसे में मिठाई की दुकानों पर भी ग्राहकों की संख्या बढ़ी है। दुकानदारों ने रक्षाबंधन को ध्यान में रखते हुए विशेष मिठाई और उपहार पैक तैयार किए हैं। कई दुकानों पर सूखे मेवे, चॉकलेट और अन्य आकर्षक उपहार पैक भी उपलब्ध हैं।

त्योहार से पहले बाजारों में उमड़ी भीड़ से व्यापारियों को अच्छे कारोबार की उम्मीद है। कई बहनें दूरदराज के क्षेत्रों से शिमला पहुंचकर अपने भाइयों के लिए राखी, मिठाई और उपहार खरीद रही हैं। बाजारों में जगह-जगह राखियों के अस्थायी स्टॉल भी लगाए गए हैं।

राखियों की विभिन्न किस्में बनी आकर्षण : इस बार बाजारों में सामान्य धागे वाली राखियों के अलावा डिजाइनर और सजावटी राखियों की भी अच्छी मांग है। महिलाओं के बीच हल्की और आकर्षक राखियां पसंद की जा रही हैं, जबकि बच्चों में कार्टून और संगीत वाली राखियों का क्रेज बना हुआ है। रक्षाबंधन को लेकर बाजारों में बने उत्साह से कारोबारियों को आने वाले दिनों में बेहतर बिक्री की उम्मीद है।

हिमाचल में 870 शारीरिक शिक्षकों की भर्ती शुरू जाहू औद्योगिक क्षेत्र के लिए बजट का इंतजार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शारीरिक शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए सरकार ने 870 पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने विधानसभा में विधायक विनोद कुमार के प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण रोस्टर और बैकलॉग को पूरी तरह शामिल किया गया है।

सरकार के अनुसार, कुल 870 पदों में सामान्य वर्ग के 323, अनुसूचित जाति के 156, अन्य पिछड़ा वर्ग के 133, अनुसूचित जनजाति के 39 और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 79 पद शामिल हैं। इसके अलावा विशेष कोटे के तहत पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के माध्यम से 118, दिव्यांग वर्ग के 37 और खेल प्रकोष्ठ के जरिए 24 पद भरे जाएंगे।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि इन पदों पर भर्ती बैचवाइज आधार के साथ-साथ राज्य चयन आयोग के माध्यम से की जा रही है। भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद सरकारी विद्यालयों में शारीरिक शिक्षकों की कमी काफी हद तक दूर होने की उम्मीद है। इससे विद्यार्थियों को खेल गतिविधियों और शारीरिक शिक्षा के लिए बेहतर मार्गदर्शन मिल सकेगा।

जाहू औद्योगिक क्षेत्र के लिए 16.58 करोड़ की परियोजना : वहीं, भोरंज विधानसभा क्षेत्र के जाहू में प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र के विकास को लेकर उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने भी विधानसभा में स्थिति स्पष्ट की। विधायक सुरेश कुमार के प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया कि जाहू औद्योगिक क्षेत्र में अभी विकास कार्य शुरू नहीं हुआ है।

मंत्री ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में मूलभूत सुविधाएं विकसित करने के लिए 16.58 करोड़ रुपये की परियोजना तैयार कर केंद्र सरकार को भेजी गई है। इसमें 10.50 करोड़ रुपये केंद्र सरकार और 6.08 करोड़ रुपये राज्य सरकार की ओर से उपलब्ध करवाए जाने हैं।

उन्होंने बताया कि केंद्र से बजट मिलने के बाद औद्योगिक क्षेत्र में आवश्यक विकास कार्य शुरू किए जा सकेंगे। यदि केंद्र सरकार की ओर से प्रस्तावित राशि उपलब्ध नहीं करवाई जाती है तो राज्य सरकार इस मामले को मुख्यमंत्री के समक्ष उठाएगी।

जाहू में औद्योगिक क्षेत्र विकसित होने से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ने और क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है।

चार दिवसीय प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं के बीच विभिन्न खेलों में होगा कड़ा मुकाबला

दुर्गापुर में अंडर-14 खेलकूद प्रतियोगिता शुरू 18 स्कूलों के 419 खिलाड़ी दिखाएंगे दम

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिक्षा खंड मशोबरा की अंडर-14 छात्र एवं छात्रा वर्ग की चार दिवसीय जोनल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ शुक्रवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दुर्गापुर में हुआ। प्रतियोगिता में मशोबरा ब्लॉक के 18 विद्यालयों के कुल 419 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इनमें 247 छात्र और 172 छात्राएं शामिल हैं। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ी विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन करेंगे।

शिक्षा विभाग के निदेशक आशीष कोहली ने प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने विभिन्न विद्यालयों से आए खिलाड़ियों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक मार्चपास्ट की सलामी भी ली। आयोजन समिति की ओर से मुख्य अतिथि को हिमाचली टोपी, शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। शिक्षा उपनिदेशक प्रारंभिक शिक्षा निशा भलूनी ने कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की।

इस अवसर पर अपने संबोधन में निदेशक आशीष कोहली ने कहा कि विद्यार्थियों के जीवन में खेलों का विशेष महत्व है। खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि इनके माध्यम से बच्चों का मानसिक और बौद्धिक विकास भी होता है। खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, प्रतिस्पर्धा, परिश्रम और आपसी सहयोग की भावना विकसित करते हैं।

उन्होंने प्रतियोगिता में भाग ले रहे खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेलों में हार और जीत से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि खिलाड़ी ने अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए कितनी मेहनत और ईमानदारी से प्रयास किया। उन्होंने खिलाड़ियों को पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं प्रतियोगिता समन्वयक बनवारी लाल केशव ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

फागू चौक पर 4 .39 ग्राम चिट्टे के साथ ठियोग का युवक गिरफ्तार

अनीश सूद ,भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। रक्षाबंधन के दिन ठियोग पुलिस को नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सफलता मिली। पुलिस थाना ठियोग को फागू चौक पर एक व्यक्ति के नशीले पदार्थों के साथ बस का इंतजार करने की विश्वसनीय सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फागू चौक पर पहुंचकर संदिग्ध व्यक्ति की नियमानुसार तलाशी ली।

तलाशी के दौरान पुलिस ने व्यक्ति के कब्जे से 4.39 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद किया। पुलिस ने आरोपी को मौके पर हिरासत में ले लिया। आरोपी की पहचान निशांत श्याम (30) पुत्र लायक राम श्याम, निवासी ठियोग क्षेत्र, जिला शिमला के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, मामले में अभियोग संख्या 122/2026 के तहत मादक पदार्थ एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम की धारा 21 के अंतर्गत पुलिस थाना ठियोग में मामला दर्ज किया गया है। बरामद नशीले पदार्थ को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपी के पास चिट्टा कहां से आया था तथा इसे आगे किसे पहुंचाया जाना था। पुलिस आरोपी से पूछताछ के आधार पर नशे की तस्करी से जुड़े अन्य लोगों और स्रोतों तक पहुंचने का प्रयास करेगी।

पुलिस ने क्षेत्र के लोगों से नशे के कारोबार और तस्करी के संबंध में जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचित करने की अपील की है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जिले में नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इस तरह की गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सुविधा शिंगला से सप्ताह में तीन दिन उड़ान, हेलीपोर्ट पर एंबुलेंस और चिकित्सा स्टाफ रहेगा तैनात

शिंगला हेलीपोर्ट से शिमला के लिए फिर शुरू होगी हेली टैक्सी सेवा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। रामपुर उपमंडल के शिंगला हेलीपोर्ट से शिमला के बीच बंद पड़ी हेलीकॉप्टर सेवा जल्द दोबारा शुरू होने जा रही है। प्रशासन ने सेवा संचालन से संबंधित तैयारियां पूरी कर ली हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार हेलीकॉप्टर सेवा सप्ताह में तीन दिन सोमवार, शुक्रवार और शनिवार को संचालित होगी। इससे रामपुर क्षेत्र के लोगों को शिमला आने-जाने के लिए तेज और सुविधाजनक हवाई परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी।

निर्धारित समय सारिणी के अनुसार हेलीकॉप्टर सुबह 10:30 बजे शिंगला हेलीपोर्ट पर पहुंचेगा और 10:50 बजे वापस रवाना होगा। प्रशासन की ओर से सेवा को नियमित और सुरक्षित तरीके से संचालित करने के लिए हेलीपोर्ट पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

हेलीपोर्ट पर चिकित्सा सुविधा को भी विशेष प्राथमिकता दी गई है। उपमंडलाधिकारी रामपुर ने संबंधित विभाग को निर्देश जारी किए हैं कि प्रत्येक निर्धारित उड़ान के दिन हेलीकॉप्टर के पहुंचने के समय से कम से कम 30 मिनट पहले एंबुलेंस को तैयार हालत में रखा जाए। इसके साथ ही चिकित्सक अथवा नर्सिंग स्टाफ की तैनाती भी सुनिश्चित करने को कहा गया है।

हेलीपोर्ट पर उपलब्ध एंबुलेंस में आवश्यक आपातकालीन चिकित्सा उपकरण, ऑक्सीजन सिलेंडर और प्राथमिक उपचार की सुविधा मौजूद रहेगी। इसका उद्देश्य हेलीकॉप्टर के उतरने या उड़ान भरने के दौरान किसी आकस्मिक स्थिति में यात्रियों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध करवाना है।

प्रशासन के अनुसार हेलीपोर्ट पर चिकित्सा व्यवस्था निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के तहत अनिवार्य है। यह मानक संचालन प्रक्रिया नागरिक उड्डयन महानिदेशालय तथा हिमाचल प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन विभाग द्वारा अनुमोदित है। उड़ान वाले प्रत्येक दिन संबंधित विभागों को निर्धारित समय के अनुसार एंबुलेंस और चिकित्सा कर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी।

अधिकारियों के अनुसार हेलीकॉप्टर सेवा शुरू होने से रामपुर और आसपास के दुर्गम क्षेत्रों के लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। सड़क मार्ग से शिमला पहुंचने में लगने वाले लंबे समय की तुलना में हवाई सेवा से यात्रा अधिक तेज हो सकेगी। विशेष रूप से आपात स्थिति, जरूरी सरकारी कार्यों और अन्य महत्वपूर्ण यात्राओं के दौरान यह सेवा उपयोगी साबित हो सकती है।

हेली टैक्सी सेवा के लिए तैयारियां पूरी, जल्द शुरू होगा संचालन

कर्नल रवि कांत गुप्ता ने बताया कि हेली टैक्सी सेवा शुरू करने से संबंधित सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। प्रशासन का प्रयास है कि सेवा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुरक्षित और सुचारू रूप से संचालित हो। इसके लिए हेलीपोर्ट पर सुरक्षा, चिकित्सा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हेलीपोर्ट पर सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सेवा शुरू होने से क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने तथा स्थानीय लोगों को आवागमन में राहत मिलने की उम्मीद है।

रामपुर में दर्दनाक हादसा, पुल के पास नाले में गिरी कार, पिता की मौत, बेटा घायल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले के रामपुर क्षेत्र में गुरुवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में कार सवार 64 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसका 40 वर्षीय बेटा घायल हो गया। हादसा तकलेच के पास पुल के नजदीक हुआ, जहां एक हुंडई वेन्यू कार सड़क से नीचे पानी से भरे नाले में जा गिरी। मृतक की पहचान तकलेच निवासी निक्का राम के रूप में हुई है, जबकि घायल की पहचान उनके बेटे जगदीश चंद के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, हादसे के संबंध में रामपुर थाने में मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता राजेंद्र सिंह निवासी तकलेच ने पुलिस को बताया कि वह यशपाल के साथ तकलेच के पास पुल के नजदीक मौजूद था। इसी दौरान पंजीकरण संख्या एचपी63सी-3943 वाली कार तकलेच बाजार की ओर से पुल की तरफ आ रही थी। अचानक कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे नाले में जा गिरी। हादसे के समय नाले में पानी भरा हुआ था।

हादसे के बाद कार चला रहा जगदीश चंद किसी तरह वाहन से बाहर निकल गया, लेकिन उसके पिता निक्का राम कार के अंदर फंस गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और निक्का राम को कार से बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तकलेच पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सा अधिकारी ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में जगदीश चंद को भी चोटें आई हैं। पुलिस ने उसका चिकित्सकीय परीक्षण करवाकर रिपोर्ट प्राप्त कर ली है।

पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 281, 125(ए) और 106(1) के तहत मामला दर्ज किया है। प्रत्यक्षदर्शी के बयान के आधार पर हादसे के पीछे कार चालक द्वारा तेज और लापरवाही से वाहन चलाने की आशंका जताई गई है। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 173 के तहत बयान दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

न्यूज ब्रीफ

डीएम ने 31 अगस्त तक श्रीनगर बस अड्डे के हस्तांतरण के दिए निर्देश

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। पौड़ी में जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण के तहत संचालित विकास कार्यों और निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने श्रीनगर बस अड्डे के हस्तांतरण की प्रक्रिया 31 अगस्त तक पूरी करने के निर्देश दिए। राजस्व, परिवहन विभाग और नगर निगम के अधिकारियों को संयुक्त निरीक्षण कर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने को कहा गया। बैठक में गंगा संस्कृति केंद्र, अपर चोपड़ा पार्किंग समेत अन्य परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा हुई। डीएम ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध निर्माण पर कार्रवाई तथा लंबित मानचित्र आवेदनों के शीघ्र निस्तारण पर भी जोर दिया।

गोरापड़ाव डकैती कांड में फरार चल रहे दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। गोरापड़ाव डकैती कांड में पुलिस ने फरार चल रहे दो और शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान रामपुर निवासी साहब सिंह उर्फ साबी और गुरवंत सिंह उर्फ गोपी के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से दो तमंचे, चार कारतूस, एक कार और 1.40 लाख रुपये की नगदी बरामद की है। मामले में छह आरोपी पहले ही जेल भेजे जा चुके हैं।

भट्टोंवाला पुल निर्माण को 3.16 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति मंजूर

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र के भट्टोंवाला ग्राम सभा में प्रस्तावित पुल निर्माण के लिए 3.16 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति मिलने पर क्षेत्रवासियों ने विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल का आभार जताया। क्षेत्रवासी उनके ऋषिकेश स्थित कैंप कार्यालय पहुंचे और माला पहनाकर तथा गुलदस्ता भेंट कर सम्मान किया। ग्राम प्रधान संगीता राणा ने कहा कि विधायक के प्रयासों से क्षेत्र में कई विकास कार्य हुए हैं। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि पुल बनने से स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होगी।

रक्षाबंधन भारतीय संस्कारों का प्रतीक : रेखा आर्या

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। खेल मंत्री रेखा आर्या ने रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने परिवार के साथ पर्व मनाते हुए कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह, विश्वास, सम्मान और सुरक्षा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बच्चों के बीच प्रेम और एक-दूसरे का सहारा बनने की भावना पारिवारिक संस्कारों को मजबूत करती है। उन्होंने बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और खुशहाली की कामना की।

उत्तराखंड की ग्लेशियर झीलों पर बढ़ेगी निगरानी व्यवस्था : सीएम धामी

नेपाल की बाढ़ के बाद उत्तराखंड सतर्क, 13 संवेदनशील ग्लेशियर झीलों की निगरानी होगी और मजबूत

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

तिब्बत में ग्लेशियर झील टूटने से नेपाल में आई भीषण बाढ़ के बाद उत्तराखंड सरकार ने हिमालयी क्षेत्रों में मौजूद संवेदनशील ग्लेशियर झीलों को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य की संवेदनशील ग्लेशियर झीलों की नियमित और वैज्ञानिक निगरानी के साथ अत्याधुनिक पूर्व चेतावनी प्रणाली स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालयी क्षेत्र प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से बेहद संवेदनशील है। आपदाओं को पूरी तरह रोकना संभव नहीं है लेकिन वैज्ञानिक निगरानी और समय रहते चेतावनी देकर जानमाल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

राज्य में कुल 13 ग्लेशियर झीलों को संवेदनशील श्रेणी में चिह्नित किया गया है। इनमें से चार झीलों का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। अब चमोली की सरस्वती ताल और उत्तरकाशी की केदारताल समेत अन्य संवेदनशील झीलों का भी विशेषज्ञ दल सर्वेक्षण करेगा। अध्ययन के दौरान झीलों के जलस्तर, आकार में होने वाले बदलाव, आसपास के भूभाग और निचले क्षेत्रों में संभावित जोखिम का विस्तृत आकलन किया जाएगा।

सरकार की योजना आधुनिक सेंसर, जलस्तर मापक उपकरण और संचार प्रणालियों के माध्यम से झीलों से संबंधित वास्तविक समय की जानकारी जुटाने की है। इससे जलस्तर में अचानक वृद्धि या अन्य संभावित खतरे का समय रहते पता लगाया जा सकेगा और संबंधित क्षेत्रों को तत्काल सतर्क किया जा सकेगा। आवश्यकता के अनुसार पूर्व चेतावनी प्रणालियों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी।

'राज्य के संभावित 13 ग्लेशियर झीलों की नियमित एवं वैज्ञानिक निगरानी के साथ-साथ संवेदनशील क्षेत्रों में अत्याधुनिक अर्ली वार्निंग सिस्टम स्थापित करने तथा आवश्यकतानुसार इनकी संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। हिमालयी क्षेत्र प्राकृतिक आपदाओं को लेकर अति संवेदनशील है। आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन पूर्व में इसकी विज्ञानी निगरानी से जानमाल के नुकसान को रोका जा सकता है।'

– पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

नेपाल में आई आपदा के बाद राज्य प्रशासन ने भी तैयारियों की समीक्षा शुरू कर दी है। जिलाधिकारियों के साथ बैठक कर संवेदनशील क्षेत्रों में राहत और बचाव व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया गया है। विशेषज्ञों का अध्ययन डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों पर संभावित प्रभाव को समझने में भी मदद करेगा। सरकार का उद्देश्य वैज्ञानिक निगरानी, आधुनिक तकनीक और स्थानीय प्रशासन के बेहतर समन्वय के माध्यम से हिमालयी आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करना है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर तीन दिवसीय खेल आयोजन शुरू

भारतेंदु संवाददाता, पिथौरागढ़

राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 के अवसर पर धौलीगंगा पावर स्टेशन के निगालपानी परिसर में शुक्रवार को तीन दिवसीय खेल आयोजन शुरू हुआ। आयोजन का शुभारंभ पावर स्टेशन प्रमुख एम. कन्नन और अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो खिलाड़ी उपासना बिष्ट की मौजूदगी में हुआ। कार्यक्रम 28 से 30 अगस्त तक चलेगा।

विद्युत मंत्रालय के दिशा-निर्देशों और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के फिट इंडिया मूवमेंट के तहत आयोजित कार्यक्रम में हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती पर उन्हें याद किया गया। उपस्थित लोगों ने उनके जीवन, उपलब्धियों और भारतीय खेलों में योगदान को स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

मेजर ध्यानचंद को नमन कर शुरू हुआ तीन दिवसीय खेल और फिटनेस कार्यक्रम

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस दौरान एनएचपीसी के कार्मिकों और उनके परिवारों के अलावा केंद्रीय विद्यालय, सीआईएसएफ, एनडीआरएफ और बीआरओ के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

पहले दिन बैट-एंड-बॉल बाउंसिंग चैलेंज, स्किपिंग चैलेंज, फुटबॉल सहित विभिन्न खेल और फिटनेस गतिविधियां आयोजित की गईं। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और खेल भावना का परिचय दिया। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को नियमित शारीरिक गतिविधियों और खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना और 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत' की भावना को बढ़ावा देना है।

श्रद्धा, संस्कार और भाई-बहन के प्रेम से सराबोर हुआ हरिद्वार

हरिद्वार में श्रद्धा और परंपरा के साथ मनाया गया रक्षाबंधन और श्रावणी उपाकर्म

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार

हरिद्वार में श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर शुक्रवार को रक्षाबंधन और श्रावणी उपाकर्म श्रद्धा, उल्लास और धार्मिक परंपराओं के साथ मनाया गया। हरकी पैड़ी समेत विभिन्न गंगा घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने पवित्र गंगा में स्नान कर पूजा-अर्चना की और मंदिरों में दर्शन किए। ब्राह्मण समाज की ओर से विभिन्न आश्रमों और गंगा तटों पर विधि-विधान के साथ श्रावणी उपाकर्म कराया गया। इस दौरान पंचगव्य से शुद्धिकरण, ऋषि पूजन, तर्पण, यज्ञोपवीत परिवर्तन और वेद पाठ सहित कई धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। नारायणी शिला मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित मनोज त्रिपाठी ने बताया कि श्रावणी उपाकर्म आत्मशुद्धि, स्वाध्याय और ऋषि परंपरा के प्रति

कृतज्ञता व्यक्त करने का महत्वपूर्ण संस्कार है। इस अवसर पर वेदाध्ययन का संकल्प भी लिया जाता है। वहीं रक्षाबंधन को लेकर घरों में विशेष उत्साह रहा।

बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना की, जबकि भाइयों ने बहनों की रक्षा, सम्मान और सहयोग का संकल्प लिया। बाजारों में भी राखी, मिठाई और उपहारों की दुकानों पर दिनभर चहल-पहल रही। पंचांग के अनुसार, शुक्रवार को श्रावण पूर्णिमा के साथ रक्षाबंधन मनाया गया और पूर्णिमा तिथि सुबह 9:48 बजे तक रही। दोनों पर्व एक ही दिन होने से हरिद्वार में धार्मिक आस्था, वैदिक परंपरा और पारिवारिक प्रेम का सुंदर संगम देखने को मिला।

'वंदे मातरम्-150 वर्ष' कार्यशाला का समापन पांच श्रेष्ठ कलाकारों को मिला पुरस्कार

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

देहरादून में 'वंदे मातरम्-150 वर्ष' के अवसर पर आयोजित चार दिवसीय लोक एवं जनजातीय कला कार्यशाला, प्रदर्शनी एवं चित्रकला प्रतियोगिता का शुक्रवार को समापन हुआ। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज, संस्कृति मंत्रालय और ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में हुए आयोजन में करीब 50 कलाकारों ने भाग लिया और भारतीय लोक एवं जनजातीय कला की विभिन्न शैलियों को अपनी रचनाओं के माध्यम से प्रस्तुत किया। समापन समारोह की मुख्य अतिथि पद्मश्री लोक गायिका डॉ. माधुरी बड़थ्वाल ने कहा कि चित्रकला केवल कला की विधा नहीं, बल्कि साधना है।

लोक कला लोगों को प्रकृति और अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ती है तथा संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करती है। रंगकर्मी डॉ. राकेश भट्ट ने लोक भाषा, संगीत और कला को समाज की आत्मा बताते हुए युवाओं से इनके संरक्षण और संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यशाला के दौरान कलाकारों ने भारतीय सांस्कृतिक विरासत, प्रकृति, लोकजीवन, मातृभूमि और जीवन मूल्यों से जुड़े विषयों को चित्रों में उकेरा। आयोजन समन्वयक डॉ. कृष्ण कुमार ने बताया कि इसका उद्देश्य पारंपरिक कला शैलियों का संरक्षण करने के साथ युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना था।

पांच कलाकार पुरस्कृत

चित्रकला प्रतियोगिता में विशाखा गुंज्याल, मानवी सलाथिया, मीरा चौहान, आरुषि सेमवाल और हर्षदीप कौर को श्रेष्ठ पांच कलाकार चुना गया। प्रत्येक विजेता को 25-25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। आयोजन में कला विशेषज्ञों, शिक्षकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों और कला प्रेमियों ने भाग लिया।

लोक भवन में राज्यपाल गुरमीत सिंह को बहनों और छात्राओं ने बांधी राखी

भारतेंदु संवाददाता, गढ़वाल

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर शुक्रवार को लोक भवन में आत्मीय माहौल देखने को मिला। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों ने राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) को रक्षा सूत्र बांधकर उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की। राज्यपाल ने सभी बहनों का आभार व्यक्त करते हुए रक्षाबंधन को प्रेम, विश्वास, सुरक्षा और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक बताया। इसके बाद सेपियंस स्कूल विकासनगर, हिंदुस्तान स्काउट्स एवं गाइड्स उत्तराखंड, समर वैली स्कूल देहरादून और देवभूमि इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल हरिद्वार की छात्राओं ने भी राज्यपाल को राखी बांधी। कार्यक्रम में बच्चों ने देशभक्ति और सामाजिक जागरूकता से जुड़ी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

राज्यपाल ने बच्चों के प्रयासों की सराहना कर दिया आशीर्वाद

छात्राओं ने देशभक्ति समूह नृत्य, वीर जवानों के सम्मान पर लघु नाटिका और नशामुक्ति पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। एसओएस चिल्ड्रन विलेज के बच्चों की 'राम आएंगे' प्रस्तुति ने समारोह में आध्यात्मिक भाव भर दिया। राज्यपाल ने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जिम्मेदारी, परस्पर सम्मान और समाज की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का पर्व भी है। उन्होंने छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और स्मृति-चिह्न भेंट किए।

ब्रह्मकुमारीज बहनों ने पुलिस जवानों को बांधी राखी

भारतेंदु संवाददाता, उदित नैनवाल। रक्षाबंधन पर्व से पूर्व 26 अगस्त को चौकी पीपलकोटी में ब्रह्मकुमारीज संस्था की बहनों ने पुलिस जवानों के साथ रक्षाबंधन मनाया। बहनों ने जवानों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उनके सुख, समृद्धि और सुरक्षित जीवन की कामना की। इस दौरान जवानों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया और नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने में योगदान देने की शपथ दिलाई गई। वहीं नन्दानगर थाने में स्थानीय महिलाओं ने पुलिसकर्मियों को राखी बांधकर उनके प्रति स्नेह और सम्मान व्यक्त किया।

अल्मोड़ा में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया तेज, 856 केंद्रों पर हुई सुनवाई

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

अल्मोड़ा में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूची को लेकर चल रही प्रक्रिया की अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र की अध्यक्षता में समीक्षा की गई। बैठक में मान्यताप्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और बूथ लेवल एजेंट-1 को पुनरीक्षण कार्य की प्रगति से अवगत कराया गया। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में कुल 4,71,938 मतदाता हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत 98,529 नोटिस जारी किए गए थे और सभी नोटिसों का वितरण पूरा कर लिया गया है। इनमें से 97,683 मामलों में सुनवाई की प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। सुनवाई के लिए जिले में 72 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नामित किए गए हैं।

वहीं 949 मतदेय स्थलों से संबंधित मामलों की सुनवाई के लिए 856 स्थल निर्धारित किए गए हैं। बैठक में नोटिस वितरण और सुनवाई की प्रगति पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान सहायक निर्वाचन अधिकारी भारत सिंह रावत समेत विभिन्न दलों के प्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

देवाल में भूस्खलन से कई परिवारों पर मंडराया खतरा

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। गुरुवार रात हुई मूसलाधार बारिश के बाद देवाल क्षेत्र में भूस्खलन और भू-धंसाव से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई। विकासखंड मुख्यालय देवाल बाजार के ऊपर सेलखोला में जमीन धंसने से करीब दस परिवारों पर खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीण लंबे समय से विस्थापन की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक समाधान नहीं हुआ। वहीं देवसारी गांव के रोयाणा तोक में भी भूस्खलन के कारण एक दर्जन से अधिक परिवारों पर खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों ने रातभर जागकर गुजारी। लगातार बारिश से पिंडर, कैल और प्राणमती नदियों का जलस्तर भी बढ़ गया।

यूसीएफ से उत्तराखंड की शहरी परियोजनाओं को मिलेगा वित्तीय सहयोग

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

सतत शहरी अवसंरचना परियोजनाओं के विकास को बढ़ावा देने के लिए हुडको के क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून और शहरी विकास निदेशालय उत्तराखंड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू के तहत राज्य में शहरी परियोजनाओं के लिए बैंक योग्य विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने, क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और अर्बन चैलेंज फंड के माध्यम से वित्तपोषण में सहयोग किया जाएगा। इसका उद्देश्य शहरी स्थानीय निकायों की परियोजना तैयार करने तथा वित्तीय संसाधन जुटाने की क्षमता को मजबूत करना है।

समझौते पर निदेशक शहरी विकास निदेशालय विनोद कुमार गोस्वामी और हुडको के क्षेत्रीय प्रमुख ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर उत्तराखंड सरकार, शहरी विकास विभाग और हुडको के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने इसे राज्य में व्यवहार्य और सतत शहरी अवसंरचना विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

स्वामी आशुतोष तीर्थ ने साधना, सेवा और परमार्थ से समाज को दी दिशा : रविंद्र पुरी

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार

भूपतवाला रानी गली स्थित संत वाटिका आश्रम में स्वामी आशुतोष तीर्थ महाराज के ब्रह्मलीन होने पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस दौरान संत समाज और श्रद्धालुओं ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आध्यात्मिक एवं सामाजिक योगदान को याद किया। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष एवं महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि स्वामी आशुतोष तीर्थ का अल्पायु में ब्रह्मलीन होना संत समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि संतों का जीवन व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं के लिए नहीं बल्कि समाज कल्याण, सेवा और परमार्थ के लिए समर्पित होता है। स्वामी आशुतोष तीर्थ ने भी अपने जीवन में आध्यात्मिक साधना, सेवा और परमार्थ को विशेष महत्व दिया तथा लोगों को धर्म और सदाचार के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

श्रीमहंत रविंद्र पुरी ने कहा कि जन्म और मृत्यु जीवन के शाश्वत सत्य हैं, लेकिन किसी संत का कम आयु में देह त्यागना अत्यंत कष्टदायी होता है। संतों के विचार और उनके कार्य आने वाली पीढ़ियों को भी मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि स्वामी आशुतोष तीर्थ भले ही देह रूप में आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके संस्कार और सेवा भावना सदैव समाज में जीवित रहेंगे।

स्वामी महेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि स्वामी आशुतोष तीर्थ का जीवन धर्म और अध्यात्म के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित रहा। उन्होंने संत परंपरा के मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए सेवा और परमार्थ को अपने जीवन का आधार बनाया। उनके विचार श्रद्धालुओं को निरंतर प्रेरणा देते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि स्वामी आशुतोष तीर्थ महाराज ने 15 अगस्त को देह त्यागी थी। श्रद्धांजलि सभा में स्वामी कृष्णानंद गिरि, स्वामी कमलानंद गिरि, महंत बंसी पुरी महाराज सहित अनेक संत उपस्थित रहे।

आस्था दूध-मक्खन लेकर वंशी नारायण मंदिर पहुंचे कलगोठ गांव के ग्रामीण

रक्षाबंधन पर खुले वंशी नारायण मंदिर के कपाट, उमड़े श्रद्धालु

भारतेंदु संवाददाता, गिरीश चंदोला

उर्गम घाटी स्थित प्रसिद्ध वंशी नारायण मंदिर के कपाट शुक्रवार को रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। वर्ष में केवल एक दिन खुलने वाले इस प्राचीन मंदिर के कपाट खुलते ही भगवान नारायण के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही दूर-दराज के गांवों से लोग मंदिर पहुंचने लगे। श्रद्धालुओं ने भगवान नारायण की पूजा-अर्चना कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। समुद्रतल से करीब 12 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित यह मंदिर उर्गम घाटी से लगभग 12 किलोमीटर की दूरी पर है। कत्यूर शैली में निर्मित मंदिर में भगवान नारायण की चतुर्भुज प्रतिमा विराजमान है।

रक्षाबंधन के दिन मंदिर के कपाट खोले जाने की विशेष परंपरा के कारण यहां इस पर्व का धार्मिक महत्व और बढ़ जाता है। मंदिर में भगवान नारायण का विशेष श्रृंगार किया गया और उन्हें रक्षासूत्र अर्पित किया गया। पूजा के दौरान कलगोठ गांव के ग्रामीणों की विशेष भूमिका रही। ग्रामीण अपने घरों से दूध और मक्खन लेकर मंदिर पहुंचे। भगवान के भोग के लिए मक्खन अर्पित किया गया, जबकि दूध से अभिषेक की परंपरा निभाई गई। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

साल में सिर्फ एक दिन खुलता है वंशी नारायण मंदिर

स्थानीय मान्यता के अनुसार देवर्षि नारद वर्षभर भगवान नारायण की पूजा करते हैं और रक्षाबंधन के दिन श्रद्धालुओं को यहां पूजा करने का अवसर मिलता है। इसी वजह से मंदिर के कपाट खुलने वाले इस एक दिन को बेहद विशेष माना जाता है। मंदिर से जुड़ी पौराणिक कथा भगवान विष्णु के वामन अवतार और राजा बलि से संबंधित है। मान्यता है कि भगवान विष्णु राजा बलि के द्वारपाल बनकर पाताल लोक चले गए थे। भगवान के लंबे समय तक वापस न लौटने पर माता लक्ष्मी चिंतित हुईं। नारद मुनि ने उन्हें श्रावण पूर्णिमा के दिन राजा बलि को रक्षासूत्र बांधकर भगवान विष्णु को मुक्त कराने का उपाय बताया।

कहा जाता है कि माता लक्ष्मी ने राजा बलि को रक्षासूत्र बांधकर उपहार में भगवान विष्णु को मांग लिया। इसके बाद भगवान विष्णु पाताल लोक से मुक्त होकर लौटे। स्थानीय मान्यता है कि पाताल लोक से लौटने के बाद भगवान नारायण सबसे पहले इसी स्थान पर प्रकट हुए थे। वर्ष में केवल एक दिन कपाट खुलने और विशेष पूजा होने के कारण वंशी नारायण मंदिर की धार्मिक पहचान अलग है। रक्षाबंधन पर यहां पहुंचने वाले श्रद्धालु दुर्लभ दर्शन को सौभाग्य मानते हैं।

सत्कार योजना से लाखों महिलाओं को मिला रक्षाबंधन का तोहफा

रक्षाबंधन पर मुख्यमंत्री मान ने 5.30 लाख महिलाओं को 181.50 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की

भारतेंदु संवाददाता,अमृतसर

रक्षाबंधन के अवसर पर पंजाब सरकार ने महिलाओं को आर्थिक सहायता का तोहफा दिया। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बाबा बकाला साहिब से सत्कार योजना के तहत प्रदेश की 5.30 लाख महिलाओं के बैंक खातों में 181.50 करोड़ रुपये की राशि भेजी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को रक्षा पुनियां की बधाई देते हुए कहा कि सरकार ने रक्षाबंधन पर बहनों से किया अपना वादा पूरा किया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सत्कार योजना के तहत अब तक प्रदेश की कुल 70.92 लाख माताएं और बहनें लाभ प्राप्त कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं के सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार कदम उठा रही है। रक्षाबंधन जैसे अवसर पर महिलाओं के खातों में सीधे आर्थिक सहायता पहुंचाना इसी दिशा में उठाया गया कदम है।

बिजली के क्षेत्र में सरकार का दावा : मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस अवसर पर अपनी सरकार की उपलब्धियां भी गिनाईं। उन्होंने दावा किया कि पंजाब में करीब 90 प्रतिशत घरों के बिजली बिल शून्य आ रहे हैं। सरकार की ओर से किसानों को खेतों तक नहरी पानी पहुंचाने के लिए भी लगातार काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली और सिंचाई के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों से आम लोगों तथा किसानों को राहत मिल रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य पंजाब के लोगों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ-साथ प्रदेश को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। किसानों को नहरी पानी मिलने से भूजल पर निर्भरता कम करने और खेती को बेहतर बनाने में भी मदद मिलने का दावा किया गया।

70,840 युवाओं को सरकारी नौकरी देने का दावा : मुख्यमंत्री ने रोजगार के मुद्दे पर भी सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अब तक 70,840 युवाओं को सरकारी नौकरियां दे चुकी है। उनके अनुसार सरकारी रोजगार मिलने से हजारों परिवारों की आर्थिक स्थिति में बदलाव आया है।

उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। सरकार विभिन्न विभागों में भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से युवाओं को अवसर उपलब्ध करवाने का प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि रोजगार के अवसर बढ़ने से प्रदेश के युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और परिवारों को आर्थिक मजबूती मिली है।

सरकारी स्कूलों के परिणाम का किया जिक्र : मुख्यमंत्री ने पंजाब की शिक्षा व्यवस्था में सुधार का भी दावा किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों के 882 विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा पास की है। उनके अनुसार यह उपलब्धि सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर में हो रहे सुधार का संकेत है।

उन्होंने कहा कि सरकार सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और सुविधाएं उपलब्ध करवाने पर विशेष ध्यान दे रही है। शिक्षा व्यवस्था में सुधार के कारण ग्रामीण और सामान्य परिवारों से आने वाले विद्यार्थियों को भी प्रतियोगी परीक्षाओं में आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बिजली, सिंचाई, रोजगार और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में लगातार काम कर रही है। उनका दावा है कि इन प्रयासों से पंजाब दोबारा विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रदेश को विकास के मामले में देश का अग्रणी राज्य बनाना है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से सरकार के विकास कार्यों में सहयोग देने की अपील भी की। रक्षाबंधन के अवसर पर महिलाओं के खातों में भेजी गई 181.50 करोड़ रुपये की राशि को सरकार ने महिला सम्मान और आर्थिक सहायता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

लाइव सीसीटीवी फीड पाकिस्तान भेजने के आरोप पर लुधियाना में संदिग्ध गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। पंजाब में सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ा गंभीर मामला सामने आया है। लुधियाना पुलिस ने फिरोजपुर रोड क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरों के जरिये निगरानी करने और उनकी कथित लाइव फीड पाकिस्तान तक पहुंचाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान गुरदासपुर के फतेहगढ़ चूड़ियां निवासी रछपाल सिंह के रूप में हुई है। पुलिस को आशंका है कि कैमरों के माध्यम से महत्वपूर्ण स्थानों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी।

पुलिस के अनुसार, उपनिरीक्षक अर्शदीप सिंह अपनी टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान सूचना मिली कि न्यू सुंदर नगर में मेडिसिटी अस्पताल के सामने एक दुकान के बाहर आधुनिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों का डिजिटल नियंत्रण कथित तौर पर पाकिस्तान में बैठे संदिग्ध संचालकों के पास था। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रछपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अब कैमरों की तकनीकी व्यवस्था, उनके संचालन और लाइव फीड भेजने की पूरी प्रक्रिया की जांच कर रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि कैमरों की जानकारी और फीड वास्तव में किन लोगों तक पहुंच रही थी।

सेना शिविर समेत महत्वपूर्ण इलाकों पर नजर का शक : जांच एजेंसियों को संदेह है कि इन कैमरों के माध्यम से फिरोजपुर रोड और आसपास के क्षेत्रों की गतिविधियों, लोगों की आवाजाही तथा बद्दोवाल स्थित सेना शिविर सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर नजर रखी जा रही थी। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि कैमरों की स्थापना के पीछे आरोपित का उद्देश्य क्या था और उसे इसके लिए किस स्तर से निर्देश मिल रहे थे।

विदेशी संपर्कों की जांच : मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा होने के कारण पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। आरोपित के विदेशी संपर्कों, तकनीकी व्यवस्था और पाकिस्तान में बैठे संदिग्ध संचालकों से कथित संपर्क की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि इस गतिविधि में रछपाल सिंह के अलावा और कितने लोग शामिल हैं।

पुलिस के मुताबिक, जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल कैमरों और उनसे जुड़े उपकरणों की तकनीकी जांच भी जारी है।

आगे की जांच में इन बिंदुओं पर रहेगा फोकस : पुलिस अब आरोपित के मोबाइल फोन, कैमरों और अन्य तकनीकी उपकरणों की जांच कर रही है। अधिकारियों का प्रयास है कि कथित लाइव फीड पाकिस्तान तक पहुंचाने की पूरी कड़ी का पता लगाया जा सके। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि कैमरे कब लगाए गए और इनके संचालन के लिए किन लोगों से संपर्क किया गया था। पुलिस विदेशी संपर्कों, आर्थिक लेनदेन और संभावित नेटवर्क से जुड़े लोगों की जानकारी जुटा रही है।

पीयू चुनाव से पहले आए धमकी भरे कॉल एएसएपी ने निष्पक्ष जांच की उठाई मांग

छात्रों को धमकाकर चुनाव प्रभावित करने का आरोप, एएसएपी ने एबीवीपी पर साधा निशाना

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी के छात्रसंघ चुनाव से पहले धमकी भरे फोन कॉल और संदेशों को लेकर छात्र राजनीति में विवाद बढ़ गया है। आम आदमी पार्टी की छात्र इकाई एएसएपी ने आरोप लगाया है कि चुनाव को प्रभावित करने के लिए छात्रों, शोधार्थियों, प्रोफेसरों और संगठन के समर्थकों पर दबाव बनाया जा रहा है। संगठन ने मामले की तत्काल और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है, ताकि परिसर में भयमुक्त माहौल में चुनाव संपन्न हो सके।

एएसएपी की ओर से आयोजित पत्रकार वार्ता में पीयू चुनाव प्रभारी सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर, विधायक अमृतपाल सिंह सुखानंद, जगदीप सिंह गोल्डी कंबोज और अध्यक्ष पद के उम्मीदवार आदित बराड़ ने आरोप लगाए। नेताओं ने कहा कि कुछ छात्रों और समर्थकों को एक विशेष छात्र संगठन के पक्ष में मतदान करने या परिसर छोड़ने की धमकियां दी गई हैं। कुछ मामलों में जान से मारने की धमकी दिए जाने का भी आरोप लगाया गया है।

नेताओं के अनुसार, धमकी भरे फोन कॉल और संदेशों के माध्यम से छात्रों पर मानसिक दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उनका कहना है कि छात्रसंघ चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया है और किसी भी विद्यार्थी को अपनी पसंद के उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने से रोकना गंभीर मामला है।

मीत हेयर ने छात्रों से अपील की कि वे किसी भी तरह के दबाव में न आएं और 31 अगस्त को निर्भय होकर मतदान करें। उन्होंने कहा कि चुनाव में प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी पसंद के प्रतिनिधि को चुनने का अधिकार है।

अध्यक्ष पद के उम्मीदवार आदित बराड़ ने दावा किया कि पिछले चुनावों के दौरान भी इस तरह की शिकायतें सामने आती रही हैं। उन्होंने कहा कि इस बार मामले की गंभीरता को देखते हुए समय रहते कार्रवाई जरूरी है।

एएसएपी ने पंजाब यूनिवर्सिटी प्रशासन और पुलिस से धमकी भरे फोन कॉल व संदेशों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। संगठन ने कहा कि जांच के बाद दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि छात्रसंघ चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराया जा सके।

लुधियाना निगम बैठक में मीडिया प्रवेश पर विपक्ष का हंगामा

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। नगर निगम लुधियाना के जनरल हाउस की बैठक 29 अगस्त को गुरु नानक भवन में होगी। बैठक में फाइनेंस एंड कॉन्ट्रैक्ट कमेटी (एफएंडसीसी) के दो सदस्यों के चुनाव के लिए मतदान होना है। बैठक से एक दिन पहले मीडिया को एंट्री को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। अकाली दल, भाजपा और कांग्रेस से जुड़े विपक्षी पार्षदों ने आरोप लगाया कि बैठक में मीडिया को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। विपक्ष का कहना है कि अधिकारियों को मीडिया को बाहर रोकने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, नगर निगम प्रशासन ने इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण नहीं दिया है। विपक्षी पार्षदों ने कहा कि जब एफएंडसीसी सदस्यों का चुनाव हाईकोर्ट के आदेश के तहत हो रहा है तो पूरी प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। उन्होंने मीडिया की मौजूदगी पर रोक के कारण स्पष्ट करने की मांग की।

विपक्षी पार्षदों ने सीक्रेट बैलेट और बैलेट पेपर पर नंबरिंग किए जाने का भी विरोध किया। उन्होंने नारेबाजी कर प्रदर्शन और धरना दिया। पार्षदों का आरोप है कि चुनाव प्रक्रिया को लेकर कई सवाल हैं।

हिमाचल से आ रहे कचरे से नदियां हो रही प्रदूषित

नदियों में जहरीला कचरा डालने पर 11 कबाड़ियों को नोटिस जारी

भारतेंदु संवाददाता, रूपनगर। हिमाचल प्रदेश की फैक्ट्रियों से निकलने वाले कथित जहरीले औद्योगिक कचरे, एसिड, दवाइयों और टीकों को नदियों में बहाए जाने के मामले में अब कार्रवाई तेज हो गई है। हलका विधायक दिनेश चड्ढा द्वारा मौके की स्थिति का जायजा लेने और अधिकारियों के समक्ष कड़ा रुख अपनाने के बाद रूपनगर पुलिस ने हरियाणा के 11 कबाड़ियों को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए पेश होने के निर्देश दिए हैं। पुलिस का मानना है कि पूछताछ से नदियों में रसायनयुक्त कचरा डालने वाले स्रोतों और डंपिंग गतिविधियों की जानकारी सामने आ सकती है।

बताया जा रहा है कि हरियाणा की बालद, नवांगगर और मड़ांवाला नदियों में बड़ी मात्रा में रसायनयुक्त कचरा फेंके जाने की शिकायत सामने आई है। आशंका जताई जा रही है कि यह कचरा सरसा नदी के रास्ते सतलुज दरिया तक पहुंच सकता है। सतलुज का पानी पंजाब में सिंचाई और अन्य दैनिक जरूरतों के लिए इस्तेमाल होता है। ऐसे में पानी के प्रदूषण से लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण को लेकर चिंता बढ़ गई है।

जल संसाधनों को दूषित करने पर सख्त कार्रवाई : विधायक दिनेश चड्ढा ने कहा कि पंजाब के जल संसाधनों को दूषित करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभागों से मामले में गंभीरता से कार्रवाई करने और दोषियों की पहचान सुनिश्चित करने की मांग की।

उनके हस्तक्षेप के बाद प्रभावित नदियों और आसपास के क्षेत्रों से कचरा हटाने की प्रक्रिया भी तेज की गई है। प्रशासनिक स्तर पर प्रदूषण के स्रोतों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

संयुक्त जांच की मांग : पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के संबंधित प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को पत्र भेजकर संयुक्त जांच करने की मांग की है। बोर्ड ने मामले में त्वरित कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह भी किया है। पुलिस द्वारा 11 कबाड़ियों को नोटिस जारी किए जाने और सफाई अभियान शुरू होने को मामले में शुरुआती महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। अब जांच के दौरान यह पता लगाने पर जोर है कि कचरा कहां से आया, किसने इसे नदियों में डंप किया और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं।

मामले में पुलिस और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कार्रवाई आगे बढ़ने के साथ कचरे के स्रोत और इसे नदियों तक पहुंचाने वाले लोगों की पहचान की उम्मीद है। पुलिस नोटिस पाने वाले कबाड़ियों से पूछताछ कर यह जानकारी जुटाएगी कि उन्हें औद्योगिक कचरा कहां से मिला और इसे आगे कहां भेजा गया। अधिकारियों की नजर उन स्थानों पर भी है, जहां खुले में रसायनयुक्त कचरा जमा किए जाने की आशंका है। वहीं, नदियों से कचरा हटाने के साथ पानी की गुणवत्ता की जांच पर भी जोर दिया जा रहा है।

डॉक्टरों को धमकी देकर रंगदारी मांगने वाला आरोपित गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। शहर के डॉक्टरों और क्लीनिक संचालकों को फोन व वाट्सएप संदेश भेजकर 50-50 हजार रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में सेक्टर-17 थाना पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान महाराष्ट्र निवासी सचिन साकेत के रूप में हुई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि धमकियों के पीछे केवल आरोपित था या कोई गिरोह भी सक्रिय है।

पुलिस के अनुसार, 17 अगस्त को महज 24 घंटे के भीतर सेक्टर-18, 22, 23 और 40 समेत शहर के कई हिस्सों में डॉक्टरों और स्वास्थ्य केंद्र संचालकों को एक ही मोबाइल नंबर से धमकी भरे फोन और संदेश भेजे गए थे। कुछ डॉक्टरों को वाट्सएप पर क्यूआर कोड भेजकर 50 हजार रुपये जमा करने का दबाव बनाया गया।

रंगदारी की धमकियों के बाद डॉक्टरों के एक समूह ने राज्यपाल से मुलाकात कर मामले की जानकारी दी थी। इसके बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए और जांच तेज की गई।

सेक्टर-23 निवासी डॉ. निधिश को फोन कर शाम सात बजे तक 50 हजार रुपये पहुंचाने की धमकी दी गई। वहीं सेक्टर-22 में डॉ. सुखजिंदर सिंह को वाट्सएप कॉल और संदेश के जरिए क्यूआर कोड भेजकर रकम मांगी गई। सेक्टर-18 की क्लीनिक संचालक रुचि आहूजा के रिसेप्शन नंबर पर भी इसी तरह का संदेश आया।

रक्षासूत्र में बंधा सरहद का रिश्ता, जवानों संग बहनों ने मनाया पर्व

सीमा पर गूंजी भाईचारे की मिठास, जवानों की कलाई पर सजा बहनों का स्नेह और अपनापन

भारतेंदु संवाददाता, बटाला/कलानौर। सरहदी लोक सेवा समिति (पंजाब) की ओर से रक्षाबंधन का पर्व भारत-पाकिस्तान सीमा पर देश की सुरक्षा में तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों के साथ श्रद्धा, उत्साह और आत्मीयता से मनाया गया। समिति के करीब 40 से 50 पदाधिकारी, सदस्य, माताएं और बहनें सीमावर्ती चौकियों तथा श्री करतारपुर साहिब गलियारे के परिसर में पहुंचे। यहां उन्होंने जवानों की कलाई पर राखियां बांधीं और उनका मुंह मीठा करवाकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

बहनों ने जवानों को राखी बांधते हुए उनकी लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुरक्षित रहने की कामना की। इस दौरान जवानों ने भी बहनों के स्नेह और सम्मान को स्वीकार किया तथा देशवासियों की सुरक्षा के लिए अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा से निभाने का संकल्प दोहराया।

सरहदी लोक सेवा समिति के प्रांत मंत्री नीरज कुमार ढोला ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का पर्व नहीं है, बल्कि यह सुरक्षा, विश्वास, जिम्मेदारी और भाईचारे की भावना को मजबूत करने वाला त्योहार भी है। उन्होंने कहा कि बीएसएफ के जवान गर्मी, सर्दी, बारिश और तमाम कठिन परिस्थितियों के बीच सीमाओं की सुरक्षा में डटे रहते हैं। उनके कारण देश के करोड़ों नागरिक सुरक्षित जीवन व्यतीत कर रहे हैं। जवानों के त्याग, अनुशासन और राष्ट्रसेवा को शब्दों में पूरी तरह व्यक्त नहीं किया जा सकता।

गेस्ट हाउस में रिवॉल्वर संग पहुंचा फर्जी अधिकारी पुलिस ने खोली पोल

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। सेक्टर-6 स्थित यूटी गेस्ट हाउस में वीरवार दोपहर उस समय हंगामा मच गया, जब इनोवा सवार एक व्यक्ति ने कथित तौर पर रिवॉल्वर निकालकर करतब दिखाना शुरू कर दिया। वह लोगों पर रौब जमाते हुए खुद को पीसीएस अधिकारी और चंडीगढ़-पंजाब डिवीजन का पीसीआर प्रमुख बताने लगा। उसकी गतिविधियों पर संदेह होने पर किसी ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सुखना झील चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक सुनील कुमार और क्षेत्रीय यातायात प्रभारी निरीक्षक रोहताश यादव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम केडी पांडे बताया और दावा किया कि उसके पिता जेडी पांडे पंजाब पुलिस में डीजीपी पद से सेवानिवृत्त हुए हैं।

पराठे का बिल चुकाने आया युवक निकला नकली नोटों का खिलाड़ी, दुकानदार ने दबोचा

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। भगवान वाल्मीकि चौक के नजदीक एक पराठे की दुकान पर बुधवार रात उस समय हंगामा हो गया, जब एक ग्राहक ने कथित तौर पर नकली नोट देकर भुगतान करने का प्रयास किया। दुकानदार को नोट पर शक हुआ तो उसने उसे ध्यान से जांचा, जिसके बाद नोट नकली पाया गया। इसके बाद दुकानदार ने आसपास मौजूद लोगों की मदद से संदिग्ध व्यक्ति को मौके पर ही रोक लिया और पुलिस को सूचना दी।

दुकानदार के अनुसार, उक्त व्यक्ति पिछले कुछ दिनों से लगातार रात के समय उसकी दुकान पर आ रहा था। आरोप है कि इससे पहले भी वह दो बार नकली नोट देकर पराठे और अन्य सामान ले चुका था। बुधवार रात भी वह दुकान पर पहुंचा और खाना खाने के बाद भुगतान के लिए एक नोट दिया। नोट की जांच करने पर दुकानदार को उसके नकली होने का पता चला।

सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। पुलिस की मौजूदगी में उसकी तलाशी ली गई। इस दौरान उसकी जेब से कथित तौर पर कई अन्य नकली नोट बरामद होने की जानकारी सामने आई। इसके बाद पुलिस उसे पूछताछ के लिए थाने ले गई।

पुलिस बरामद नोटों की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि ये नोट आरोपी तक कहां से पहुंचे। साथ ही पुलिस यह भी जांच कर रही है कि मामले में कोई अन्य व्यक्ति या गिरोह तो शामिल नहीं है। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

छह साल इंतजार के बाद फ्लैट मिलने पर रेरा ने ओमेक्स पर लगाया 31 लाख का ब्याज

भारतेंदु संवाददाता, मोहाली। न्यू मुल्लांपुर स्थित ओमेक्स के द लेक प्रोजेक्ट में फ्लैट का लंबे समय से इंतजार कर रहे खरीदार को पंजाब रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) से बड़ी राहत मिली है। तय समय से करीब छह साल की देरी से फ्लैट का कब्जा देने के मामले में रेरा ने ओमेक्स न्यू चंडीगढ़ डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड पर कड़ा रुख अपनाते हुए खरीदार विक्रम सिंह भुल्लर को 31.51 लाख रुपये ब्याज देने का आदेश दिया है।

मामले के अनुसार, फ्लैट का कब्जा 4 जुलाई 2019 तक दिया जाना था, लेकिन खरीदार को वास्तविक कब्जा 21 मई 2025 को मिला। इस तरह निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के कई वर्ष बाद तक खरीदार को अपने घर के लिए इंतजार करना पड़ा। खरीदार ने फ्लैट के लिए कंपनी को कुल 50,74,667 रुपये का भुगतान किया था।

रेरा ने इस देरी को सामान्य परिस्थितियों का परिणाम मानने के बजाय कंपनी की जिम्मेदारी माना। प्राधिकरण ने 1 अगस्त 2019 से 30 अप्रैल 2025 तक 10.80 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज की गणना की। इसके आधार पर कुल 31,51,368 रुपये ब्याज निर्धारित हुआ।

कोविड का तर्क नहीं माना : कंपनी की ओर से देरी के लिए कोविड महामारी और खरीदार की ओर से भुगतान में कथित देरी का हवाला दिया गया था। हालांकि, रेरा ने इन दलीलों को स्वीकार नहीं किया। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि फ्लैट देने की निर्धारित समय सीमा कोविड महामारी शुरू होने से पहले ही समाप्त हो चुकी थी। इसलिए महामारी को देरी का आधार मानकर कंपनी को राहत नहीं दी जा सकती।

अतिरिक्त क्षेत्र की मांग भी घटाई : मामले में 80 वर्ग फुट अतिरिक्त क्षेत्र के लिए कंपनी ने करीब 2.95 लाख रुपये की मांग की थी। रेरा ने इस मांग को पूरी तरह स्वीकार नहीं किया। मूल समझौते में तय 2,275.50 रुपये प्रति वर्ग फुट की दर के आधार पर अतिरिक्त क्षेत्र की राशि 1,82,040 रुपये निर्धारित की गई।

खरीदार को करीब 9.75 लाख रुपये की देनदारी को ब्याज की रकम में समायोजित करने के बाद कंपनी को लगभग 21.76 लाख रुपये की शुद्ध राशि देनी होगी। रेरा ने कंपनी को आदेश प्राप्त होने के 90 दिनों के भीतर भुगतान करने का निर्देश दिया है। निर्धारित अवधि में भुगतान नहीं होने पर राशि की वसूली भूमि राजस्व के बकाये की तरह की जा सकेगी।

समीकरण सीट बंटवारे पर मंथन, दोनों दलों के फिर साथ आने के संकेत हुए मजबूत

सुखबीर बादल-पाटिल मुलाकात से पंजाब में अकाली-भाजपा गठजोड़ की चर्चा तेज

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब की राजनीति में शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी के बीच संभावित गठबंधन को लेकर चल रही अटकलों के बीच दिल्ली में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर सिंह बादल ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री और भाजपा के चुनाव प्रभारी बनाए गए सीआर पाटिल से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच हुई इस बैठक को पंजाब की आगामी राजनीतिक परिस्थितियों के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, सुखबीर बादल और सीआर पाटिल के बीच बैठक काफी देर तक चली। हालांकि, मुलाकात में किन मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई, इसको लेकर दोनों पक्षों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। इसके बावजूद राजनीतिक गलियारों में इस बैठक को दोनों दलों के बीच दोबारा नजदीकी बढ़ने के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

सीटों के बंटवारे पर चर्चा अहम : सूत्रों के मुताबिक, अकाली दल और भाजपा के बीच संभावित गठबंधन को लेकर बातचीत आगे बढ़ रही है। दोनों दलों के सामने सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा आगामी विधानसभा चुनाव में सीटों का बंटवारा हो सकता है। माना जा रहा है कि दिल्ली में हुई बैठक के दौरान चुनावी रणनीति और सीटों के संभावित बंटवारे को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ।

पंजाब में दोनों दलों के बीच गठबंधन की चर्चा ऐसे समय में तेज हुई है, जब राज्य की राजनीति में नए समीकरण बनने की संभावना जताई जा रही है। यदि दोनों दल फिर से साथ आते हैं तो इसका असर राज्य की चुनावी राजनीति पर पड़ सकता है।

किसान आंदोलन के दौरान टूटा था गठबंधन : शिरोमणि अकाली दल और भाजपा का गठबंधन लंबे समय तक पंजाब की राजनीति में महत्वपूर्ण रहा था। दोनों दलों ने कई चुनाव साथ मिलकर लड़े। हालांकि, कृषि कानूनों को लेकर शुरू हुए किसान आंदोलन के दौरान अकाली दल ने भाजपा से करीब ढाई दशक पुराना गठबंधन तोड़ लिया था। इसके बाद दोनों दल अलग-अलग चुनाव मैदान में उतरे।

गठबंधन टूटने के बाद पंजाब में दोनों पार्टियों ने अपने-अपने स्तर पर राजनीतिक आधार मजबूत करने की कोशिश की। अब बदलते राजनीतिक हालात के बीच दोनों दलों के बीच फिर से नजदीकी बढ़ने की चर्चाएं सामने आ रही हैं।

सीआर पाटिल की नियुक्ति के बाद बढ़ी हलचल : भाजपा ने हाल ही में केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल को पंजाब का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति के बाद पंजाब में भाजपा की चुनावी तैयारियों और संभावित राजनीतिक गठजोड़ को लेकर गतिविधियां बढ़ी हैं। कुछ समय पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सीआर पाटिल और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के साथ दिल्ली में बैठक भी हुई थी। इसके बाद पंजाब की राजनीति में भाजपा की रणनीति को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं।

सत्र में नशा-मुक्ति और कारोबार सुधार विधेयकों के साथ लंबित प्रस्तावों पर भी रहेगी नजर

21 सितंबर से शुरू होगा विधानसभा सत्र, लंबित विधेयकों और 650 अधिक सवालों पर होगी चर्चा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का शरद सत्र 21 सितंबर से श्रीनगर में शुरू होगा। करीब दस दिनों तक चलने वाले इस सत्र में सात से आठ बैठकें होने की संभावना है। बजट सत्र में समयाभाव के कारण लंबित रह गए निजी सदस्य विधेयकों के साथ नए प्रस्तावों पर भी सदन में चर्चा हो सकती है। विधानसभा सचिवालय को अब तक विधायकों की ओर से 650 से अधिक सवाल प्राप्त हो चुके हैं। बजट सत्र में निजी सदस्यों के कार्य के लिए दो दिन निर्धारित किए गए थे, लेकिन समय की कमी के कारण कई विधेयक पेश नहीं हो सके थे। इनमें जम्मू-कश्मीर में शराबबंदी लागू करने समेत विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं। लंबित विधेयकों को प्राथमिकता दी जाएगी या नए प्रस्तावों को पहले लिया जाएगा, इसका निर्णय विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर करेंगे। शरद सत्र के लिए सवाल और निजी सदस्य विधेयक जमा करने की अंतिम तिथि 25 अगस्त निर्धारित थी। नियमों के अनुसार प्रत्येक पात्र विधायक चार तारांकित और चार अतारांकित सवाल तथा एक निजी सदस्य विधेयक प्रस्तुत कर सकता है।

सरकार के विधायी प्रस्तावों पर रहेगी नजर

शरद सत्र का अंतिम कार्यक्रम अभी तैयार नहीं हुआ है। विधानसभा सचिवालय सरकार की ओर से प्रस्तावित विधायी और अन्य कार्यों का विवरण मिलने का इंतजार कर रहा है। इसके बाद सत्र का विस्तृत कैलेंडर तैयार किया जाएगा। सरकार की ओर से ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और जम्मू-कश्मीर में बढ़ती नशे की समस्या से संबंधित विधेयक सदन में पेश किए जाने की संभावना है।

शरद सत्र में नए विधेयकों की तैयारी, नशा-मुक्ति पर सरकार के कदम से बढ़ी उम्मीदें

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अध्यादेश को चार अगस्त को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में विचार के लिए रखा गया था। हालांकि, कुछ मंत्रियों ने संबंधित विभाग से इस प्रस्ताव पर विस्तृत प्रस्तुति मांगी थी। इसके बाद प्रस्ताव पर फैसला टाल दिया गया था। अब शरद सत्र में इस मुद्दे पर सरकार की आगे की रणनीति महत्वपूर्ण होगी। विधानसभा में सरकार की ओर से नए विधायी प्रस्ताव लाए जाने के साथ लंबित निजी सदस्य विधेयकों पर भी चर्चा की संभावना है। **नशा-मुक्ति विधेयक पर भी नजर :** जम्मू-कश्मीर में नशे की बढ़ती समस्या को देखते हुए सरकार की ओर से इससे संबंधित विधेयक लाए जाने की संभावना भी सत्र को महत्वपूर्ण बनाती है। इसके अलावा विधायक अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और अन्य जनहित के मुद्दे सवालों के माध्यम से सदन में उठा सकेंगे। शरद सत्र में सरकार के विधायी एजेंडे के साथ विपक्ष और सत्तापक्ष के विधायकों की ओर से उठाए जाने वाले जनहित के मुद्दे भी महत्वपूर्ण रहेंगे। लंबे समय से लंबित निजी विधेयकों को चर्चा का अवसर मिलने से सदन में विभिन्न नीतिगत विषयों पर विस्तृत बहस होने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, 21 सितंबर से शुरू होने वाला जम्मू-कश्मीर विधानसभा का शरद सत्र विधायी और जनहित के मुद्दों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नेपाल त्रासदी से कश्मीर को सबक, पर्यावरण संरक्षण जरूरी

नेपाल की तबाही से कश्मीर को चेतावनी, झीलों और आर्द्रभूमियों का संरक्षण जरूरी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। नेपाल और पूरे हिमालयी क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं से हुई तबाही को कश्मीर के लिए गंभीर चेतावनी बताते हुए मीरवाइज-ए-कश्मीर डॉ. मौलवी मुहम्मद उमर फारूक ने जम्मू-कश्मीर की नाजुक पारिस्थितिकी की तत्काल सुरक्षा पर जोर दिया। ऐतिहासिक जामा मस्जिद, श्रीनगर में शुक्रवार की नमाज के बाद संबोधन में उन्होंने नेपाल में आपदा से जान गंवाने वालों के प्रति संवेदना जताई और प्रभावित परिवारों के लिए दुआ की।

मीरवाइज ने कहा कि हिमालयी क्षेत्र में प्रकृति के साथ बढ़ता मानवीय हस्तक्षेप भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं को और अधिक भयावह बना सकता है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर भी संवेदनशील हिमालयी पट्टी का हिस्सा है, जहां जलवायु परिवर्तन के प्रभाव लगातार महसूस किए जा रहे हैं। अत्यधिक वर्षा, बादल फटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन जैसी घटनाओं में बढ़ोतरी चिंता का विषय है। हालांकि, उन्होंने कहा कि केवल जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार मानना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि विकास गतिविधियों की भी गंभीर समीक्षा जरूरी है।

विकास के नाम पर पहाड़ों से छेड़छाड़ चिंताजनक

मीरवाइज ने कहा कि कश्मीर की पहचान उसकी पहाड़ियों, झीलों, नदियों और जंगलों से है। यही प्राकृतिक संपदा पर्यटन और बड़ी आबादी की आजीविका का आधार भी है। लेकिन व्यावसायिक गतिविधियों और विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों का अनियंत्रित दोहन गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। उन्होंने सड़कों के निर्माण के लिए पेड़ों की कटाई, संवेदनशील क्षेत्रों में होटल व अन्य भवनों के निर्माण तथा प्राकृतिक जल निकासी मार्गों से छेड़छाड़ पर चिंता जताई।

मीरवाइज ने झीलों, आर्द्रभूमियों और प्राकृतिक बाढ़ मार्गों पर बढ़ते अतिक्रमण को रोकने की अपील की। उन्होंने कहा कि आर्द्रभूमियों को खाली जमीन समझना बड़ी भूल है। ये क्षेत्र अतिरिक्त पानी को सोखकर बाढ़ के प्रभाव को कम करने में प्राकृतिक सुरक्षा कवच का काम करते हैं।

उन्होंने डल झील का उदाहरण देते हुए कहा कि लंबे समय से जारी अतिक्रमण, निर्माण और पर्यावरणीय उपेक्षा ने इसकी स्थिति को प्रभावित किया है। डल झील का लगातार सिकुड़ना बताता है कि प्राकृतिक संसाधनों की समय रहते रक्षा नहीं की गई तो नुकसान गंभीर हो सकता है।

मीरवाइज ने कहा कि नेपाल में हुई त्रासदी को कश्मीर से दूर की घटना मानकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

हाईवे किनारे बेखौफ निर्माण से सवालों में प्रशासन ग्रामीणों ने मांगी सख्ती

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। श्रीनगर-लेह बाइपास पर निर्माण प्रतिबंध के बावजूद बरोसा से सोनमर्ग तक सड़क किनारे अवैध निर्माण जारी होने का आरोप है। स्थानीय लोगों के अनुसार कई स्थानों पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, आवासीय इमारतें और दुकानें बनाई जा रही हैं। प्रशासन ने कृषि भूमि की सुरक्षा, भूमि उपयोग नियमों और रिबन डेवलपमेंट एक्ट के तहत हाईवे के 100 मीटर दायरे में निर्माण पर रोक लगाई है। ग्रामीणों का आरोप है कि नियमों की अनदेखी कर सिंध नाले जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के पास भी निर्माण हो रहा है। लोगों ने प्रशासन पर प्रभावशाली लोगों को कथित रूप से छूट देने और गरीबों पर कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। स्थानीय निवासियों ने बरोसा से सोनमर्ग तक ड्रोन सर्वे और भौतिक निरीक्षण कराने की मांग की है। साथ ही निर्माण की अनुमति की जांच कर नियम तोड़ने वालों पर बिना भेदभाव सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है।

कश्मीर में भालुओं का बढ़ता आतंक, दो साल में हुई 32 लोगों की मौत

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीर घाटी में मानव-भालू संघर्ष लगातार बढ़ रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले दो वर्षों में जम्मू-कश्मीर में जंगली जानवरों के 15,661 हमले दर्ज हुए, जिनमें 32 लोगों की मौत और 350 से अधिक लोग घायल हुए। इनमें बड़ी संख्या भालू के हमलों की है। ताजा घटना कुलगाम के अहमदाबाद गांव की है, जहां 62 वर्षीय अब्दुल सलाम तेली पर सुबह बाग में काम करते समय भालू ने हमला कर दिया। उनके सिर पर गंभीर चोटें आईं।

वन्यजीव विभाग के अनुसार करीब 80 प्रतिशत हमले सुबह होते हैं, जब लोग खेतों और बागों में काम करने निकलते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक खुले में फेंका कचरा, खराब फसल और जंगलों के आसपास बढ़ता मानव अतिक्रमण भालुओं को आबादी की ओर खींच रहा है। हमलों पर नियंत्रण के लिए जम्मू-कश्मीर में 50 से अधिक आपात नियंत्रण कक्ष बनाए गए हैं। विभाग ने लोगों से कचरा खुले में न फेंकने, समूह में चलने और भालू दिखने पर तुरंत वन्यजीव विभाग को सूचना देने की अपील की है।

ट्रैफिक जाम ने रोकी श्रीनगर की रफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में बढ़ते ट्रैफिक जाम से लोगों को समय गंवाने के साथ अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान हो रहा है। कश्मीर यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अध्ययन के अनुसार, शहर की छह प्रमुख सड़कों पर जाम के कारण प्रतिदिन करीब 6.99 करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान होता है। इसमें यात्रियों के समय की लागत, वाहन संचालन और टूट-फूट का खर्च शामिल है। शोधकर्ताओं ने नौगाम-लाल चौक, पंथाचौक-लाल चौक, भगत-लाल चौक, परिमपोरा-लाल चौक, टेंगपोरा-लाल चौक और हजरतबल-लाल चौक मार्गों का अध्ययन किया। इनमें डलगेट होकर हजरतबल-लाल चौक मार्ग पर सबसे अधिक 2.34 करोड़ रुपये प्रतिदिन का नुकसान दर्ज किया गया। पंथाचौक-लाल चौक पर 1.52 करोड़ और परिमपोरा-लाल चौक पर 1.04 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। अध्ययन में सड़क अतिक्रमण, बेतरतीब पार्किंग, खराब सड़क व्यवस्था, गलत बस स्टाप और यातायात नियमों की अनदेखी को जाम की प्रमुख वजह बताया गया है।

कठुआ में गोवंश तस्करी पर शिकंजा, 36 गोवंश मुक्त, तीन गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, कठुआ । गोवंश तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने लखनपुर और बसोहली में दो अलग-अलग कार्रवाइयों को अंजाम दिया। पुलिस ने दोनों मामलों में कुल 36 गोवंश को मुक्त करवाते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। तस्करी में इस्तेमाल एक वाहन भी जब्त किया गया। लखनपुर पुलिस ने डिस्पैच प्वाइंट पर नाका लगाकर पंजाब से जम्मू-कश्मीर की ओर आ रहे ट्रक जेके09बी-0077 को रोका। तलाशी के दौरान ट्रक में 17 गोवंश लदे मिले। पुलिस ने सभी गोवंश को मुक्त करवाकर चालक मोहम्मद सलीम निवासी गुजर बस्ती बेली चराना, जम्मू को गिरफ्तार कर लिया और वाहन जब्त कर लिया। वहीं, बसोहली पुलिस ने नाके के दौरान 19 गोवंश को पैदल पंजाब की ओर ले जा रहे अली हुसैन और सैफ अली, दोनों निवासी सुंदरून, तहसील बनी को गिरफ्तार किया।

फर्जी ऋण और ओवरड्राफ्ट के जरिए बैंक को नुकसान पहुंचाने का आरोप

जम्मू में बिजली कटौती से पेयजल संकट गहराया, दो हफ्तों से बूंद-बूंद को तरस रहे लोग

◆ **बिजली संकट के चलते तालाब तिल्लो, मुट्ठी और रूपनगर में 15 दिनों से बाधित है जलापूर्ति।**

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। शहर में अघोषित बिजली कटौती और पेयजल संकट ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। तालाब तिल्लो, मुट्ठी, जानीपुर और रूपनगर सहित कई इलाकों में करीब दो सप्ताह से नियमित जलापूर्ति प्रभावित है। पानी की कमी के चलते लोगों को निजी टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं, जिससे परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण जलापूर्ति व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। घरों में पानी की मोटर नहीं चल पाने से लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। रक्षाबंधन जैसे त्योहार के दिन भी शहर के कई हिस्सों में बिजली की आंख-मिचौली जारी रही। इससे लोगों में बिजली और जल शक्ति विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ गई।

पुराने शहर, सिद्धड़ा, सुंजवां, छन्नी, त्रिकुटा नगर, गंग्याल, डिग्याना, चौआदी, कुंजवानी, कुल्लियां, चट्ठा, सतवारी, तालाब तिल्लो और बोहड़ी समेत कई क्षेत्रों में बीच-बीच में बिजली कटौती की शिकायतें सामने आईं। लोगों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो रहा है।

निजी टैंकरों पर निर्भर लोग : जलापूर्ति बाधित होने के कारण प्रभावित क्षेत्रों के परिवार निजी टैंकरों पर निर्भर हो गए हैं। लोगों का कहना है कि रोजमर्रा की जरूरतों के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।

राजौरी में पाकिस्तानी ड्रोन घुसपैठ नाकाम, सेना की सतर्कता से टला बड़ा खतरा

भारतेंदु संवाददाता, राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा के पास भारतीय सेना ने पाकिस्तानी ड्रोन की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, नौशेरा क्षेत्र के रुमलीधारा के पास देर रात तीन ड्रोन भारतीय हवाई क्षेत्र में प्रवेश करते दिखाई दिए। ड्यूटी पर तैनात जवानों ने समय रहते ड्रोन की गतिविधियों का पता लगा लिया। सुरक्षाबलों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए काउंटर-ड्रोन प्रणाली सक्रिय कर दी। भारतीय सेना की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के बाद तीनों ड्रोन भारतीय क्षेत्र से वापस सीमा पार लौट गए। घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया गया है। ड्रोन की गतिविधि सामने आने के बाद सुरक्षाबलों ने रुमलीधारा और आसपास के क्षेत्रों में एहतियातन तलाशी अभियान शुरू किया। सुरक्षा बल यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ड्रोन किस उद्देश्य से भारतीय क्षेत्र में दाखिल हुए थे और उनकी गतिविधियों के पीछे कोई संदिग्ध योजना तो नहीं थी।

बारामुला में आतंकी साजिश नाकाम, दो हथगोलों संग ओवरग्राउंड वर्कर गिरफ्तार

◆ **साजिशकर्ता तक पहुंचने के लिए सुरक्षाबलों ने गिरफ्तार युवक से पूछताछ तेज की है।**

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले के कुंजर इलाके में सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को आतंकी साजिश को नाकाम करते हुए एक संदिग्ध ओवरग्राउंड वर्कर को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से दो हथगोले बरामद किए गए हैं। सुरक्षाबलों को आशंका है कि इनका इस्तेमाल कुंजर या गुलमर्ग क्षेत्र में सुरक्षाबलों के ठिकाने अथवा गश्ती दल पर हमले के लिए किया जाना था। पुलिस ने आरोपित से पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, बारामुला पुलिस को खुफिया तंत्र से सूचना मिली थी कि आतंकी कुंजर और गुलमर्ग क्षेत्र में किसी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में हैं। सूचना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई और कई संवेदनशील स्थानों पर विशेष नाके लगाए गए। यहां वाहनों और राहगीरों की तलाशी ली जा रही थी।

जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना की दो आरआर और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 176वीं वाहिनी के जवानों ने वुस्सन बांगिल इलाके में संयुक्त नाका लगाया था। इसी दौरान एक संदिग्ध युवक नाके को देखकर अपना रास्ता बदलने लगा और वहां से भागने की कोशिश करने लगा। सुरक्षाकर्मियों ने उसकी गतिविधि पर नजर रखी और पीछा कर उसे पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान युवक के पास से दो हथगोले बरामद हुए। उसकी पहचान कुंजर के हाड़ू अबूरा निवासी शाकिर नबी लोन के रूप में हुई है।

आतंकवाद के खिलाफ अभियान तेज, कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था पर आईजीपी की नजर

भारतेंदु संवाददाता,श्रीनगर। कश्मीर जोन के नवनियुक्त पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) सुजीत कुमार ने कहा कि आतंकवाद विरोधी अभियान पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और आगे भी रहेगा। पदभार संभालने के बाद श्रीनगर के पहले मैदानी दौरे पर पहुंचे आईजीपी ने हजरतबल समेत संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के दौरान संभावित भीड़ को देखते हुए पुलिस तैनाती, यातायात और भीड़ प्रबंधन की समीक्षा की। पत्रकारों से बातचीत में सुजीत कुमार ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ अभियान पहले भी पुलिस की पहली प्राथमिकता थे और आज भी हैं।

विदेशी अखरोट की बढ़ती आवक से कश्मीर के बागवानों पर बढ़ा संकट

विदेशी आयात, जीएसटी और कमजोर बाजार ढांचे से बागवानों की बढ़ी परेशानी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीर की पहचान से जुड़े अखरोट उद्योग पर विदेशी उत्पादों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा का दबाव बढ़ गया है। चीन, चिली और कैलिफोर्निया से आने वाले अखरोट के कारण स्थानीय बागवानों को कीमत और बाजार में चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा अखरोट पर पांच प्रतिशत जीएसटी, उन्नत किस्मों पर शोध की कमी और मंडियों में सुविधाओं के अभाव ने परेशानी बढ़ा दी है।

फ्रूट एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को ज्ञापन सौंपकर उद्योग को राहत देने की मांग की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष हाजी बहादुर खान ने कहा कि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो कश्मीर का पारंपरिक अखरोट उद्योग विदेशी उत्पादों के मुकाबले पिछड़ सकता है।आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, देश में करीब 1.08 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में अखरोट की खेती होती है, जिसमें लगभग 89 हजार हेक्टेयर जम्मू-कश्मीर में है।

जम्मू को मिली 25 नई ई-बसें, आधुनिक सुविधाओं से सफर होगा सुरक्षित

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू शहर में प्रदूषण मुक्त, सुरक्षित और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। केंद्र सरकार की पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत जम्मू स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने शहर के परिवहन बेड़े में 25 नई इलेक्ट्रिक बसें शामिल करने के लिए आधिकारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इन बसों के संचालन से सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक बनाने के साथ प्रदूषण कम करने में भी मदद मिलने की उम्मीद है। जम्मू स्मार्ट सिटी लिमिटेड के चेयरमैन एवं डिवीजनल कमिश्नर रमेश कुमार और मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. देवांश यादव की मौजूदगी में वीरवार को समझौता किया गया। अधिकारियों के अनुसार, नई इलेक्ट्रिक बसें यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक सफर उपलब्ध कराने के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होंगी।

कश्मीर में सजेगा विश्व सिनेमा का मंच

41 देशों की 135 दिखेंगी फिल्में, चार दिवसीय महोत्सव में 96 लाख के पुरस्कारों की घोषणा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय सिनेमाई मानचित्र पर स्थापित करने और फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने पहले अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव जम्मू-कश्मीर 2026 के लिए नौ प्रमुख श्रेणियों में नकद पुरस्कारों की घोषणा की है। महोत्सव का आयोजन सात से 10 सितंबर तक श्रीनगर के एसकेआईसीसी, गुलमर्ग और जम्मू में किया जाएगा।

महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ फिल्म को 25 लाख रुपये का सर्वोच्च नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। वहीं सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ नवोदित निर्देशक की श्रेणी में विजेताओं को 15-15 लाख रुपये दिए जाएंगे। पुरस्कारों का उद्देश्य उत्कृष्ट फिल्म निर्माण के साथ निर्देशन और नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना है।

◆ **सात सितंबर से शुरू होगा, महोत्सव सर्वश्रेष्ठ फिल्म को 25 लाख रुपये का सर्वोच्च इनाम**

विशेष श्रेणी : जम्मू-कश्मीर की फिल्मों के लिए जम्मू-कश्मीर से जुड़ी फिल्मों को प्रोत्साहित करने के लिए 'बेस्ट फिल्म-जम्मू-कश्मीर सेलेक्ट' श्रेणी रखी गई है। इसके विजेता को 10 लाख रुपये का पुरस्कार मिलेगा। इस श्रेणी में क्षेत्र के सामाजिक, सांस्कृतिक और कलात्मक जीवन को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने वाली फिल्मों को सम्मानित किया जाएगा।

अभिनय के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री को आठ-आठ लाख रुपये दिए जाएंगे। तकनीकी क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ छायांकन, सर्वश्रेष्ठ ध्वनि डिजाइन और सर्वश्रेष्ठ संपादन के विजेताओं को पांच-पांच लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी।

राजनीतिक रसूख का झांसा देकर 8 .25 लाख की ठगी, अनंतनाग में नेता पर एफआईआर दर्ज

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में राजनीतिक प्रभाव का हवाला देकर कथित ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने नेता आबिद हुसैन नेंगरू के खिलाफ धोखाधड़ी और धमकी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि पुलिस विभाग में विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) की नौकरी और श्री अमरनाथ यात्रा के दौरान पहलगाम में टेंट लगाने का ठेका दिलाने का भरोसा देकर उससे कुल 8.25 लाख रुपये लिए गए।

पुलिस के अनुसार, खन्नाबल स्थित पुलिस चौकी में वाहिद अहमद इट्टू ने लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया कि आबिद हुसैन नेंगरू ने अपने कथित राजनीतिक प्रभाव का हवाला देते हुए उसे सरकारी नौकरी और अन्य सुविधाएं दिलाने का आश्वासन दिया था।

◆ **एसपीओ नौकरी और अमरनाथ टेंट ठेके का लालच देकर रकम लेने का आरोप**

नौकरी और टेंट ठेके का दिया भरोसा : शिकायतकर्ता के मुताबिक, आरोपित ने उसे विश्वास दिलाया कि अपनी राजनीतिक पहुंच के माध्यम से पुलिस विभाग में एसपीओ की नौकरी लगवा सकता है। इसके अलावा श्री अमरनाथ यात्रा के दौरान पहलगाम में यात्रियों के लिए टेंट लगाने की अनुमति अथवा ठेका दिलाने का भी कथित आश्वासन दिया गया।

इन वादों पर भरोसा करते हुए शिकायतकर्ता ने अलग-अलग समय पर कुल 8 लाख 25 हजार रुपये देने का आरोप लगाया। हालांकि, रकम लेने के बाद न तो उसे नौकरी मिली और न ही पहलगाम में टेंट लगाने की अनुमति या ठेका मिल सका। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि जब उसने अपनी रकम वापस मांगनी शुरू की तो उसे कथित तौर पर धमकाया गया।

जलनिकासी | मुख्यमंत्री ने जलभराव रोकने, नालों के पुनरुद्धार और ड्रेनेज नेटवर्क मजबूत करने के दिए निर्देश

श्रीनगर में जलभराव रोकने के लिए बनेगी पांच वर्षीय योजना

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। बारिश के बाद शहर में बार-बार होने वाले जलभराव की समस्या से स्थायी निजात दिलाने के लिए जम्मू-कश्मीर सरकार ने व्यापक कार्ययोजना तैयार करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अधिकारियों को श्रीनगर के जल निकासी तंत्र को मजबूत करने के लिए समयबद्ध योजना बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने तत्काल राहत के लिए आपातकालीन मानक संचालन प्रक्रिया लागू करने के साथ पांच वर्षीय एकीकृत जल निकासी योजना पर तेजी से काम करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को श्रीनगर शहर की जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि शहर का ढांचा ऐसा होना चाहिए कि कुछ घंटों की तेज बारिश के बाद भी लोगों को जलभराव की समस्या का सामना न करना पड़े।

बैठक में श्रीनगर नगर निगम के आयुक्त फजलुल हसीब ने शहर की मौजूदा जल निकासी व्यवस्था, उसकी कमियों और प्रस्तावित पांच वर्षीय योजना को लेकर विस्तृत प्रस्तुति दी। अधिकारियों के अनुसार श्रीनगर में वर्तमान में करीब 680 किलोमीटर लंबा वर्षा जल निकासी नेटवर्क है। वहीं, मास्टर प्लान-2035 के तहत भविष्य में बढ़ने वाली आबादी और शहरी क्षेत्र को देखते हुए करीब 2500 किलोमीटर अतिरिक्त जल निकासी नेटवर्क की आवश्यकता है।

पुराना ढांचा और गाद बनी बड़ी समस्या : अधिकारियों ने बताया कि मौजूदा नेटवर्क का करीब 15 प्रतिशत हिस्सा पूरी क्षमता से काम नहीं कर रहा है। इसकी प्रमुख वजह नालों की अपर्याप्त क्षमता, पुराना ढांचा, गाद और ठोस कचरे का जमा होना है। तेजी से हो रहे शहरीकरण ने प्राकृतिक जल निकासी मार्गों पर भी दबाव बढ़ा दिया है। इसके कारण बारिश के दौरान कई क्षेत्रों में पानी जमा हो जाता है।

दो चरणों में लागू होगी योजना

पांच वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम को दो चरणों में लागू किया जाएगा। पहले चरण में व्यावसायिक क्षेत्रों और घनी आबादी वाले इलाकों को प्राथमिकता दी जाएगी। दूसरे चरण में शहर के निचले क्षेत्रों को योजना के दायरे में लाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जल निकासी व्यवस्था को सुचारु रखने में लोगों की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने ठोस कचरे, प्लास्टिक बोतलों और पॉलीथिन के उचित निपटान को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पॉलीथिन और कचरा नालों में जाने से जल निकासी व्यवस्था बाधित होती है। सरकार का लक्ष्य तत्काल राहत के साथ श्रीनगर के लिए मजबूत और टिकाऊ जल निकासी तंत्र तैयार करना है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि भारी बारिश की चेतावनी मिलते ही नगर निगम को तत्काल आपातकालीन योजना सक्रिय करनी होगी। नालों की सफाई, अवरोध हटाने और जल निकासी की व्यवस्था को पहले से तैयार रखने पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि आपातकालीन उपाय केवल तत्काल राहत दे सकते हैं, जबकि स्थायी समाधान के लिए बड़े स्तर पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करना जरूरी है।

नशे के खिलाफ सिर्फ कानून नहीं समाज की सामूहिक भागीदारी भी जरूरी

केशव शर्मा 'रसिक' स्वतन्त्र लेखक गांव-कोटला,घुमारवीं।

वर्तमान समय में नशे का जाल शहरों से लेकर गाँवों तक फैल चुका है। स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थी, बेरोजगार युवा और कई बार कम उम्र के किशोर भी आज इसकी चपेट में आ रहे हैं। शराब, चरस, अफीम, हेरोइन, सिंथेटिक ड्रग्स और नशीली दवाओं का अवैध कारोबार समाज की जड़ों को खोखला कर रहा है। नशे के कारण परिवार टूट रहे हैं, अपराध बढ़ रहे हैं, सड़क दुर्घटनाएँ हो रही हैं और युवाओं का भविष्य अंधकारमय बनता जा रहा है। ऐसे में नशे के खिलाफ समाज के हर वर्ग को एकजुट होकर व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है।

वर्तमान में दीमक की तरह समाज की जड़ों को खोखला कर रही नशे की बीमारी से समाज को सुरक्षित करने के लिए नशे के खिलाफ व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाया जाना निश्चित रूप से आवश्यक है, क्योंकि ऐसे अभियान ही लोगों को नशे के दुष्परिणामों से परिचित कराते हैं। संस्कार सोसायटी ने यह समझा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल बैठकों और भाषणों तक सीमित नहीं रह सकती, बल्कि इसके लिए एक व्यापक जन अभियान चलाया जाना बेहद जरूरी है। इसी सोच के साथ इस जन अभियान को आगे बढ़ाते हुए संस्कार सोसायटी की ओर से घुमारवीं में 8 जून 2024 को स्कूली विद्यार्थियों की उपमंडल स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई थी, जिसमें बच्चों ने अपनी कला के माध्यम से चिट्टे के बढ़ते प्रभाव, उसके दुष्परिणाम और नशामुक्त समाज की कल्पना को प्रभावशाली ढंग से सामने रखा। इसके बाद अभियान को साहित्य और संस्कृति से जोड़ते हुए सोसायटी की ओर से 2 मार्च 2025 को रैन बसेरा घुमारवीं में कवि सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें जिले के करीब 40 वरिष्ठ एवं युवा कवियों ने भाग लिया। उद्देश्य था कि नशे के खिलाफ संदेश केवल प्रशासनिक अपील न रहकर समाज की संवेदनाओं और भावनाओं से भी जुड़े। इसके बाद चुने हुए विद्यार्थियों, अभिभावकों, पंचायत प्रतिनिधियों और संस्था सदस्यों के लिए कार्यशाला आयोजित कर चिट्टे के कानूनी, शारीरिक, मानसिक और पारिवारिक प्रभावों पर विशेषज्ञों से जानकारी दिलाई गई। इस पहल के माध्यम से युवाओं और उनके परिवारों को नशे के गंभीर परिणामों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया।

साथ ही, सोशल मीडिया की ताकत को पहचानते हुए 1 से 28 फरवरी 2026 तक फेसबुक और इंस्टाग्राम पर प्रतियोगिता करवाई गई, जिसमें 49 युवाओं एवं सोशल मीडिया प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। संस्था के अनुसार इसके माध्यम से अभियान का संदेश तीन लाख से अधिक लोगों तक पहुंचा। सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को अभियान से जोड़ने और नशे के खिलाफ सकारात्मक संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। इस पहल ने यह दिखाया कि आधुनिक संचार माध्यमों का सही उपयोग सामाजिक जागरूकता के लिए प्रभावी तरीके से किया जा सकता है।

17 मई 2026 को इन युवाओं के साथ संवाद कार्यक्रम में चिट्टे के सामाजिक कारणों और उसके समाधान पर गंभीर चर्चा हुई। युवाओं ने अपने घर, गांव और समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इस तरह अभियान में युवा केवल दर्शक नहीं, बल्कि बदलाव के सहभागी बने। युवाओं की भागीदारी से अभियान को नई ऊर्जा मिली और नशे के खिलाफ सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया गया। घुमारवीं से उठी यह आवाज धीरे-धीरे प्रदेश स्तर तक पहुंची। संस्था के संस्थापक महेंद्र धर्माणी के प्रयासों से शिमला में विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं को जोड़कर 'संजीवनी ग्रुप' का गठन किया गया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

जिस बेटी को देवी कहते हैं, उसके जन्म से पहले ही सवाल क्यों खड़े कर देता है समाज

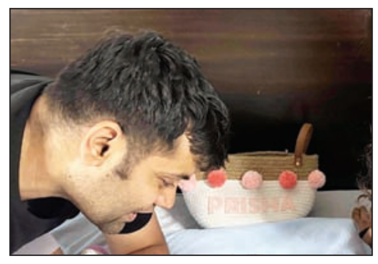

डॉ अंकिता चौधरी (सह-प्राध्यापक)अभिलाषी विश्वविद्यालय, मंडी (हि.प्र)

कभी-कभी समाज की सबसे बड़ी त्रासदी किसी अखबार की बड़ी खबर में नहीं, बल्कि एक मासूम बेटी की खामोश आंखों में दिखाई देती है। वह बेटी जो जन्म लेते ही परिवार की खुशियों का कारण बन सकती थी, लेकिन उसे आने से पहले ही इसलिए रोक दिया गया क्योंकि वह बेटी थी। वह बेटी जो अपने हिस्से का आसमान लेकर इस दुनिया में आना चाहती थी, लेकिन समाज की सदियों पुरानी सोच ने उसके लिए दरवाजा बंद कर दिया। ऐसे में मन के भीतर से एक करुण पुकार उठती है— 'अगले जनम मोहे बिटिया न कीजो।' यह पंक्ति केवल बेटी की पीड़ा नहीं है, बल्कि उस समाज के चेहरे पर एक कठोर प्रश्न है जो एक ओर नारी शक्ति की बातें करता है, बेटियों की उपलब्धियों पर गर्व करता है और दूसरी ओर आज भी कहीं न कहीं बेटी के जन्म को चिंता, खर्च और जिम्मेदारी के रूप में देखता है। आखिर ऐसी कैसी विडंबना है कि जिस बेटी को हम देवी का रूप कहते हैं, उसी के जन्म पर कई घरों में खुशी की जगह चिंता क्यों उतर आती है? बेटी जब जन्म लेती है तो वह अपने साथ कोई बोझ लेकर नहीं आती। वह केवल एक जीवन लेकर आती है—एक संभावना, एक सपना और एक पूरा भविष्य। लेकिन समाज उसके जन्म के साथ ही उसके जीवन का हिसाब लगाने लगता है। उसकी पढ़ाई पर कितना खर्च होगा, शादी में कितना देना पड़ेगा, उसकी सुरक्षा की चिंता कौन करेगा—इन सवालों के बीच यह भूल जाता है कि बेटा भी उतनी ही जिम्मेदारी लेकर पैदा होता है। फर्क केवल हमारी सोच का है। जिस परिवार में बेटे के जन्म को वंश आगे बढ़ाने की खुशी माना जाता है, उसी परिवार में बेटी के जन्म को कई बार चिंता की नजर से देखा जाता है। यह सोच न केवल बेटी के सम्मान को चोट पहुंचाती है बल्कि पूरे समाज की मानसिकता पर सवाल खड़े करती है।

बेटी के प्रति भेदभाव हमेशा किसी बड़े अपराध के रूप में सामने नहीं आता। कभी वह खाने की थाली में दिखाई देता है, कभी शिक्षा के अवसरों में, कभी उसके सपनों पर लगाए गए प्रतिबंधों में और कभी उसके निर्णय लेने के अधिकार को छीन लेने में। कई बार बेटी को बचपन से ही यह सिखा दिया जाता है कि उसे दूसरों की खुशी के लिए जीना है, जबकि बेटे को अपने सपनों के लिए उड़ने का अधिकार दिया जाता है। यही छोटी-छोटी असमानताएं आगे चलकर एक बड़ी सामाजिक असमानता का रूप लेती हैं। बेटियों को घर के काम में अधिक लगाया जाना, उनकी शिक्षा को सीमित करना, उनकी पसंद और निर्णय को महत्व न देना और उनके सपनों को परिवार की जिम्मेदारियों के नीचे दबा देना भी उसी भेदभाव का हिस्सा है।

और फिर आती है वह सबसे भयावह स्थिति, जहां बेटी को जन्म लेने का अधिकार तक नहीं दिया जाता। कन्या भ्रूण हत्या केवल एक अजन्मे जीवन की हत्या नहीं है। यह उस सोच की हत्या है जो समाज में संवेदना, समानता और मनुष्यता को जन्म देती है। जिस समाज में बेटी के आने से पहले ही उसके अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न लगा दिया जाए, वहां हमें यह पूछना चाहिए कि समस्या बेटी में है या हमारी मानसिकता में? किसी अजन्मी बेटी को केवल इसलिए दुनिया देखने का अवसर न देना कि वह लड़की है, मानवता के लिए गंभीर प्रश्न है। यह केवल कानून का विषय नहीं बल्कि सामाजिक चेतना और नैतिक जिम्मेदारी का भी विषय है।

बेटी को बचाने के लिए केवल सरकारी योजनाएं पर्याप्त नहीं हैं। कानून जरूरी हैं, जागरूकता जरूरी है, शिक्षा जरूरी है, लेकिन सबसे जरूरी है घर के भीतर सोच का बदलना। जिस दिन माता-पिता बेटी और बेटे के भविष्य को बराबर नजर से देखने लगेंगे, जिस दिन बेटी की शिक्षा को खर्च नहीं बल्कि निवेश समझा जाएगा, जिस दिन उसकी सुरक्षा को केवल परिवार की नहीं बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी माना जाएगा, उसी दिन वास्तविक परिवर्तन शुरू होगा। बदलाव किसी एक अभियान या नारे से नहीं आएगा।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

संपादकीय

यूपीआई बना वैश्विक पहचान

एक दशक पहले जब भारत में एकीकृत भुगतान इंटरफेस यानी यूपीआई की शुरुआत हुई थी, तब शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि यह व्यवस्था देश के आर्थिक व्यवहार को इतनी तेजी से बदल देगी। आज यूपीआई केवल भुगतान का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि भारत के डिजिटल परिवर्तन, वित्तीय समावेशन और तकनीकी क्षमता की पहचान बन चुका है। इसके दस वर्ष पूरे होना देश की उस यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिसमें तकनीक को आम नागरिक की सुविधा और सशक्तीकरण से जोड़ा गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत अनेक नेताओं ने यूपीआई के एक दशक को भारत की बड़ी उपलब्धि बताया है।

यूपीआई की सफलता के पीछे सबसे महत्वपूर्ण बात इसकी सरलता और सहजता है। डिजिटल व्यवस्था तभी सफल होती है, जब आम व्यक्ति उसे बिना किसी कठिनाई के अपना सके। आज देश के छोटे दुकानदार से लेकर बड़े कारोबारी तक यूपीआई के माध्यम से भुगतान स्वीकार कर रहे हैं। चाय की दुकान, सब्जी का ठेला, किराना स्टोर, रेस्तरां, परिवहन सेवा और ऑनलाइन कारोबार जैसे अनेक क्षेत्रों में मोबाइल फोन से कुछ ही क्षणों में भुगतान किया जा सकता है। नकदी रखने, खुले पैसे की चिंता करने और बैंकिंग प्रक्रिया की लंबी औपचारिकताओं से बचने की सुविधा ने लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बनाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया अभियान का उद्देश्य तकनीक को केवल बड़े शहरों और संपन्न वर्ग तक सीमित रखने के बजाय समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना रहा है। जनधन खातों, आधार और मोबाइल की त्रिमूर्ति ने वित्तीय समावेशन को आधार दिया और यूपीआई ने इस व्यवस्था को व्यावहारिक रूप से मजबूत किया। इससे उन लोगों के लिए भी डिजिटल लेन-देन के रास्ते खुले, जो पारंपरिक बैंकिंग व्यवस्था से पूरी तरह जुड़े नहीं थे। महिलाओं, छोटे व्यापारियों, युवाओं और ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल भुगतान की बढ़ती स्वीकार्यता इस परिवर्तन का महत्वपूर्ण उदाहरण है।

यूपीआई ने आर्थिक लेन-देन में गति के साथ पारदर्शिता को भी बढ़ावा दिया है। डिजिटल भुगतान के कारण लेन-देन का रिकॉर्ड उपलब्ध रहता है, जिससे आर्थिक गतिविधियों को अधिक व्यवस्थित तरीके से संचालित करने में मदद मिलती है। छोटे कारोबारियों के लिए भी ग्राहकों से भुगतान लेना आसान हुआ है। इसके साथ ही डिजिटल लेन-देन ने औपचारिक अर्थव्यवस्था के विस्तार में योगदान दिया है। हालांकि डिजिटल भुगतान के बढ़ते इस्तेमाल के साथ साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी और डिजिटल साक्षरता जैसी चुनौतियां भी सामने आई हैं। इसलिए यूपीआई के अगले चरण में सुविधा के साथ सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना जरूरी होगा।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने यूपीआई को परिवर्तनकारी बदलाव के एक दशक की कहानी बताया है। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी इसे भारत की डिजिटल क्षमता का परिचायक माना है। इन प्रतिक्रियाओं के पीछे एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि भारत ने डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में केवल किसी दूसरे देश के मॉडल की नकल नहीं की, बल्कि अपनी विशाल आबादी, विविध आर्थिक परिस्थितियों और अलग-अलग स्तर की डिजिटल पहुंच को ध्यान में रखते हुए एक प्रभावी व्यवस्था विकसित की।

यूपीआई की उपलब्धि का प्रभाव भारत की सीमाओं से बाहर भी दिखाई दे रहा है। विभिन्न देशों ने भारतीय डिजिटल भुगतान व्यवस्था में रुचि दिखाई है और इससे अनुभव से सीखने की कोशिश की है। इससे भारत की तकनीकी क्षमता और डिजिटल नवाचार को वैश्विक पहचान मिली है। यह भारत के लिए केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि तकनीकी आत्मविश्वास का भी प्रतीक है।

फिर भी यूपीआई की सफलता को अंतिम मंजिल नहीं माना जा सकता। डिजिटल भुगतान का विस्तार जितना बढ़ेगा, उतनी ही जिम्मेदारी सुरक्षित डिजिटल वातावरण तैयार करने की होगी। साइबर अपराधों से सुरक्षा, ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और डिजिटल सुविधाओं का विस्तार, बुजुर्गों तथा कम तकनीकी दक्षता वाले लोगों को प्रशिक्षण और डिजिटल धोखाधड़ी के प्रति जागरूकता जरूरी है। साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीकी बदलाव के कारण कोई वर्ग आर्थिक व्यवस्था से बाहर न रह जाए।

यूपीआई के दस वर्ष वास्तव में भारत की बदलती आर्थिक और सामाजिक तस्वीर की कहानी हैं। इसने भुगतान की प्रक्रिया को सरल बनाया, छोटे कारोबारियों को सुविधा दी और करोड़ों लोगों को डिजिटल वित्तीय व्यवस्था से जोड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया की जिस व्यापक सोच को आगे बढ़ाया गया, यूपीआई उसका महत्वपूर्ण परिणाम है। आने वाले समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल बैंकिंग और नई वित्तीय तकनीकों के साथ इसका दायरा और बढ़ सकता है। जरूरत इस बात की है कि विकास की इस डिजिटल यात्रा में सुविधा, सुरक्षा, पारदर्शिता और समावेशन के बीच संतुलन कायम रखा जाए। तभी यूपीआई केवल भुगतान की व्यवस्था नहीं, बल्कि एक मजबूत, आधुनिक और आत्मनिर्भर भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार बन सकेगा।

-शिवांश धाकड़

जिंदगी

कविता

रक्षा कुमारी खन्यारा, धर्मशाला(हि.प्र)

मुस्कुराती है जिंदगी कभी-कभी वीरानों में,
यूँ ही नहीं खिलते फूल तपते रेगिस्तानों में।
कांटों को भी कलियों का सहारा हुआ करता है,
दुख के साथ कहीं सुख भी रहा करता है।
कुछ खट्टे, कुछ मीठे हैं जायके जिंदगी के,
यूँ ही नहीं घुलती मिठास यादों की जुबानों में।
हर लम्हा कोई नया सबक दे जाता है,
हर मोड़ पर कोई नया रास्ता दिखाता है।
रात चाहे कितनी भी गहरी क्यों न हो,
उसके बाद सवेरा जरूर आता है।
हर जख्म के पीछे कोई चेहरा छिपा होता है,
जो दर्द सहकर भी मुस्कुराना सिखाता है।
मुस्कुराना जिनको आ जाए दर्द को पीकर भी,
वही तो सफल होते हैं जिंदगी के इम्तिहानों में।
गिरकर जो फिर उठते हैं और चलते जाते हैं,
वही अपनी पहचान बनाते हैं जमाने में।
जिनके पैरों ने चखे हों कांटों भरे रास्तों के मौसम,
वही फूलों की खुशबू को पहचानते हैं।
जिन्होंने आंधियों में भी दीप जलाए हों,
वही उजालों की कीमत जानते हैं।
जिंदगी हर किसी को आसान राह नहीं देती,
कभी धूप, कभी छांव का सफर देती है।
बस हौसला बनाए रखना, कदम बढ़ाते रहना,
क्योंकि मंजिल उन्हीं को मिलती है
जो कठिन रास्तों में भी उम्मीद नहीं छोड़ते।

गीत की पंक्तियां याद न रखने वाले नेताओं का वंदे मातरम् पर ज्ञान देना कितना उचित

निर्मल रानी

राष्ट्रीय गीत 'वंदेमातरम' के 150 साल पूरे होने के अवसर पर 2026 के नए सरकारी प्रोटोकॉल के अनुसार गृह मंत्रालय द्वारा जारी नए दिशा-निर्देशों के तहत सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम बजाना और सभी के लिए सम्मान में खड़ा होना अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही औपचारिक अवसरों पर इसके सभी छह छंदों को गाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। विपक्ष सहित कुछ अन्य संगठन इस अनिवार्य प्रोटोकॉल को संविधान के अनुच्छेद 25 अर्थात व्यक्तिगत और धार्मिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बताते हैं। बहरहाल, इन सबके बावजूद 'वंदेमातरम' को संसद में और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री की मौजूदगी में लाल किले पर गाया गया। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा 1875 में मूल रूप से बांग्ला और संस्कृत भाषा में लिखे इस गीत के शब्द काफी कठिन हैं। छह छंदों पर आधारित यह गीत काफी लंबा भी है। चूंकि आम तौर पर केवल इसके पहले दो छंदों को ही आधिकारिक तौर पर गाया जाता रहा है, इसलिए देश के अधिकांश राजनेताओं और आम नागरिकों को भी इसके बाद के चार छंद कंठस्थ याद नहीं होते हैं। लेकिन भाजपा के मामले में यह विवाद इसलिए भी बड़ा हो जाता है क्योंकि यह अन्य दलों पर राष्ट्रगीत के अपमान का तो आरोप लगाती है, जबकि खुद उसके अपने नेता इसे सही ढंग से प्रस्तुत करने में चूक जाते हैं। समय-समय पर भाजपा के नेता ही राष्ट्रगीत को लेकर अज्ञानता कैमरे पर भी उजागर हुई है। एक टेलीविजन लाइव डिबेट के दौरान, जब भाजपा प्रवक्ता नवीन कुमार सिंह दूसरों को 'वंदे मातरम' गाने की चुनौती दे रहे थे, तो एंकर ने उनसे स्वयं इसे गाने को कह दिया। वे अपने मोबाइल फोन में देखने के बावजूद गीत की गलत पंक्तियां गाने लगे और धुन भी पूरी तरह भूल गए। इसी तरह उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के पूर्व मंत्री बलदेव सिंह औलख से जब पत्रकारों ने 'वंदे मातरम' की कुछ पंक्तियां सुनाने को कहा, तो वे बेहद असहज हो गए। उन्होंने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि उन्हें इस समय पूरा याद नहीं है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जयपुर में भाजपा के मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान मंच पर राष्ट्रगीत गाते समय गलत धुन और गलत वर्जन बज गया। कांग्रेस द्वारा इस बड़ी चूक पर हमला किए जाने के बाद राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी। कोटा, मेरठ और ग्वालियर जैसे कई शहरों में भाजपा के स्थानीय विधायकों और सांसदों के ऐसे अनेक वीडियो सामने आ चुके हैं, जहां वे वंदे मातरम् और राष्ट्रगान जन गण मन के बीच अंतर करने में भ्रमित हो जाते हैं या गीत की पंक्तियों को आपस में मिला देते हैं। हाल ही में गुजरे संसद के मॉनसून सत्र के दौरान जब 'वंदे मातरम' को लेकर नया कानून और राष्ट्रगीत विवाद गरमाया, तो विपक्ष ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि जिन लोगों ने वंदे मातरम् को लेकर इतना कानून बनाए हैं, हकीकत यह है कि उनके अपने नेताओं और मंत्रियों को भी यह गीत पूरा याद नहीं है।

उधर मुस्लिम समुदाय के भीतर इस गीत को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण और विचार हैं। हालांकि समग्र मुस्लिम समाज 'वंदे मातरम' गायन का विरोध नहीं करता है, परन्तु समाज के कुछ लोग या कुछ धार्मिक संगठन इसके पूरे पाठ या कुछ विशिष्ट छंदों का विरोध करते हैं। जबकि अनेक प्रबुद्ध मुस्लिम नागरिक, प्रतिष्ठित लोग और कलाकार इसे देशभक्ति के प्रतीक के रूप में सहजता से गाते भी हैं।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

भारत की अंतरिक्ष उड़ान के सारथी

के. राधाकृष्णन
जन्म : 29 अगस्त 1949

के. राधाकृष्णन का जन्म 29 अगस्त 1949 को केरल के त्रिशूर जिले के इरिंजालकुडा में हुआ। बचपन से ही विज्ञान और तकनीक के प्रति उनकी रुचि ने उन्हें आगे चलकर देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम से जोड़ दिया। उन्होंने क्राइस्ट कॉलेज से प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने के बाद सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, त्रिशूर से विद्युत अभियांत्रिकी की पढ़ाई की और 1970 में प्रथम श्रेणी में सम्मान सहित बीएससी अभियांत्रिकी की डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु से प्रबंधन की उच्च शिक्षा ली और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर से वर्ष 2000 में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।

वर्ष 1971 में राधाकृष्णन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन से जुड़े। उन्होंने विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में अभियांत्रिकी से अपने करियर की शुरुआत की और बाद में प्रक्षेपण यान तथा अंतरिक्ष प्रणालियों की योजना और तकनीकी प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य किए। दूरसंवेदी तकनीक के क्षेत्र में भी उन्होंने उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में क्षेत्रीय दूरसंवेदी सेवा केंद्रों की स्थापना और विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाद में राष्ट्रीय दूरसंवेदी एजेंसी के निदेशक के रूप में उन्होंने पृथ्वी अवलोकन उपग्रहों के लिए आधुनिक बहु-अभियान भू-केंद्र प्रणाली को विकसित करने में योगदान दिया।

राधाकृष्णन के नेतृत्व में भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम ने कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं। नवंबर 2009 से दिसंबर 2014 तक भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के प्रमुख रहते हुए उन्होंने 37 अंतरिक्ष अभियानों का नेतृत्व किया। उनके कार्यकाल में मंगलयान अभियान ने भारत को पहली कोशिश में मंगल तक सफलतापूर्वक पहुंचने वाला देश बनाया। इसके अलावा स्वदेशी क्रायोजेनिक इंजन के साथ भूस्थिर उपग्रह प्रक्षेपण यान की सफलता, जीएसएलवी मार्क-3 की पहली प्रायोगिक उड़ान और भारतीय नौवहन प्रणाली के विकास जैसी उपलब्धियां भी हासिल हुईं। मंगलयान मिशन राधाकृष्णन के नेतृत्व की सबसे बड़ी उपलब्धियों में शामिल रहा।

सोशल मीडिया की आभासी दुनिया से बाहर निकलकर वास्तविक जीवन को महत्व देने की जरूरत

डॉ. रविंद्र कुमार लाहड़ चंबा

आज के डिजिटल युग में स्मार्टफोन और सोशल मीडिया हमारी जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट और यूट्यूब जैसे मंचों ने दुनिया को हमारी मुट्ठी में ला दिया है। सूचना, मनोरंजन, शिक्षा और संवाद के क्षेत्र में इन माध्यमों ने अभूतपूर्व सुविधाएं दी हैं। लेकिन इसके साथ ही सोशल मीडिया के अत्यधिक इस्तेमाल का एक दूसरा और चिंताजनक पक्ष भी सामने आया है। खासकर युवाओं में लगातार बढ़ती आभासी दुनिया की निर्भरता उनके व्यवहार, आत्मविश्वास, सामाजिक संबंधों और मानसिक संतुलन को प्रभावित कर रही है। इसलिए अब सवाल यह नहीं है कि सोशल मीडिया उपयोगी है या नहीं, बल्कि यह है कि उसका उपयोग किस सीमा और किस उद्देश्य से किया जाए।

सोशल मीडिया की सबसे बड़ी चुनौती वास्तविक जीवन और आभासी जीवन के बीच बढ़ती दूरी है। डिजिटल मंचों पर अधिकांश लोग अपने जीवन के चुनिंदा खूबसूरत और सफल क्षण ही साझा करते हैं। महंगी गाड़ियां, विदेश यात्राएं, शानदार छुट्टियां, आकर्षक तस्वीरें और उपलब्धियों से भरे संदेश देखकर दूसरे लोग अपनी वास्तविक जिंदगी की तुलना उनसे करने लगते हैं। उन्हें लगता है कि बाकी सभी लोग उनसे अधिक खुश, सफल और संतुष्ट हैं। जबकि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली तस्वीर पूरी वास्तविकता नहीं होती। इस आभासी तुलना से युवाओं में हीन भावना, असुरक्षा और अपने जीवन के असंतोष बढ़ सकता है।

इसका एक बड़ा उदाहरण युवाओं में पसंद और प्रतिक्रिया की बढ़ती चिंता है। किसी तस्वीर या संदेश पर कितने पसंद, टिप्पणियां या साझा किए जाने मिले, यह कई लोगों के लिए आत्ममूल्यांकन का पैमाना बनता जा रहा है। यदि अपेक्षा के अनुसार प्रतिक्रिया नहीं मिलती तो निराशा और बेचैनी पैदा होने लगती है। धीरे-धीरे व्यक्ति अपनी वास्तविक उपलब्धियों और खुशियों को भूलकर आभासी प्रतिक्रिया को सफलता का प्रमाण मानने लगता है। यह आदत आत्मविश्वास को कमजोर कर सकती है और व्यक्ति को दूसरों की स्वीकृति पर निर्भर बना सकती है।

सोशल मीडिया का दूसरा गंभीर प्रभाव साइबर उत्पीड़न के रूप में सामने आया है। इंटरनेट पर की गई अभद्र टिप्पणियां, उपहास, गलत आरोप और व्यक्तिगत हमले कुछ ही समय में बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच सकते हैं। वास्तविक जीवन में कही गई एक बात सीमित लोगों तक रहती है, लेकिन डिजिटल मंच पर वही बात तेजी से फैल सकती है। इसका प्रभावित व्यक्ति मानसिक दबाव, शर्मिंदगी, तनाव और असुरक्षा महसूस कर सकता है। इसलिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ डिजिटल जिम्मेदारी और संवेदनशीलता भी आवश्यक है।

लगातार स्क्रीन देखने की आदत युवाओं की दिनचर्या को भी प्रभावित कर रही है। देर रात तक मोबाइल पर वीडियो देखना, संदेश पढ़ना और अलग-अलग सामग्री देखना नींद के सामान्य चक्र को बिगाड़ सकता है। पर्याप्त नींद न मिलने से दिनभर थकान, चिड़चिड़ापन और एकाग्रता की समस्या पैदा हो सकती है। इसका असर पढ़ाई, नौकरी, परिवार और व्यक्तिगत संबंधों पर भी पड़ता है। जब व्यक्ति वास्तविक दुनिया की गतिविधियों के बजाय अधिक समय आभासी दुनिया में बिताने लगता है, तो सामाजिक मेलजोल और शारीरिक गतिविधियां भी कम हो सकती हैं।

हालांकि सोशल मीडिया को पूरी तरह नकारात्मक मानना भी उचित नहीं होगा। इसका सकारात्मक उपयोग युवाओं के लिए अनेक अवसर पैदा कर रहा है। आज विद्यार्थी घर बैठे शैक्षणिक सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। युवा रोजगार, प्रशिक्षण, छात्रवृत्ति, प्रतियोगिताओं और करियर से जुड़ी जानकारी हासिल कर सकते हैं। कलाकार, लेखक, संगीतकार और अन्य रचनात्मक प्रतिभाएं अपने काम को बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचा सकती हैं। छोटे व्यवसायों और नए उद्यमों के लिए भी सोशल मीडिया प्रचार और ग्राहकों तक पहुंच बनाने का प्रभावी माध्यम बन गया है।

सोशल मीडिया ने सामाजिक जागरूकता को भी बढ़ावा दिया है। शिक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण और अन्य सामाजिक विषयों पर अभियान चलाना अब आसान हो गया है। अनेक युवा अपनी समस्याओं और विचारों को सार्वजनिक मंच पर रखते हैं तथा समान अनुभव रखने वाले लोगों से जुड़ते हैं। इससे उन्हें जानकारी, सहयोग और नए अवसर मिल सकते हैं। इसलिए समस्या सोशल मीडिया में नहीं, बल्कि उसके अनियंत्रित और असंतुलित इस्तेमाल में अधिक है।

आवश्यकता इस बात की है कि युवाओं को डिजिटल अनुशासन सिखाया जाए। मोबाइल और सोशल मीडिया के इस्तेमाल के लिए समय सीमा तय करना एक उपयोगी कदम हो सकता है। विशेषकर सोने से पहले लंबे समय तक स्क्रीन देखने से बचना चाहिए। पढ़ाई, काम, परिवार और व्यक्तिगत गतिविधियों के दौरान मोबाइल से दूरी बनाना भी जरूरी है। युवाओं को यह समझना होगा कि सोशल मीडिया पर मिलने वाली प्रतिक्रिया उनके वास्तविक मूल्य या क्षमता का प्रमाण नहीं है। उनकी पहचान केवल पसंद और टिप्पणियों की संख्या से तय नहीं होती। माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। केवल मोबाइल छीन लेना या सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाना स्थायी समाधान नहीं है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रजौंत नगर, एप्पल ट्री होटल, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोस्टर इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437

ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

देवरिया : मुठभेड़ में पुलिस पर गोली चलाने वाला शातिर बदमाश घायल

एजेंसी, देवरिया। सदर कोतवाली पुलिस ने बीती रात बेलडाड़ मोड़ के पास चेकिंग के दौरान बाइक सवार दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार, दोनों बरहज मार्ग की ओर भागने लगे। पीछा करने के दौरान मोटरसाइकिल फिसल गई। इसके बाद एक आरोपी ने कथित तौर पर अवैध पिस्टल से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के बाएं पैर में गोली लगी। घायल आरोपी की पहचान देवरिया खास निवासी मनीष जायसवाल के रूप में हुई है। उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी हालत सामान्य बताई गई। पुलिस के अनुसार, मनीष के खिलाफ चोरी और आर्म्स एक्ट समेत 12 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। मौके से पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस, दो खोखे और बाइक बरामद हुई। दूसरा आरोपी फरार है।

जयंत का अखिलेश को जवाब, बोले- समय आने पर बहुत कुछ दिखाएंगे

एजेंसी, बागपत। बागपत में केंद्रीय राज्यमंत्री और रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बयानों पर पलटवार किया। खेकड़ा में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा, 'एबीसीडी के बाद भी बहुत कुछ आता है, समय आने पर दिखा देंगे।' उन्होंने कार्यकर्ताओं से राजनीतिक मर्यादा बनाए रखने और लक्ष्मण रेखा पार नहीं करने की अपील की। एनडीए में रालोद को अधिक सीटें मिलने संबंधी अखिलेश के बयान पर उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा, 'क्या उन्हें ही पैरवी के लिए भेज दें?' चीनी के बढ़ते दामों पर जयंत ने कहा कि अब नया गन्ना सीजन शुरू होने वाला है और किसानों की मेहनत से पूरी चीनी इंडस्ट्री को लाभ मिलता है। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में सरकार के साथ अभिभावकों और छात्रों की भागीदारी जरूरी बताई। इस दौरान उन्होंने परियोजना पुस्तकालय के तहत विकसित पुस्तकालय का उद्घाटन भी किया।

भीषण बारिश बनी काल, आंगन की जमीन धंसने से युवती की मौत

एजेंसी, कानपुर। कानपुर के महाराजपुर क्षेत्र के पुरवामीर गांव में शुक्रवार सुबह भारी बारिश के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। घर के आंगन में अचानक जमीन धंसने से युवती यशी गहरे गड्ढे में गिर गई। हादसे के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। युवती के गड्ढे में गिरते ही उसकी चीख सुनाई दी, लेकिन ऊपर से मिट्टी गिरने के कारण वह उसमें दब गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, राजस्व विभाग और एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। बचाव दल ने काफी मशक्कत के बाद खोदाई कर युवती को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि लगातार हुई भारी बारिश के कारण आंगन की जमीन कमजोर होकर धंस गई। हादसे से गांव में शोक की लहर है।

अमरोहा के युवाओं को सौगात, पांच एकड़ में बनेगा रोजगार और प्रशिक्षण केंद्र

एजेंसी, अमरोहा। अमरोहा में युवाओं को प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल रोजगार एवं औद्योगिक जोन स्थापित किया जाएगा। प्रदेश सरकार की इस पहल का उद्देश्य औद्योगिक विकास को रोजगार से जोड़ना और युवाओं का पलायन रोकना है। प्रस्तावित जोन करीब पांच एकड़ भूमि में विकसित किया जाएगा। प्रशासन ने इसके लिए जमीन की तलाश शुरू कर दी है। औद्योगिक नगरी गजरौला क्षेत्र में उपयुक्त भूमि चिह्नित करने के लिए तहसील के अभिलेख खंगाले जा रहे हैं। जमीन मिलते ही आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस जोन में एक ही स्थान पर उद्योगों की स्थापना के साथ युवाओं को प्रशिक्षण और रोजगार देने की व्यवस्था होगी। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

रक्षाबंधन पर महिलाओं को बड़ी राहत, पहले दिन 9.26 लाख ने किया मुफ्त बस सफर

रक्षाबंधन पर पहले दिन 6.03 लाख महिलाओं ने मुफ्त बस यात्रा की, 3.22 लाख सहयात्रियों को भी मिला लाभ

एजेंसी, लखनऊ

रक्षाबंधन पर पहले रक्षाबंधन पर्व पर उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से महिलाओं और बहनों को दी गई नि:शुल्क बस यात्रा की सुविधा का बड़ी संख्या में यात्रियों ने लाभ उठाया। 27 अगस्त से शुरू हुई इस विशेष व्यवस्था के पहले ही दिन उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में 6.03 लाख से अधिक महिलाओं ने बिना किराया यात्रा की। महिलाओं के साथ सफर करने वाले 3.22 लाख से अधिक सहयात्रियों को भी नि:शुल्क यात्रा की सुविधा मिली।

इस तरह पहले दिन कुल 9.26 लाख से अधिक यात्रियों ने बिना किराया सफर किया। परिवहन निगम के अनुसार, पहले दिन कराई गई नि:शुल्क यात्रा की अनुमानित कीमत 9.06 करोड़ रुपये से अधिक रही। रक्षाबंधन पर बड़ी संख्या में महिलाओं के अपने मायके और परिवार के पास जाने को देखते हुए सरकार ने यह सुविधा उपलब्ध कराई है। यूपीएसआरटीसी के प्रधान प्रबंधक संचालन अनिल कुमार ने बताया कि त्योहार के दौरान महिलाओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए परिवहन निगम के अधिकारी और कर्मचारी लगातार व्यवस्था संभाल रहे हैं।

यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए जरूरत के अनुसार अतिरिक्त बसें भी सड़कों पर उतारी गई हैं। बसों के संचालन, यात्रियों की सुविधा और भीड़ प्रबंधन पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि महिलाओं को यात्रा के दौरान किसी तरह की असुविधा न हो और उन्हें सुरक्षित तरीके से उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा सके।

पहले दिन महिलाओं और उनके साथ यात्रा करने वाले सहयात्रियों की कुल संख्या के लिहाज से मुरादाबाद क्षेत्र सबसे आगे रहा। यहां 62,586 महिलाओं और 32,203 सहयात्रियों समेत कुल 94,789 यात्रियों ने नि:शुल्क यात्रा की। इसके बाद हरदोई में 82,920, गोरखपुर में 68,152, लखनऊ में 64,590 और बरेली में 58,309 यात्रियों ने इस सुविधा का लाभ उठाया। इन पांच क्षेत्रों में ही करीब 3.69 लाख यात्रियों ने बिना किराया सफर किया।

रक्षाबंधन पर नि:शुल्क यात्रा की सुविधा मिलने से महिलाओं और उनके परिवारों को आर्थिक राहत मिली। यात्रियों का कहना है कि त्योहार के दौरान बड़ी संख्या में लोगों को अपने घर जाना पड़ता है। ऐसे में बस का किराया बचने से परिवारों पर पड़ने वाला अतिरिक्त खर्च कम हुआ है।

महिलाओं के साथ सफर करने वाले सहयात्रियों ने भी इस सुविधा को उपयोगी बताया। यात्रियों ने कहा कि अतिरिक्त बसों के संचालन से भीड़ के बावजूद घर पहुंचने में काफी मदद मिली। परिवहन निगम की ओर से नि:शुल्क यात्रा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण भी किए जाएंगे। अधिकारियों की टीमें बसों में यात्रियों को मिल रही सुविधाओं और नि:शुल्क यात्रा की व्यवस्था का जायजा लेंगी।

बलिया में दो साल से नहीं बना मिड-डे-मील कागजों में बच्चों की हाजिरी दिखाकर हड़पे 14 लाख

एजेंसी, बलिया

बलिया जिले के एक इंटर कॉलेज में मध्याह्न भोजन योजना में कथित घोटाले का मामला सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। जिलाधिकारी की ओर से कराई गई गोपनीय जांच में सामने आया कि विद्यालय में करीब दो वर्षों से बच्चों के लिए भोजन तैयार नहीं किया जा रहा था। इसके बावजूद अभिलेखों में नियमित रूप से मध्याह्न भोजन वितरण दर्शाया जाता रहा।

बलिया में मिड-डे-मील के नाम पर 14 लाख रुपये का भुगतान।

जांच के अनुसार, विद्यालय के दस्तावेजों में प्रतिदिन करीब 200 से 250 बच्चों की उपस्थिति दर्ज दिखाई गई। इसी आधार पर मध्याह्न भोजन योजना के तहत करीब 14 लाख रुपये का भुगतान करा दिया गया। लंबे समय तक कागजों में योजना संचालित होने के बावजूद बच्चों को वास्तविक रूप से भोजन नहीं मिलने की बात जांच में सामने आने के बाद अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर मामले की गोपनीय जांच कराई गई थी। जांच के दौरान विद्यालय में मध्याह्न भोजन तैयार किए जाने और बच्चों को वितरित किए जाने से संबंधित रिकॉर्ड की पड़ताल की गई। इसमें अभिलेखों और वास्तविक स्थिति में अंतर पाया गया। जांच रिपोर्ट के आधार पर अब जिम्मेदार लोगों से सरकारी धन की वसूली की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों की ओर से यह भी देखा जा रहा है कि योजना की धनराशि किस प्रक्रिया के तहत जारी हुई और इसमें किन-किन लोगों की भूमिका रही।

मामला सामने आने के बाद विभागीय स्तर पर कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। जिलाधिकारी के आदेश के बाद सरकारी धन की रिकवरी की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। साथ ही जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर संबंधित जिम्मेदारों पर अन्य कार्रवाई भी हो सकती है। मामले के खुलासे के बाद क्षेत्र में चर्चा तेज है।

रक्षाबंधन पर दो बस हादसों से मचा कोहराम, चार की मौत

एजेंसी, लखनऊ

रक्षाबंधन के त्योहार पर घर लौट रहे यात्रियों के लिए उत्तर प्रदेश में सफर दर्दनाक साबित हुआ। बुलंदशहर और आजमगढ़ में कुछ घंटों के अंतराल पर दो रोडवेज बसें हादसे का शिकार हो गईं। दोनों दुर्घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से अधिक यात्री घायल हुए हैं।

बुलंदशहर और आजमगढ़ में रोडवेज बस हादसे, चार यात्रियों की मौत और 50 से ज्यादा घायल।

बुलंदशहर में हाईवे पर तेज रफ्तार रोडवेज बस आगे चल रहे डंफर में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक मासूम और महिला की मौत हो गई। हादसे में 16 यात्री घायल बताए गए हैं। मृतकों की पहचान इटावा और एटा के रहने वालों के रूप में हुई है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

दूसरा हादसा आजमगढ़ में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर हुआ। यहां रोडवेज बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। दुर्घटना में बस चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 34 यात्री घायल हो गए।

प्रयागराज में गंगा-यमुना का जलस्तर स्थिर, सभी तटबंध सुरक्षित

एजेंसी, प्रयागराज। गंगा और यमुना के जलस्तर में फिलहाल स्थिति सामान्य बनी हुई है। जिला प्रशासन की ओर से शुक्रवार सुबह आठ बजे जारी रिपोर्ट के अनुसार दोनों नदियां खतरे के निशान से काफी नीचे बह रही हैं। जिले के सभी तटबंध भी सुरक्षित बताए गए हैं। प्रशासन के अनुसार नैनी में यमुना का जलस्तर 79.65 मीटर दर्ज किया गया, जो पिछले 24 घंटे में 13 सेंटीमीटर बढ़ा है। इस दौरान यहां 37.2 मिलीमीटर बारिश हुई। फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 80.49 मीटर रहा, जिसमें एक सेंटीमीटर की कमी दर्ज की गई। यहां 11 मिलीमीटर बारिश हुई। छतनाग में गंगा का जलस्तर 79.18 मीटर दर्ज किया गया। इसमें पिछले 24 घंटे में नौ सेंटीमीटर की बढ़ोतरी हुई है। यहां 58.1 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। बक्शी बांध स्थित एसटीपी पर जलस्तर 79.90 मीटर रहा, जिसमें 16 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज हुई।

नेपाल के सैलाब में बलिया की मां-बेटे के बहने से परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

एजेंसी, बलिया

नेपाल में आए भीषण जल सैलाब ने बलिया के रसड़ा क्षेत्र के एक परिवार को गहरे संकट में डाल दिया है। रसड़ा के पुरानी मस्जिद के पास रहने वाले 68 वर्षीय पन्नालाल चौरसिया की 54 वर्षीय पत्नी जगदरा उर्फ उषा देवी और 18 वर्षीय बेटा राहुल सैलाब की चपेट में आकर बह गए। घटना के बाद से दोनों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। परिवार के लोग लगातार उनकी तलाश में जुटे हैं और सकुशल मिलने की उम्मीद लगाए हुए हैं।

जानकारी के अनुसार पन्नालाल चौरसिया करीब 40 वर्ष पहले रोजगार की तलाश में नेपाल गए थे। उन्होंने नेपाल के त्रिशूली नुवाकोट क्षेत्र में अपना ठिकाना बनाया और वहीं थोक व फुटकर कपड़ों की दुकान शुरू कर दी। लंबे समय से परिवार नेपाल में रहकर कारोबार कर रहा था। इसी दौरान अचानक आई बाढ़ ने परिवार को मुश्किल में डाल दिया।

पन्नालाल के दामाद समीर ने बताया कि नेपाल में लगातार बिगड़े हालात के बीच सैलाब की चपेट में आने से जगदरा देवी और राहुल बह गए। घटना के बाद परिवार की ओर से दोनों की तलाश की जा रही है। स्थानीय स्तर पर भी उनके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

18 फीट सड़क धंसने पर अनोखा प्रदर्शन गड्ढे में लेटकर विधायक ने जताया विरोध

एजेंसी, कानपुर

चकेरी क्षेत्र में सड़क धंसने से बने करीब 18 फीट गहरे गड्ढे को लेकर गुरुवार को सपा विधायक मोहम्मद हसन रूमी ने अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। जाजमऊ सरैंया चौराहे के पास सड़क धंसने से करीब 15 फीट चौड़ा और 18 फीट गहरा गड्ढा बन गया है। बारिश का पानी भरने से सड़क की एक लेन पूरी तरह बंद हो गई, जबकि दूसरी लेन से वाहनों की आवाजाही होने के कारण दिनभर जाम की स्थिति बनी रही।

अधिकारी नहीं पहुंचे तो विधायक ने गड्ढे में उतरकर जताया विरोध, मिला मरम्मत का आश्वासन।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, घटना के करीब 24 घंटे बाद भी संबंधित विभाग के अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे। इससे नाराज विधायक मोहम्मद हसन रूमी क्षेत्रीय पार्षद पति फखर इकबाल और समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे। विधायक गड्ढे में उतर गए और वहीं लेटकर धरना शुरू कर दिया। करीब साढ़े चार घंटे तक चले प्रदर्शन के दौरान विधायक ने सड़क की तत्काल मरम्मत कराने और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई। प्रदर्शन के कारण मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। बाद में अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर सड़क की मरम्मत का काम शुरू कराने का आश्वासन दिया।

आश्वासन मिलने के बाद विधायक ने धरना समाप्त कर दिया। स्थानीय लोगों ने भी जल्द सड़क की मरम्मत होने की उम्मीद जताई। मरम्मत कार्य शुरू होने के बाद यातायात व्यवस्था सामान्य होने की उम्मीद है। स्थानीय लोगों ने अधिकारियों से सड़क की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देने की मांग की।

हरदोई में घर के सामने खेत में मिला हैंड ग्रेनेड का खोखा, पुलिस ने बढ़ाई सतर्कता

एजेंसी, हरदोई। हरदोई के हरपालपुर क्षेत्र में शुक्रवार सुबह घर के सामने खेत में हैंड ग्रेनेड का खोखा मिलने से हड़कंप मच गया। घटना ग्राम जोधनपुरवा मजरा पलिया की है। खेत में संदिग्ध वस्तु दिखाई देने के बाद ग्रामीण ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और सुरक्षा के दृष्टिगत घटनास्थल के आसपास बैरिकेडिंग कराकर क्षेत्र को सील कर दिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले की सूचना क्षेत्राधिकारी को डायल-112 के माध्यम से मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर आसपास के इलाके की जांच की और लोगों की आवाजाही रोक दी। संदिग्ध वस्तु को लेकर पुलिस प्रशासन ने विशेष सतर्कता बरती है।

ग्रामीण ने आरोप लगाया है कि उसके रिश्तेदारों की ओर से उसके घर की तरफ हैंड ग्रेनेड फेंका गया था। हालांकि, पुलिस ने अभी इस आरोप की पुष्टि नहीं की है। मामले की जांच की जा रही है और संदिग्ध वस्तु के संबंध में सभी पहलुओं को देखा जा रहा है। पुलिस ने बताया कि बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचकर संदिग्ध वस्तु की जांच करेगा। जांच के बाद नियमानुसार उसे सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय किया जाएगा। फिलहाल घटनास्थल को सुरक्षित कर दिया गया है और पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है। हैंड ग्रेनेड का खोखा मिलने की सूचना के बाद आसपास के ग्रामीणों में भी चिंता का माहौल है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यह खोखा खेत में कैसे पहुंचा और इसके पीछे किसी तरह की आपराधिक साजिश तो नहीं है। मामले की जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

सावन पूर्णिमा पर डलमऊ में उमड़ी आस्था हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई डुबकी

एजेंसी, रायबरेली

सावन माह की पूर्णिमा पर शुक्रवार को डलमऊ के गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भोर होते ही दूर-दराज के क्षेत्रों से श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। 'हर-हर गंगे' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से पूरा घाट क्षेत्र गूंज उठा। हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ कमाया।

गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने तट पर स्थित विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिरों में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। लोगों ने परिवार की सुख-समृद्धि, उन्नति और खुशहाली की कामना की। कई श्रद्धालुओं ने मंदिरों में जलाभिषेक कर भगवान शिव का पूजन किया। घाटों पर दिनभर धार्मिक माहौल बना रहा। सावन पूर्णिमा के अवसर पर गंगा स्नान के साथ जरूरतमंदों को भोजन कराने और जीव-जंतुओं को आहार देने का भी विशेष महत्व माना जाता है। श्रद्धालुओं ने गायों को चारा खिलाया और गरीबों को भोजन कराया। कई लोगों ने पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था भी की। गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस की ओर से सुरक्षा व्यवस्था की गई।

बाढ़ की स्थिति को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं को गहरे पानी में नहीं जाने की हिदायत दी गई। घाटों पर लगातार निगरानी रखी गई, ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना न हो। स्नान और पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने बाजारों में खरीदारी की। सावन पूर्णिमा के चलते डलमऊ में दिनभर चहल-पहल बनी रही। इसके बाद घाटों और मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही। प्रशासन ने सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात किए। स्नान के दौरान श्रद्धालुओं ने सावधानी बरती और प्रशासन की अपील का पालन किया।

प्रयागराज समेत कई जिलों में बारिश के आसार, आकाशीय बिजली से रहें सतर्क

एजेंसी, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश में मानसून की सक्रियता लगातार बनी हुई है। शुक्रवार को भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने प्रयागराज समेत प्रदेश के कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताते हुए मौसम को लेकर चेतावनी जारी की। कुछ इलाकों में मध्यम से तेज बारिश के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। साथ ही आकाशीय बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग के अनुसार कुछ क्षेत्रों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। महोबा, बांदा, हमीरपुर, फतेहपुर, जालौन, रायबरेली, कानपुर नगर, कानपुर देहात, उन्नाव, लखनऊ, बदायूं, संभल, अमरोहा, मुरादाबाद और बिजनौर में गरज चमक के साथ मध्यम से तेज बारिश हो सकती है। वहीं सोनभद्र, मीरजापुर, प्रयागराज, चित्रकूट, औरैया, बाराबंकी, कन्नौज, हरदोई, सीतापुर और लखीमपुर खीरी समेत कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। प्रयागराज में 28 अगस्त को एक-दो दौर बारिश या गरज-चमक के साथ बौछार पड़ने की संभावना जताई गई है।

बारिश से तापमान में गिरावट आने और उमस से राहत मिलने की उम्मीद है। सीएसए कानपुर के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पांडेय के अनुसार वातावरण में नमी और मानसून की सक्रियता के कारण कई स्थानों पर गरज-चमक वाले बादल विकसित हो रहे हैं। इससे मौसम अचानक बदल सकता है और कम समय में तेज बौछार पड़ सकती है। मौसम विभाग ने आकाशीय बिजली के दौरान खुले स्थानों पर जाने से बचने और सुरक्षित स्थान पर रहने की सलाह दी है।

खनन | गुड़हर पहाड़ी पर 149.3 हेक्टेयर क्षेत्र में 35 वर्षों तक होगा स्वर्ण अयस्क का खनन

यूपी-एमपी सीमा पर खुलेगी सोने की खदान, 2027 में शुरू होगा खनन

एजेंसी, सोनभद्र

यूपी-एमपी की सीमा से सटे सोनभद्र क्षेत्र में अब कोयला और बिजली उत्पादन के साथ सोने के खनन की नई शुरुआत होने जा रही है। गुड़हर पहाड़ी में वर्ष 2027 की पहली तिमाही से स्वर्ण अयस्क का खनन शुरू करने की तैयारी है। इसके लिए खनन ठेका आवंटित किया जा चुका है और संबंधित प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। गुड़हर पहाड़ी पर 149.3 हेक्टेयर क्षेत्र में दिल्ली की कुंदन गोल्ड माइंस प्राइवेट लिमिटेड खनन कार्य करेगी। प्रारंभिक आकलन के अनुसार यहां एक टन पत्थर से करीब 1.03 ग्राम सोना मिलने का अनुमान है।

कंपनी को इस क्षेत्र में 35 वर्षों तक खनन करने का अधिकार मिला है। इसके अलावा सोनभद्र के चकरिया क्षेत्र में भी गोल्ड ब्लॉक का ठेका आवंटित हो चुका है। सोनभद्र और मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सोने की मौजूदगी के संकेत पहले ही मिल चुके थे। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की ओर से किए गए सर्वे में कई स्थानों पर स्वर्ण धातु होने के प्रमाण मिले थे। इसके बाद संबंधित क्षेत्रों में विस्तृत सर्वेक्षण और परीक्षण की प्रक्रिया शुरू की गई।

सोनभद्र के म्योरपुर विकासखंड की जोगेंद्रा ग्राम पंचायत के धुर्वाह क्षेत्र और मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के चितरंगी क्षेत्र में भी स्वर्ण भंडार की संभावनाओं को लेकर काम हुआ। सिधार और सिल्फोरी ग्राम पंचायतों के बीच स्थित गुड़हर पहाड़ पर कुंदन गोल्ड कंपनी को सर्वेक्षण का जिम्मा दिया गया था। जांच और परीक्षण के बाद यहां खनन की संभावनाएं मजबूत हुईं।

क्षेत्र में सोने का खनन शुरू होने से स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। खनन परियोजना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं। इसके साथ ही परिवहन, निर्माण, सामग्री आपूर्ति और अन्य सहायक गतिविधियों को भी गति मिलने की संभावना है।

सोनभद्र पहले से ही खनिज संपदा और ऊर्जा उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र माना जाता है। यहां बड़े पैमाने पर कोयला खनन तथा बिजली उत्पादन होता है। अब सोने के खनन की शुरुआत होने से जिले की खनिज आधारित पहचान और मजबूत होने की उम्मीद है। गुड़हर पहाड़ी में खनन शुरू करने के लिए कंपनी और संबंधित विभागों की ओर से आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं। योजना के अनुसार 2027 की पहली तिमाही में स्वर्ण अयस्क निकालने का काम शुरू किया जा सकता है। इसके लिए खनन क्षेत्र से जुड़ी तैयारियों को गति दी जा रही है।

हालांकि खनन शुरू होने से पहले निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का पालन करना होगा। क्षेत्र में खनन गतिविधियों के संचालन के दौरान संबंधित विभागों की निगरानी भी रहेगी। स्वर्ण अयस्क निकलने के बाद उसके प्रसंस्करण और अन्य प्रक्रियाओं के जरिए सोना प्राप्त किया जाएगा। सोनभद्र और सिंगरौली की सीमा से लगे क्षेत्र में लंबे समय से खनिज संपदा की संभावनाओं को लेकर सर्वेक्षण होते रहे हैं। गुड़हर पहाड़ी के अलावा चकरिया में भी गोल्ड ब्लॉक का ठेका दिए जाने से क्षेत्र में सोने के खनन को लेकर उम्मीदें बढ़ी हैं। विशेषज्ञ सर्वेक्षणों में सामने आए आंकड़ों के आधार पर आगे की गतिविधियां तय की जा रही हैं। प्रति टन पत्थर से 1.03 ग्राम सोना मिलने का प्रारंभिक अनुमान खनन परियोजना के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मीरजापुर में युवती की तस्वीर वायरल करने पर भाजपा नेता के बेटे समेत तीन पर केस

एजेंसी, मीरजापुर

कछवां क्षेत्र में भाजपा नेता के पुत्र समेत तीन लोगों के खिलाफ युवती की फोटो से छेड़छाड़ कर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने समेत कई गंभीर आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने छेड़खानी, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और जान से मारने की धमकी सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मीरजापुर में एआई से फोटो छेड़छाड़ का मामला, तीन पर एफआईआर।

फोटो से छेड़छाड़ और धमकी का आरोप पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा।

कछवां थानाध्यक्ष अमरजीत चौहान के अनुसार, एक व्यक्ति ने गुरुवार को पुलिस को तहरीर देकर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल कछवां के संरक्षक और नगर पंचायत के नामित पूर्व सभासद बृजेश गुप्ता के पुत्र जितेंद्र गुप्ता उर्फ सोनू तथा उसके दो साथियों चंदन विश्वकर्मा और दर्शन के खिलाफ शिकायत दी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि आरोपितों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से उसके घर की एक युवती की तस्वीर को कथित तौर पर संपादित किया और उसे इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया। इसके अलावा शिकायत में छेड़खानी और जान से मारने की धमकी देने के भी आरोप लगाए गए हैं।

मामला सामने आने के बाद पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस अब वायरल तस्वीर और उससे जुड़े इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि तस्वीर को किस तरह संपादित किया गया और उसे किन माध्यमों से प्रसारित किया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इंटरनेट मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित किए जाने के मामलों को पुलिस गंभीरता से ले रही है।

घटना के बाद क्षेत्र में भी मामले को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। पुलिस आरोपितों की भूमिका, शिकायत में लगाए गए आरोपों और उपलब्ध डिजिटल साक्ष्यों का परीक्षण कर रही है। फिलहाल पुलिस जांच जारी है और मामले में सभी तथ्यों की पुष्टि की जा रही है। पुलिस ने वायरल तस्वीर और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच शुरू कर दी है। आरोपों की पुष्टि के लिए विभिन्न पहलुओं पर पड़ताल जारी है।

आयुष्मान योजना में 480 अस्पतालों के फंसे 1200 करोड़, सेवा बंद करने की चेतावनी

भुगतान नहीं हुआ तो 16 सितंबर से आयुष्मान मरीजों को निजी अस्पतालों में नहीं मिलेंगी सेवाएं

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर

हरियाणा में आयुष्मान योजना के तहत इलाज करने वाले निजी अस्पतालों के करोड़ों रुपये का भुगतान लंबे समय से लंबित होने के कारण विवाद बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के करीब 480 अस्पतालों के लगभग 1200 करोड़ रुपये के क्लेम भुगतान छह माह से अधिक समय से अटके हुए हैं।

भुगतान नहीं होने से अस्पताल संचालकों में नाराजगी बढ़ रही है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) ने अब सरकार को चेतावनी दी है कि यदि जल्द लंबित भुगतान जारी नहीं किया गया तो आयुष्मान योजना के तहत सेवाएं बंद की जा सकती हैं। आइएमए के अनुसार, अस्पतालों की ओर से आयुष्मान योजना के तहत मरीजों का उपचार किया जा रहा है, लेकिन इलाज के बाद जमा किए गए क्लेम का भुगतान समय पर नहीं मिल रहा।

निर्धारित व्यवस्था के अनुसार इन क्लेम का भुगतान 15 दिन के भीतर किया जाना चाहिए। इसके बावजूद कई अस्पतालों के भुगतान छह माह से अधिक समय से लंबित हैं। इससे अस्पतालों की आर्थिक स्थिति पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। आइएमए ने इस संबंध में आयुष्मान हरियाणा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को पत्र भेजकर लंबित भुगतान जल्द जारी करने की मांग की है।

संगठन का कहना है कि अस्पतालों को मरीजों के उपचार के लिए दवाइयों, चिकित्सकीय उपकरणों, कर्मचारियों के वेतन और अन्य खर्चों का भुगतान लगातार करना पड़ता है। ऐसे में आयुष्मान योजना से जुड़ी भारी राशि लंबे समय तक अटकी रहने से अस्पतालों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो रहा है। भुगतान में देरी के विरोध में आइएमए ने चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की है। संगठन के अनुसार, पहली सितंबर की रात 12 बजे से 24 घंटे तक आयुष्मान सेवाएं सांकेतिक रूप से बंद रखी जाएंगी।

इस दौरान सरकार को लंबित भुगतान के मामले में ठोस कदम उठाने का अवसर दिया जाएगा। आइएमए ने स्पष्ट किया है कि यदि इसके बाद भी अस्पतालों के लंबित क्लेम का भुगतान जारी नहीं किया गया और समस्या के समाधान के लिए प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो 16 सितंबर की रात 12 बजे से आयुष्मान योजना के तहत सेवाएं पूरी तरह बंद कर दी जाएंगी।

हरियाणा : कोरोना कॉल में बनाए गए कई आक्सीजन प्लांट बंद

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

कोरोना महामारी के दौरान सरकारी अस्पतालों में लगाए गए ऑक्सीजन प्लांटों की मौजूदा स्थिति चिंताजनक है। हरियाणा में पीएम केयर्स और सीएसआर फंड से स्थापित 79 पीएसए ऑक्सीजन प्लांटों में से 56 पूरी तरह बंद पड़े हैं, जबकि केवल 23 प्लांट ही चालू हालत में हैं। यह जानकारी मुलाना विधायक पूजा चौधरी के सवाल के जवाब में सरकार ने विधानसभा में दी।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की ओर से सदन में बताया गया कि अधिकांश प्लांट मैकेनिकल और तकनीकी खराबियों के कारण बंद हुए हैं। इसके अलावा स्पेयर पार्ट्स की कमी, सर्विसिंग की लागत में एकरूपता नहीं होने और वेंडरों द्वारा मरम्मत के लिए अधिक खर्च बताए जाने से भी परेशानी बढ़ी है। जिलेवार स्थिति में मेवात सबसे अधिक प्रभावित है। यहां स्थापित आठ प्लांटों में से सात बंद हैं और केवल एक चालू है। गुरुग्राम में सात में से छह प्लांट ठप हैं। रेवाड़ी के सभी चार प्लांट बंद पड़े हैं। वहीं जींद, भिवानी, कैथल, पलवल, पानीपत और सिरसा में भी कोई प्लांट चालू नहीं है। चरखी दादरी और हांसी में स्थापित एक-एक प्लांट भी बंद है।

सरकार ने बताया कि बंद प्लांटों को दोबारा शुरू करने के लिए केंद्रीयकृत निविदा जारी की गई है। इसे जल्द अंतिम रूप देकर प्लांटों को चरणबद्ध तरीके से चालू किया जाएगा। कोरोना की दूसरी लहर के दौरान यही संयंत्र अस्पतालों में ऑक्सीजन आपूर्ति की महत्वपूर्ण व्यवस्था थे। सरकार के अनुसार केंद्रीयकृत निविदा के माध्यम से सभी बंद संयंत्रों की मरम्मत और आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की गई है। निविदा को जल्द अंतिम रूप देकर चरणबद्ध तरीके से ऑक्सीजन प्लांट चालू किए जाएंगे। इससे अस्पतालों में ऑक्सीजन आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

रोहतक होटल हत्याकांड में आरोपी नीरज की मौत, तीसरे दिन वेंटिलेटर पर तोड़ा दम

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक। रोहतक शहर के बजरंग भवन फाटक के पास होटल में विवाहिता रूबी का शव मिलने के मामले में आरोपी नीरज की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, 26 अगस्त को होटल के कमरे में रूबी का शव मिला था। आरोप है कि नीरज ने गला घोंटकर उसकी हत्या की। वारदात के बाद नीरज ने खुद भी जान देने की कोशिश की थी और उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दो दिन तक वेंटिलेटर पर रहने के बाद तीसरे दिन उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के भाई ने शिकायत में आरोप लगाया था कि नीरज रूबी को परेशान करता था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रक्षाबंधन पर जेल पहुंचीं बहनें, भाइयों की कलाई पर राखी बांध कैदियों की आंखें नम

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत/कुरुक्षेत्र। हरियाणा में रक्षाबंधन का पर्व उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस बार राखी बांधने पर भद्रा की बाधा नहीं होने से बहनें पूरे दिन भाइयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांध सकेंगी। चंद्रग्रहण भारत में दिखाई नहीं देने के कारण इसका पर्व पर कोई धार्मिक प्रभाव नहीं माना गया। सरकार ने बहनों के लिए रोडवेज बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा दी, हालांकि कई स्थानों पर यात्रियों को बसों के लिए आधे से एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा। पानीपत जिला कारागार में भी रक्षाबंधन का भावुक दृश्य देखने को मिला। कैदी भाइयों से मिलने पहुंचीं बहनों को देखकर कई बंदी भावुक हो गए। जेल प्रशासन ने राखी, मिठाई, सिंदूर और चावल की व्यवस्था की थी। सुरक्षा जांच के बाद बहनों को भाइयों से मिलने और राखी बांधने का अवसर दिया गया।

फरीदाबाद में वायरल ऑडियो पर सियासत गरमाई, पूर्व विधायक ने कार्रवाई की उठाई मांग

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। फरीदाबाद में वायरल हो रहे कथित ऑडियो को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। आरोप है कि नगर निगम के एक अधिकारी ने ऑडियो में बिहार के लोगों के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। मामला सामने आने के बाद एनआईटी से कांग्रेस के पूर्व विधायक नीरज शर्मा बिहारी समाज के लोगों के साथ नगर निगम आयुक्त, उपायुक्त और पुलिस आयुक्त से मिले। उन्होंने अधिकारियों को शिकायत पत्र सौंपकर वायरल ऑडियो की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। नीरज शर्मा ने कहा कि इस तरह की कथित टिप्पणी से समाज के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित जनप्रतिनिधियों को भी पत्र भेजने की बात कही। प्रशासन से ऑडियो की सत्यता और उसमें शामिल व्यक्ति की पहचान की जांच करने की मांग की गई है।

कुरुक्षेत्र में तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार युवक को मारी टक्कर, मौत

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र के ढांड-पिहोवा रोड पर तेज रफ्तार कार की टक्कर से कनाडा से लौटे युवक सिमरनजीत की मौत हो गई। हादसे के समय वह बाइक से जा रहा था। अचानक कार ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह कई फुट उछलकर सड़क पर जा गिरा। हादसे के बाद कार चालक घायल युवक को सड़क पर बेसुध छोड़कर मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि उसकी बहन ने कार चालक को रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं रुका। गंभीर हालत में युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सिमरनजीत परिवार का इकलौता बेटा था। वह करीब चार महीने पहले ही कनाडा से कुरुक्षेत्र लौटा था। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

हरियाणा के अस्पतालों में डाक्टरों व पैरामेडिकल की भारी कमी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

डॉक्टरों के 2572 और पैरामेडिकल स्टाफ के 2742 पद खाली।

हरियाणा के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की भारी कमी सामने आई है। जून 2026 तक प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों के 2572 और पैरामेडिकल स्टाफ के 2742 पद रिक्त हैं। इस तरह कुल 5314 पद खाली पड़े हैं। चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री आरती सिंह राव ने विधानसभा के मानसून सत्र में नूंह विधायक आफताब अहमद के सवाल के जवाब में यह जानकारी दी।

जिलेवार आंकड़ों के अनुसार जींद मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों के 559 पदों में से 555 और पैरामेडिकल स्टाफ के 623 में से 617 पद खाली हैं। महेंद्रगढ़ में चिकित्सकों के 559 में से 492 पद तथा पैरामेडिकल स्टाफ के सभी 744 पद रिक्त हैं। इन दोनों जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मानव संसाधन की स्थिति बेहद गंभीर है।

रोहतक स्थित पंडित बीडी शर्मा पीजीआईएमएस में डॉक्टरों के 852 पदों में से 341 और पैरामेडिकल स्टाफ के 1967 में से 397 पद रिक्त हैं। करनाल में 367 में से 200 चिकित्सक तथा 400 में से 181 पैरामेडिकल पद खाली हैं। सोनीपत में 408 में से 213 डॉक्टर और 276 में से 132 पैरामेडिकल पद रिक्त हैं।

हरियाणा में गेस्ट टीचरों को नियमित करने की तैयारी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा के सरकारी स्कूलों में करीब 20-21 वर्षों से सेवाएं दे रहे लगभग 12 हजार अतिथि अध्यापकों में नियमित होने की उम्मीद जगी है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के हालिया आदेशों के बाद सरकार ने इस दिशा में कार्रवाई शुरू करने के संकेत दिए हैं। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने गेस्ट टीचरों के नियमितीकरण की प्रक्रिया दो महीने में पूरी करने के निर्देश दिए थे। छह अगस्त को डबल बेंच ने भी इन आदेशों पर मुहर लगाई। अदालती आदेशों के बाद गेस्ट टीचर्स संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। शिक्षकों ने बताया कि वे वर्ष 2014 में बनाई गई नियमितीकरण नीति की शर्तें पूरी करते हैं, लेकिन अब तक नियमित नहीं हुए हैं। कई शिक्षक सेवानिवृत्ति के करीब पहुंच चुके हैं।

सड़क हादसे में घायल की मौत से भड़का गुस्सा डीएनडी-केएमपी सर्विस रोड किया जाम

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद

सड़क हादसे में घायल 40 वर्षीय मोहम्मद नियाजुदीन की उपचार के दौरान मौत होने के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आरोपी वाहन चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर गुरुवार को बड़ी संख्या में लोगों ने प्रदर्शन किया। आक्रोशित लोगों ने डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर जाम लगा दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारी खेड़ी पुल थाने भी पहुंचे और पुलिस से आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर मामले में कार्रवाई करने में देरी करने का आरोप लगाया। जाम के कारण ग्रेटर फरीदाबाद की ओर जाने वाले मार्गों पर यातायात प्रभावित हुआ। सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, 23 अगस्त को ग्रेटर फरीदाबाद में अमृता अस्पताल के आसपास सड़क हादसा हुआ था।

इसमें स्कार्पियो की टक्कर लगने से बाइक सवार मोहम्मद नियाजुदीन गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे के बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कई दिनों तक उपचार चलने के बावजूद उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ और गुरुवार को उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। नियाजुदीन की मौत की सूचना मिलते ही स्वजन और स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। लोगों ने आरोपी चालक की गिरफ्तारी और मामले में सख्त कार्रवाई की मांग उठाई।

उनका कहना था कि हादसे के बाद से ही वे पुलिस से आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण उन्हें सड़क पर उतरना पड़ा। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर उचित कार्रवाई का भरोसा दिया। इसके बाद यातायात व्यवस्था सामान्य करने के प्रयास शुरू किए गए। मामले में पुलिस हादसे के कारणों और आरोपी वाहन चालक की भूमिका की जांच कर रही है।

कुरुक्षेत्र में छह साल की मासूम से दुष्कर्म दोषी को 20 साल कठोर कारावास की सजा

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र फास्ट ट्रैक कोर्ट का फैसला, मासूम से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल जेल।

कुरुक्षेत्र की फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट ने छह साल की नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के मामले में दोषी करनाल निवासी सोमपाल को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना अदा नहीं करने की स्थिति में उसे छह माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायाधीश की अदालत में बलात्कार और पोक्सो एक्ट से संबंधित मामले की सुनवाई हुई। जिला न्यायवादी जयमल के अनुसार, यह मामला थाना लाडवा क्षेत्र का है। पीड़िता की मां ने दो नवंबर 2024 को पुलिस को शिकायत दी थी। महिला ने बताया था कि उसके तीन बच्चे हैं और उसकी छह वर्षीय बेटी भी उनके साथ रहती है। शिकायत के अनुसार, परिवार का रिश्तेदार और जिला करनाल निवासी सोमपाल उनके घर आया हुआ था। वह मकान के ऊपर बने चौबारे में बैठा था। इसी दौरान छह वर्षीय बच्ची भी वहां खेल रही थी। कुछ समय बाद बच्ची रोती हुई अपनी मां के पास पहुंची और उसने बताया कि चौबारे में बैठे सोमपाल ने उसके साथ गलत काम किया है।

मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू की और जांच के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इसके बाद प्रकरण अदालत में पहुंचा, जहां सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने मामले से जुड़े तथ्यों और साक्ष्यों को अदालत के समक्ष रखा। मामले की गंभीरता को देखते हुए फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट ने सुनवाई पूरी करने के बाद सोमपाल को दोषी करार दिया। अदालत ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म को गंभीर अपराध मानते हुए उसे 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। अदालत के इस फैसले से स्पष्ट है कि नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराधों में दोषियों के प्रति कानून सख्त रुख अपना रहा है।

पोक्सो कानून के तहत ऐसे मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतों में मामलों को प्राथमिकता दी जाती है, ताकि पीड़ित को जल्द न्याय मिल सके। इस मामले में भी अदालत ने साक्ष्यों और अभियोजन पक्ष की दलीलों के आधार पर फैसला सुनाया। दोषी को कठोर सजा मिलने से पीड़ित परिवार को न्याय की उम्मीद मिली है और समाज में अपराधियों के खिलाफ कड़ा संदेश गया है।

जिम से निकलते ही अंकित बालियान को घेरा, 25 सेकेंड तक बरसाईं गोलियां

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत

हरियाणवी सिंगर और अभिनेता अंकित बालियान की हत्या की वारदात का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। वीडियो में 26 अगस्त की शाम करीब पौने सात बजे अंकित जिम से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने काले रंग का ट्रैक सूट पहना हुआ था। जिम के बाहर खड़ी अपनी कार के पास पहुंचकर उन्होंने पहले बैग कार के अंदर रखा। इसी दौरान चार बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। इसके बाद हमलावरों ने अंकित पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दीं।

बताया जा रहा है कि करीब 25 सेकेंड तक लगातार फायरिंग की गई। हमले के दौरान आसपास मौजूद लोग मदद के लिए आगे नहीं आए। गोलीबारी के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। वारदात के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली है, जिससे हमलावरों की पहचान और उनके आने-जाने के रास्ते का पता लगाया जा सके। अंकित बालियान हरियाणवी संगीत और अभिनय के क्षेत्र में सक्रिय थे। उनकी हत्या के बाद परिजनों और परिचितों में रोष है। पुलिस हत्या के कारणों और वारदात में शामिल आरोपियों का पता लगाने में जुटी है। सीसीटीवी फुटेज को जांच में अहम सुराग माना जा रहा है।

घटना के बाद पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। फुटेज में हमलावरों की गतिविधियां और घटनास्थल तक पहुंचने व वारदात के बाद भागने के रास्तों की जानकारी मिलने की उम्मीद है। पुलिस ने हत्या के पीछे संभावित कारणों और आरोपियों की पहचान को लेकर जांच तेज कर दी है। वहीं, घटना से जुड़े लोगों से पूछताछ भी की जा रही है। परिजनों और परिचितों में वारदात को लेकर गहरा रोष है।

डिजिटल क्रॉप सर्वे पर उठे सवाल, अब मौके पर जांच करेंगे वरिष्ठ अधिकारी

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक

डिजिटल क्रॉप सर्वे की जमीनी हकीकत परखेगी सरकार।

राजस्व विभाग के नए पोर्टल में आ रही तकनीकी दिक्कतों और डिजिटल क्रॉप सर्वे में सामने आ रही कथित खामियों को लेकर पटवारियों और कानूनगो का आंदोलन जारी है। इसी बीच सरकार ने अब पूरे मामले की जमीनी स्तर पर जांच कराने का निर्णय लिया है। इसके तहत वरिष्ठ राजस्व अधिकारी गांवों में पहुंचकर खेतों में डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखेंगे और इसकी व्यवहारिकता की जांच करेंगे।

गुरुवार को चंडीगढ़ में राजस्व अधिकारियों और रेवेन्यू पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के बीच बैठक हुई। बैठक में डिजिटल क्रॉप सर्वे से जुड़ी समस्याओं और नए राजस्व पोर्टल की तकनीकी दिक्कतों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके बाद अधिकारियों को कम से कम एक गांव का दौरा करने और वहां संबंधित कर्मचारियों के साथ खेतों में सर्वे की पूरी प्रक्रिया देखने के निर्देश दिए गए। एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष जयवीर चहल ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर जाकर यह देखना होगा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे करने में कर्मचारियों को किस तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

साथ ही सर्वे के दौरान आने वाली तकनीकी और व्यवहारिक समस्याओं की वास्तविक स्थिति भी जांची जाएगी। बैठक में यह भी तय किया गया कि मौके पर जांच पूरी होने के बाद अधिकारी अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेंगे। यदि जांच के दौरान पोर्टल या डिजिटल क्रॉप सर्वे में गंभीर तकनीकी अथवा व्यावहारिक खामियां सामने आती हैं तो इस मामले को केंद्र सरकार के समक्ष उठाया जाएगा।

पटवारी और कानूनगो लंबे समय से डिजिटल क्रॉप सर्वे और नए पोर्टल की कार्यप्रणाली को लेकर अपनी आपत्तियां दर्ज करा रहे हैं। उनका कहना है कि जमीनी परिस्थितियों और तकनीकी व्यवस्था में कई स्तरों पर दिक्कतें सामने आ रही हैं। अब सरकार की ओर से मौके पर जांच का निर्णय लिए जाने के बाद कर्मचारियों को उम्मीद है कि उनकी समस्याओं का वास्तविक आकलन होगा।

विधानसभा स्पीकर ने करनाल में मिला सरकारी आवास छोड़ा

मुख्यमंत्री की पहल के लिए आभार जताते हुए स्पीकर ने पुलिस अकादमी परिसर में आवास लेना उचित नहीं माना

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने करनाल जिले के मधुबन स्थित पुलिस अकादमी परिसर में सरकार की ओर से आवंटित सरकारी आवास लेने से इनकार कर दिया है। उन्होंने इस संबंध में हरियाणा सरकार को पत्र लिखकर आवास आवंटन की प्रक्रिया समाप्त करने का अनुरोध किया है। कल्याण के इस निर्णय को संस्थागत व्यवस्था और प्रशासनिक अनुशासन को प्राथमिकता देने से जोड़कर देखा जा रहा है।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण घरौंडा विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। उनका कुटेल गांव में अपना फार्म हाउस है, जो करीब 70 वर्ष पुराना बताया गया है। फार्म हाउस के नवीनीकरण का काम प्रस्तावित होने के कारण उन्हें कुछ समय के लिए वैकल्पिक आवास की आवश्यकता थी। इसी सिलसिले में उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष अपनी आवश्यकता रखी थी। कल्याण ने मुख्यमंत्री से रेस्ट हाउस या किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर रहने की व्यवस्था करने का अनुरोध किया था। मुख्यमंत्री ने उनकी मांग को स्वीकार करते हुए मधुबन पुलिस अकादमी परिसर में हाउस नंबर-दो आवंटित कर दिया था। हालांकि, आवास आवंटित होने के बाद इससे जुड़ी कई व्यवस्थागत पेचीदगियां सामने आईं। विधानसभा अध्यक्ष के पास चंडीगढ़ में पहले से ही एक सरकारी आवास उपलब्ध है।

इसके बाद हरविंद्र कल्याण ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर उनके सहयोग के लिए आभार जताया। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि मधुबन पुलिस कॉम्प्लेक्स में आवासीय उपयोग के लिए आवंटित मकान को स्वीकार करना उनके लिए उचित नहीं होगा। उन्होंने अपने पत्र में संवैधानिक पद की गरिमा के साथ संस्थागत व्यवस्था और प्रशासनिक अनुशासन को प्राथमिकता देने की बात कही। कल्याण का कहना है कि मधुबन पुलिस कॉम्प्लेक्स मूल रूप से पुलिस विभाग की गतिविधियों और अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए निर्धारित परिसर है। ऐसे में विधानसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति का वहां निवास करना पुलिस परिसर की सामान्य कार्यप्रणाली और अनुशासन को प्रभावित कर सकता है।

उनके अनुसार, उनकी मौजूदगी के कारण सुरक्षा, प्रोटोकॉल और अन्य व्यवस्थाओं में अतिरिक्त बदलाव करने की आवश्यकता पड़ सकती है। उन्होंने यह भी माना कि सार्वजनिक दायित्वों को देखते हुए पुलिस परिसर में उनके रहने से अनावश्यक प्रोटोकॉल की स्थिति पैदा हो सकती है। पुलिस अकादमी का परिसर अधिकारियों और कर्मचारियों के नियमित कार्यों के लिए बनाया गया है। ऐसे में वहां किसी संवैधानिक पदाधिकारी के लिए आवासीय व्यवस्था को सामान्य उदाहरण नहीं बनाया जाना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री की ओर से की गई व्यवस्था के लेकर किसी तरह की असहमति व्यक्त करने के बजाय स्वयं आवास लेने से पीछे हटने का निर्णय लिया। उन्होंने अपने पत्र में मुख्यमंत्री की सहयोगपूर्ण पहल के लिए धन्यवाद भी दिया। साथ ही सरकार से आग्रह किया कि मधुबन पुलिस अकादमी परिसर में उनके नाम से किए गए आवास आवंटन की प्रक्रिया को समाप्त कर दिया जाए। अब यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि हरविंद्र कल्याण के पास चंडीगढ़ में पहले से सरकारी आवास है, जबकि कुटेल स्थित उनके फार्म हाउस का नवीनीकरण चल रहा है। ऐसे में वैकल्पिक आवास की आवश्यकता को लेकर सरकार की ओर से की गई व्यवस्था के बावजूद उन्होंने पुलिस परिसर में रहने के बजाय आवास आवंटन वापस करने का फैसला किया है।

कल्याण के इस निर्णय से यह संदेश देने की कोशिश दिखाई देती है कि संवैधानिक पद पर रहते हुए प्रशासनिक संस्थाओं की स्वतंत्र कार्यप्रणाली और निर्धारित व्यवस्थाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस अकादमी परिसर में आवास लेने से सुरक्षा, प्रोटोकॉल और प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। इसलिए उन्होंने सरकार से आवंटित आवास की प्रक्रिया समाप्त करने का आग्रह किया है। साथ ही, उन्होंने मुख्यमंत्री के सहयोग के लिए आभार जताते हुए निर्णय को संस्थागत मर्यादा से जोड़ा।

हरियाणा में रक्षाबंधन पर बहनों को नहीं मिली मुफ्त बस सेवा, निजी बसों ने लिया किराया

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

रक्षाबंधन पर्व पर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का उत्साह शहर में देखने को मिला। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और उनके लिए मिठाइयां व अन्य पकवान लेकर पहुंचीं। सुबह से ही बाजारों और बस स्टैंड पर लोगों की भीड़ रही। हालांकि, पर्व के दौरान यात्रा करने वाली महिलाओं को निजी बस संचालकों की मनमानी के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। सरकार की ओर से रक्षाबंधन के अवसर पर महिलाओं के लिए निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा देने के आदेश जारी किए गए थे। आदेश के अनुसार 27 अगस्त दोपहर 12 बजे से 28 अगस्त रात 12 बजे तक रोडवेज और निजी बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलनी थी।

इसके बावजूद हिसार में कई निजी बस संचालकों ने महिलाओं से किराया वसूला। इससे बहनों में नाराजगी देखने को मिली। महिलाओं ने निजी बस चालकों द्वारा किराया लिए जाने की शिकायत रोडवेज अधिकारियों से भी की। उनका कहना था कि सरकार ने जब मुफ्त यात्रा की सुविधा देने के स्पष्ट आदेश जारी किए हैं तो निजी बस संचालक उसका पालन क्यों नहीं कर रहे हैं। शिकायतों के बावजूद यात्रियों को तत्काल राहत नहीं मिल सकी। रक्षाबंधन के दिन दोपहर 12 बजे के बाद विभिन्न रूटों पर निजी बसों की संख्या भी कम हो गई। बताया गया कि करीब 50 प्रतिशत निजी बसें रूटों से गायब हो गईं। वहीं, जो बसें चल रही थीं, उनमें से कई के संचालकों ने महिलाओं से किराया वसूला। इसके चलते दूर-दराज से भाइयों को राखी बांधने पहुंचीं बहनों को परेशानी हुई। बस स्टैंड पर भी पर्व के कारण काफी भीड़ रही।

गर्मी और भीड़ के बीच महिलाओं को बसों के लिए इंतजार करना पड़ा। इसके अलावा चोरी की घटनाओं से भी यात्रियों की चिंता बढ़ी। सरकार के निःशुल्क यात्रा के आदेशों के बावजूद सुविधा का पूरा लाभ नहीं मिलने से महिलाओं में रोष रहा। यात्रियों ने बताया कि मुफ्त यात्रा की घोषणा के बावजूद व्यवस्था में तालमेल की कमी दिखाई दी। निजी बसों की कम संख्या और किराया वसूली से महिलाओं को अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ा। वहीं, बस स्टैंड पर भीड़ के कारण यात्रियों को काफी देर तक बसों का इंतजार करना पड़ा। महिलाओं ने प्रशासन से निजी बस संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करने और भविष्य में सरकारी आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने की मांग की।

आरटीआई में खुलासा, गाजियाबाद-हापुड़ रूट पर नमो भारत का नहीं हुआ फिजिबिलिटी टेस्ट

हापुड़ को रैपिड रेल से जोड़ने की उम्मीदों पर लगा ब्रेक, एनसीआरटीसी ने स्थिति की तस्वीर साफ की

एजेंसी, नई दिल्ली

हापुड़ जिले और आसपास के लाखों यात्रियों को नमो भारत तथा रैपिड रेल सेवा से जोड़ने की उम्मीदों को फिलहाल झटका लगा है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) की ओर से सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत दिए गए जवाब में स्पष्ट किया गया है कि गाजियाबाद-हापुड़ रेल मार्ग का अभी तक व्यवहार्यता अध्ययन नहीं हुआ है।

ऐसे में हापुड़ तक नमो भारत सेवा के विस्तार की संभावनाएं फिलहाल शुरुआती स्तर पर ही हैं। हापुड़ को नमो भारत सेवा से जोड़ने की मांग लंबे समय से उठती रही है। गाजियाबाद और दिल्ली-एनसीआर से बड़ी संख्या में लोग रोजाना हापुड़ और आसपास के क्षेत्रों में आवागमन करते हैं। नमो भारत सेवा शुरू होने के बाद यात्रियों को तेज, सुविधाजनक और अपेक्षाकृत सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था मिलने की उम्मीद जगी थी।

लोगों को उम्मीद थी कि मौजूदा नमो भारत नेटवर्क का विस्तार करते हुए भविष्य में हापुड़ को भी इससे जोड़ा जा सकता है। हालांकि, आरटीआई के जवाब ने फिलहाल इस उम्मीद को बड़ा झटका दिया है। जानकारी के अनुसार गाजियाबाद-हापुड़ मार्ग को लेकर अभी तक व्यवहार्यता अध्ययन नहीं कराया गया है। किसी भी बड़े परिवहन प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने से पहले उसके यात्री दबाव, संभावित मार्ग, तकनीकी जरूरतों, लागत और अन्य पहलुओं का अध्ययन किया जाता है। इसके बाद ही परियोजना को आगे बढ़ाने की दिशा में निर्णय लिया जाता है। हापुड़ के लोगों के लिए यह जानकारी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि जिले को नमो भारत नेटवर्क से जोड़ने की मांग को लेकर समय-समय पर चर्चा होती रही है।

सोहना में शोपीस बना एलपीजी एटीएम उपभोक्ताओं की उम्मीदों पर फिरा पानी

एजेंसी, नई दिल्ली

सोहना के सेंट्रल पार्क में उपभोक्ताओं को घर के नजदीक रसोई गैस उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित एलपीजी एटीएम पिछले छह माह से बंद पड़ा है। सुविधा शुरू होने से पहले ही इसके संचालन पर ब्रेक लग गया, जिससे स्थानीय उपभोक्ताओं को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। करीब 500 से अधिक लोगों ने नए कनेक्शन के लिए आवेदन कर इस योजना में रुचि दिखाई थी।

योजना के तहत उपभोक्ताओं को खाली 10 किलोग्राम का सिलिंडर लेकर एलपीजी एटीएम तक पहुंचना था। यहां निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें कम समय में रिफिल सिलिंडर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई थी। इससे लोगों को गैस एजेंसी के चक्कर लगाने से राहत मिलने की उम्मीद थी। हालांकि, पिछले छह महीनों से एटीएम निष्क्रिय पड़ा होने के कारण योजना का उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि सुविधा शुरू होने की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने कनेक्शन के लिए आवेदन किया था, लेकिन लंबे समय से इंतजार करना पड़ रहा है।

बताया गया है कि योजना के संचालन में आ रही दिक्कतों के कारण एलपीजी एटीएम बंद है। वहीं, कमर्शियल श्रेणी में जाने से रिफिल की कीमतों में बढ़ोतरी की समस्या भी सामने आई है। इससे उपभोक्ताओं की परेशानी और बढ़ गई है। उपभोक्ताओं ने जल्द सुविधा बहाल कर योजना को दोबारा शुरू करने की मांग उठाई है।

न्यूज ब्रीफ

पलवल के भाइयों से लाखों की ठगी, रूस में बंधक बनाकर जेल भेजा

एजेंसी ,नई दिल्ली। पलवल के दो भाइयों को रूस में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करने और उन्हें बंधक बनाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि विदेश में अच्छी नौकरी और बेहतर वेतन का लालच देकर दोनों भाइयों से मोटी रकम ली गई। इसके बाद उन्हें रूस भेज दिया गया, जहां कथित तौर पर उन्हें बंधक बनाकर करीब 30 दिन तक जेल में रखा गया। पीड़ित भाइयों के अनुसार, उन्हें उम्मीद थी कि रूस पहुंचने के बाद नौकरी शुरू हो जाएगी, लेकिन वहां पहुंचने पर परिस्थितियां पूरी तरह बदल गईं। आरोपियों ने उन्हें कथित रूप से अपने नियंत्रण में रखा और उनकी मुश्किलें बढ़ती गईं। करीब एक महीने तक जेल में रहने के बाद दोनों किसी तरह स्वदेश लौटे। भारत वापस आने के बाद पीड़ितों ने पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी और आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मानव तस्करी और धोखाधड़ी समेत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस मामले में कितने लोग शामिल हैं और पीड़ितों को रूस भेजने की पूरी प्रक्रिया किस नेटवर्क के माध्यम से संचालित की गई। साथ ही आरोपियों द्वारा ली गई रकम और विदेश भेजने से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है। पीड़ितों ने मामले में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और अपनी रकम वापस दिलाने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फरीदाबाद में हादसे में घायल की मौत के बाद फूटा गुस्सा, सड़क पर लगाया जाम

एजेंसी, नई दिल्ली । फरीदाबाद में सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों ने आरोपी चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस थाने पहुंचकर भी विरोध जताया और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। बताया गया कि सड़क हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था। हादसे के बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। लोगों का आरोप था कि हादसे के जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई में देरी हो रही है। इसी मांग को लेकर बड़ी संख्या में लोग सड़क पर एकत्र हुए और सर्विस रोड पर वाहनों की आवाजाही रोक दी। जाम के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास किया। इसके बाद लोगों ने पुलिस थाने पहुंचकर आरोपी की जल्द गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। पुलिस ने मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। अधिकारियों का कहना है कि हादसे की जांच की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

गुरुग्राम में दर्दनाक हादसा, टीसीएस इंजीनियर की मौत से मचा हड़कंप

एजेंसी, नई दिल्ली । गुरुग्राम में देर रात हुए सड़क हादसे में टीसीएस कंपनी के मैकेनिकल इंजीनियर तुषार कुमार की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तुषार बाइक से जा रहे थे, इसी दौरान उनकी बाइक की जेसीबी मशीन से टक्कर हो गई। हादसा इतना गंभीर था कि तुषार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। हादसे के बाद घटनास्थल से तुषार का हेलमेट गायब मिला, जिससे पूरे मामले को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हादसे के समय तुषार ने हेलमेट पहना हुआ था या नहीं और दुर्घटना के बाद हेलमेट घटनास्थल से कैसे गायब हुआ। हेलमेट के गायब होने से हादसे की परिस्थितियों को लेकर रहस्य गहरा गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही है। साथ ही जेसीबी चालक की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अमरोहा के युवाओं को बड़ी सौगात, एक ही जगह प्रशिक्षण के साथ रोजगार

एजेंसी, नई दिल्ली। अमरोहा में युवाओं को प्रशिक्षण और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल रोजगार एवं औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने की योजना है। यह औद्योगिक क्षेत्र करीब पांच एकड़ भूमि में विकसित किया जाएगा। इसका उद्देश्य युवाओं को रोजगार से जोड़ने के साथ उन्हें उद्योगों की जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है। प्रस्तावित औद्योगिक क्षेत्र में युवाओं को एक ही स्थान पर कौशल प्रशिक्षण और रोजगार से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी है। इससे प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं को रोजगार के अवसर तलाशने के लिए अलग-अलग स्थानों पर भटकना नहीं पड़ेगा। प्रशिक्षण के बाद उन्हें संबंधित औद्योगिक इकाइयों में रोजगार दिलाने की दिशा में भी काम किया जाएगा। इस परियोजना से स्थानीय स्तर पर औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। क्षेत्र में नई इकाइयों के आने और रोजगार के अवसर बढ़ने से स्थानीय युवाओं को फायदा मिल सकता है। साथ ही उद्योगों को प्रशिक्षित और कुशल कामगार उपलब्ध कराने में भी मदद मिलेगी। औद्योगिक क्षेत्र विकसित होने से युवाओं को अपने जिले में ही बेहतर अवसर मिलने की संभावना है। इससे रोजगार के लिए दूसरे शहरों की ओर पलायन कम करने में भी मदद मिल सकती है। योजना का मुख्य लक्ष्य युवाओं के कौशल विकास और रोजगार के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना है। प्रस्तावित क्षेत्र में प्रशिक्षण, औद्योगिक गतिविधियों और रोजगार के अवसरों को एक साथ जोड़ने की कोशिश की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, परियोजना के जरिए युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सकेगा। अमरोहा में औद्योगिक क्षेत्र से बढ़ेंगे स्थानीय युवाओं के रोजगार अवसर

गुरुग्राम में दर्दनाक हादसा, तालाब में डूबने से छह साल के अंकुश की मौत

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम की देवी लाल कॉलोनी में छठ घाट के पास बने तालाब में डूबने से छह साल के बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक बच्चे की पहचान अंकुश के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है और आसपास के इलाके में भी शोक का माहौल है। पुलिस के अनुसार, अंकुश अन्य बच्चों के साथ तालाब में नहाने के लिए गया था। नहाते समय वह अचानक तालाब के गहरे हिस्से में चला गया और पानी में डूबने लगा।

आसपास मौजूद बच्चों ने घटना की जानकारी दी, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने बच्चे को तलाशने और बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से बच्चे को तालाब से बाहर निकाला गया और तत्काल अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाते हुए घटना के परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, बच्चा अन्य बच्चों के साथ तालाब में नहाने गया था और इसी दौरान गहरे पानी में चला गया। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि तालाब के आसपास सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम थे या नहीं।

घटना के बाद बच्चे के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के लिए यह हादसा बेहद सदमे वाला है। स्थानीय लोगों ने तालाब के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और बच्चों को ऐसे स्थानों पर जाने से रोकने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि खुले तालाब और जलभराव वाले स्थान बच्चों के लिए जोखिम भरे हो सकते हैं। ऐसे स्थानों पर चेतावनी बोर्ड, बैरिकेडिंग और निगरानी की व्यवस्था जरूरी है, ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं को रोका जा सके। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि बच्चों को तालाब, नहर या अन्य गहरे जलस्रोतों के पास अकेले न जाने दें और नहाने के दौरान उनकी निगरानी जरूर करें।

दिल्ली के पुराने फ्लाईओवरों को मिलेगा नया जीवन, सरकार ने तेज की तैयारी

एजेंसी, नई दिल्ली

करीब 10 साल के लंबे इंतजार के बाद दिल्ली के जर्जर और पुराने फ्लाईओवरों की हालत सुधारने की प्रक्रिया तेज हो गई है। दिल्ली सरकार ने राजधानी के कई प्रमुख फ्लाईओवरों के कायाकल्प की तैयारी शुरू कर दी है। इन फ्लाईओवरों की लंबे समय से मरम्मत की जरूरत महसूस की जा रही थी, लेकिन पिछली सरकार के कार्यकाल में कई बार घोषणाओं के बावजूद काम जमीन पर शुरू नहीं हो सका। अब वर्तमान सरकार ने करीब एक दर्जन फ्लाईओवरों की मरम्मत और सुधार की योजना पर काम शुरू किया है।

सरकार का उद्देश्य पुराने ढांचों को मजबूत करने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाना है। प्रस्तावित कार्यों में फ्लाईओवर की संरचनात्मक मरम्मत, सड़क की सतह में सुधार और जरूरत के अनुसार अन्य आवश्यक कार्य

10 साल बाद दिल्ली के जर्जर फ्लाईओवर सुधरेंगे

शामिल किए जा सकते हैं। सरकार की योजना के अनुसार, मानसून का मौसम समाप्त होने के बाद फ्लाईओवरों की मरम्मत का काम चरणबद्ध तरीके से शुरू किए जाने की संभावना है।

काम को इस तरह से पूरा करने की कोशिश होगी कि प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था पर कम से कम असर पड़े। जखीरा, सीलमपुर और नारायणा समेत राजधानी के कई महत्वपूर्ण फ्लाईओवर इस योजना में शामिल बताए जा रहे हैं। इन फ्लाईओवरों से रोजाना बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं, इसलिए इनकी खराब स्थिति वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बन रही थी। लगातार बढ़ते यातायात दबाव और पुराने होते ढांचों को देखते हुए फ्लाईओवरों की मरम्मत को जरूरी माना जा रहा है। सरकार की ओर से प्राथमिकता के आधार पर खराब स्थिति वाले फ्लाईओवरों पर काम कराने की तैयारी है।

रक्षाबंधन पर गाजियाबाद में ट्रैफिक का बुरा हाल, डासना से लालकुआं तक लगा लंबा जाम

एजेंसी, नई दिल्ली

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर दिल्ली-एनसीआर से अपने घरों और रिश्तेदारों के यहां जाने वाले यात्रियों की भारी भीड़ के कारण गाजियाबाद में यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई। सुबह से ही दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर वाहनों का दबाव बढ़ गया। कई प्रमुख स्थानों पर गाड़ियों की लंबी कतारें लगने से वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सबसे ज्यादा परेशानी डासना एंट्री प्वाइंट और लालकुआं चौराहे के आसपास देखने को मिली। यहां वाहनों की संख्या अचानक बढ़ने के कारण यातायात की रफ्तार बेहद धीमी हो गई। कई जगह वाहन रेंग-रेंगकर आगे बढ़ते नजर आए।

डासना से लालकुआं की ओर जाने वाले मार्ग पर जाम का असर काफी दूर तक दिखाई दिया। त्योहार के चलते दिल्ली और आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में लोग निजी वाहनों के साथ यात्रा कर रहे थे। सुबह के समय सामान्य दिनों की तुलना में यातायात काफी अधिक रहा। इसके चलते एक्सप्रेसवे और राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात प्रबंधन के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़े। जाम के कारण यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में सामान्य से अधिक समय लगा। परिवार के साथ रक्षाबंधन मनाने जा रहे लोगों के अलावा सार्वजनिक परिवहन और अन्य वाहनों पर भी इसका असर पड़ा। कई वाहन चालक वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करते नजर आए, लेकिन वहां भी वाहनों का दबाव बढ़ने से स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हो सकी।

यातायात को व्यवस्थित करने के लिए पुलिस और यातायात विभाग की टीमों को प्रमुख चौराहों और प्रवेश मार्गों पर तैनात किया गया। अधिकारियों की ओर से वाहन चालकों से धैर्य बनाए रखने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई। त्योहारी भीड़ को देखते हुए यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए कुछ स्थानों पर अस्थायी उपाय लागू किए जाने की तैयारी है।

मेरठ में बड़ा हादसा टला, पिलर धंसने से एक ओर झुका मकान

एजेंसी, नई दिल्ली

मेरठ के लिसाड़ी गेट क्षेत्र के तारापुरी में गुरुवार देर रात एक बहुमंजिला मकान का दांयी ओर का पिलर अचानक जमीन में धंस गया। इसके कारण मकान एक तरफ झुक गया और आसपास अफरातफरी मच गई। मकान के नीचे स्थित दुकानों में बैठे लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई। मकान के प्रथम और द्वितीय तल पर चार परिवार रहते हैं। पिलर धंसने के बाद मकान के ढहने की आशंका से परिवारों की महिलाओं और बच्चों में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों की मदद से मकान में फंसे सभी 15 महिला, पुरुष और बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना तारापुरी में काले जादू वाली गली के सामने हुई। यहां हसीनुद्दीन पुत्र सरफुद्दीन का मकान है, जिसके किनारे से नाला बहता है।

छह साल से फंसा 363 उद्यमियों का सपना, पूरी रकम के बाद भी कब्जा नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) की औद्योगिक भूखंड योजना के 363 आवंटी पिछले करीब छह वर्षों से अपने भूखंड पर कब्जे का इंतजार कर रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि प्राधिकरण इन भूखंडों की पूरी कीमत पहले ही वसूल चुका है, लेकिन अब तक आवंटियों को कब्जा देने की स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। उद्यमियों के अनुसार, जिस जमीन पर उनके भूखंड नियोजित किए गए हैं, उसका बड़ा हिस्सा अभी यीडा के कब्जे में नहीं आया है। कुछ जमीन प्रभावशाली लोगों के कब्जे में होने के कारण प्राधिकरण के लिए भूमि अधिग्रहण बड़ी चुनौती बना हुआ है। इसके चलते भूखंड मिलने की प्रक्रिया लगातार लंबी होती जा रही है।

कब्जा नहीं मिलने से उद्यमियों पर आर्थिक दबाव भी बढ़ रहा है। उन्हें औद्योगिक गतिविधियों के लिए वैकल्पिक स्थानों का किराया देना पड़ रहा है। साथ ही बैंक ऋण की किस्तें, कर्मचारियों और संचालन का खर्च तथा भूखंड में पहले से लगाई गई पूंजी का बोझ भी उठाना पड़ रहा है।

उद्यमियों का कहना है कि उन्होंने भूखंड की पूरी कीमत चुका दी है, इसलिए उन्हें कम से कम कब्जा मिलने की स्पष्ट समय-सीमा बताई जानी चाहिए। उनका कहना है कि लंबे समय से पूंजी फंसी होने के कारण विस्तार योजनाएं भी प्रभावित हो रही हैं। अब आवंटी यीडा से जल्द भूमि उपलब्ध कराने और कब्जा देने की निश्चित तारीख घोषित करने की मांग कर रहे हैं।

दिल्ली लोक निर्माण विभाग में खत्म होगा फाइलों का झंझट, एकल फाइल व्यवस्था की तैयारी

फाइलों का बोझ घटाने की कवायद, 15 दिन में रिपोर्ट देगी तीन सदस्यीय समिति

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में कागजी कार्रवाई कम करने और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को आसान बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने की तैयारी है। विभाग में सिंगल फाइल सिस्टम लागू करने की संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है। इस व्यवस्था का उद्देश्य एक ही मामले से संबंधित दस्तावेजों और पत्राचार को अलग-अलग फाइलों में रखने के बजाय एक ही फाइल में व्यवस्थित करना है। इससे विभागीय कामकाज को अधिक पारदर्शी, तेज और प्रभावी बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। सिंगल फाइल सिस्टम की व्यवहार्यता का अध्ययन करने के लिए पीडब्ल्यूडी ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति की अध्यक्षता विभाग के प्रधान मुख्य अभियंता प्रदीप गुप्ता कर रहे हैं।

अधीक्षण अभियंता शरवन कुमार और एक अधिशासी अभियंता को समिति का सदस्य बनाया गया है। इस संबंध में विभाग की ओर से 25 अगस्त को कार्यालय आदेश जारी किया गया। समिति को अपनी रिपोर्ट 15 दिनों के भीतर सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग के अनुसार, दिल्ली का भौगोलिक क्षेत्र सीमित होने के बावजूद पीडब्ल्यूडी के विभिन्न कार्यालयों और स्तरों पर बड़ी संख्या में फाइलें तथा दस्तावेज मौजूद रहते हैं। किसी एक मामले से संबंधित दस्तावेज अलग-अलग कार्यालयों या अधिकारियों के पास होने के कारण कई बार फाइलों की आवाजाही बढ़ जाती है। इससे निर्णय लेने की प्रक्रिया में अनावश्यक देरी होने की संभावना रहती है। प्रस्तावित सिंगल फाइल सिस्टम में किसी मामले से जुड़े महत्वपूर्ण पत्राचार, अधिकारियों की टिप्पणियां, अनुमोदन और निर्णय एक ही फाइल में दर्ज किए जा सकेंगे। इससे संबंधित अधिकारी को मामले की पूरी जानकारी एक स्थान पर उपलब्ध होगी। साथ ही, पुराने रिकॉर्ड या किसी विशेष दस्तावेज को तलाशने में लगने वाला समय भी कम हो सकता है।

इस व्यवस्था को ऑनलाइन कामकाज से जोड़ने पर प्रशासनिक

फाइलों की आवाजाही घटेगी, कामकाज होगा और तेज

प्रक्रिया और अधिक सुविधाजनक हो सकती है। डिजिटल रिकॉर्ड के माध्यम से फाइलों की स्थिति पर नजर रखना आसान होगा और अधिकारियों के स्तर पर होने वाली कार्रवाई का रिकॉर्ड भी उपलब्ध रहेगा। इससे जवाबदेही तय करने में मदद मिल सकती है तथा फाइलों के अनावश्यक रूप से एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय जाने की जरूरत घट सकती है। सिंगल फाइल सिस्टम लागू होने की स्थिति में कागज की खपत कम होने, रिकॉर्ड प्रबंधन बेहतर होने और निर्णय प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद है। ऑनलाइन निपटारे से पारदर्शिता बढ़ाने में भी मदद मिल सकती है। हालांकि, अभी यह व्यवस्था अंतिम रूप से लागू नहीं हुई है।

समिति की रिपोर्ट मिलने के बाद ही यह तय होगा कि दिल्ली पीडब्ल्यूडी में सिंगल फाइल सिस्टम किस स्वरूप में लागू किया जाएगा और किन-किन स्तरों पर इसे अपनाया जाएगा। विभाग की यह पहल सरकारी कामकाज को अधिक व्यवस्थित और डिजिटल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यदि प्रस्ताव सफल रहता है, तो इससे कर्मचारियों और अधिकारियों पर कागजी कार्य का बोझ कम होने के साथ-साथ आम लोगों से जुड़े कार्यों के निपटारे में भी तेजी आने की संभावना है।

हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर को मिली रफ्तार, नूंह में टनल के लिए ब्लास्टिंग शुरू

एजेंसी, नई दिल्ली

हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर परियोजना के निर्माण कार्य को गति देने के लिए नूंह जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जिला मजिस्ट्रेट अखिल पिलानी ने परियोजना के पैकेज-सी-4 के तहत पाटुका पट्टी के गांव सेहसोला क्षेत्र में भूमिगत रेल कार्य के लिए नियंत्रित ब्लास्टिंग की अस्थायी अनुमति प्रदान की है। यह अनुमति 31 दिसंबर 2026 तक प्रभावी रहेगी। प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, भूमिगत रेल टनल के निर्माण और खुदाई के लिए चेनज 25+940 से 25+698 तथा 25+960 से 25+712 के बीच नियंत्रित ब्लास्टिंग की जाएगी।

इस मंजूरी से परियोजना के निर्माण कार्य में तेजी आने की उम्मीद है और हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर को समय पर आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। आदेश में ब्लास्टिंग कार्य को 24 घंटे संचालित करने की अनुमति दी गई है। हालांकि, रात के समय विस्फोटक सामग्री के इस्तेमाल और ब्लास्टिंग के दौरान सुरक्षा नियमों

का सख्ती से पालन करना अनिवार्य होगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि रात्रिकालीन ब्लास्टिंग तभी की जा सकेगी, जब कार्यस्थल पर पर्याप्त रोशनी, सुरक्षा उपकरण और आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध हो। नियंत्रित ब्लास्टिंग का उद्देश्य भूमिगत हिस्से में कठोर चट्टानों और अन्य बाधाओं को हटाकर टनल निर्माण की प्रक्रिया को तेज करना है। ब्लास्टिंग के दौरान आसपास के क्षेत्र की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं।

परियोजना एजेंसी को निर्धारित सुरक्षा मानकों, विस्फोटक पदार्थों के इस्तेमाल से जुड़े नियमों और प्रशासन द्वारा तय शर्तों का पालन करना होगा। हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर राज्य की प्रमुख परिवहन परियोजनाओं में शामिल है। इसके पूरा होने के बाद हरियाणा के विभिन्न औद्योगिक और शहरी क्षेत्रों के बीच रेल संपर्क मजबूत होने की उम्मीद है। नूंह जिले में भूमिगत रेल कार्य इस परियोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। नियंत्रित ब्लास्टिंग की अनुमति मिलने से टनल निर्माण में तेजी आने और परियोजना की प्रगति को नई गति मिलने की संभावना है। प्रशासन ने ब्लास्टिंग के दौरान आसपास के गांवों और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। विस्फोट से पहले सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जाएंगे। अनुमति मिलने से टनल निर्माण तेज होगा और हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर परियोजना को समय पर पूरा करने में मदद मिलेगी।

राज्यपाल ने तिरुपति बालाजी मंदिर में की पूजा-अर्चना, कहा-

रक्षाबंधन व श्रावण पूर्णिमा पर्व स्नेह, भाईचारे व सद्भाव के प्रतीक

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने रक्षाबंधन व श्रावण पूर्णिमा के पावन अवसर पर जम्मू स्थित प्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस मंदिर को तिरुपति बालाजी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है।

उन्होंने भगवान वेंकटेश्वर की विशेष अभिषेक पूजा में भी भाग लिया और देश में शांति, समृद्धि तथा राष्ट्र कल्याण के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि रक्षाबंधन और श्रावण पूर्णिमा जैसे पर्व भारत की शाश्वत आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं के प्रतीक हैं। ये पर्व समाज को जोड़ने वाले स्नेह, भाईचारे, सद्भाव और आपसी सम्मान के मूल्यों को और मजबूत करते हैं। राज्यपाल ने जम्मू क्षेत्र और हिमाचल प्रदेश के बीच एक समेकित आध्यात्मिक पर्यटन सर्किट विकसित करने की अपार संभावनाओं पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दोनों क्षेत्रों में मंदिरों, धार्मिक स्थलों और तीर्थस्थलों की समृद्ध विरासत मौजूद है। इन पवित्र स्थलों के बीच बेहतर संपर्क सुविधा और समन्वित प्रचार-प्रसार से श्रद्धालुओं को अधिक समृद्ध तीर्थयात्रा अनुभव प्रदान किया जा सकता है। साथ ही, जम्मू और हिमाचल प्रदेश की साझा आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को भी देश-दुनिया के सामने प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जा सकेगा। राज्यपाल ने रक्षाबंधन और श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कामना की कि ये पावन अवसर प्रत्येक परिवार में शांति, सुख, समृद्धि और सद्भाव लेकर आएं तथा एकता और भाईचारे के बंधन को और मजबूत करें।

अवैध खनन पर रोक के लिए तकनीक आधारित समाधान अपनाने पर संसदीय समिति का जोर

◆ एआई और ड्रोन तकनीक के प्रभावी इस्तेमाल पर दिया बल

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। कोयला, खान व इस्पात संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने देश में खनिज एवं धातुओं के अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए प्रवर्तन व्यवस्था को और मजबूत करने तथा आधुनिक तकनीक के व्यापक इस्तेमाल पर जोर दिया है।

समिति की बैठक की अध्यक्षता सांसद अनुराग ठाकुर ने की। बैठक में देश में खनिज एवं धातुओं के अवैध खनन को रोकने के उपायों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया और इस विषय पर संबंधित पक्षों से मौखिक साक्ष्य लिए गए। बैठक में खान मंत्रालय के सचिव, नाल्को तथा हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान देशभर में अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रवर्तन तंत्र को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर गहन चर्चा हुई। समिति ने कहा कि देश की बहुमूल्य खनिज संपदा की सुरक्षा के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के स्तर पर स्पष्ट जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है। समिति ने अनधिकृत खनन गतिविधियों के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपनाने पर बल देते हुए कहा कि अवैध खनन पर प्रभावी रोक के लिए एक सुदृढ़ नियामक व्यवस्था और विभिन्न सरकारी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। इससे खनिज संसाधनों का सतत, पारदर्शी और कानूनसम्मत दोहन सुनिश्चित किया जा सकेगा। बैठक में खनिज संपदा की निगरानी और सुरक्षा के लिए तकनीक आधारित उपायों पर भी विशेष चर्चा हुई। समिति ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ड्रोन निगरानी जैसी आधुनिक तकनीकों को तेजी से अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। समिति का मानना है कि एआई और ड्रोन तकनीक के माध्यम से खनन क्षेत्रों की निगरानी अधिक प्रभावी बनाई जा सकती है। रियल टाइम निगरानी और गतिविधियों की बेहतर ट्रैकिंग से अवैध खनन की पहचान समय रहते की जा सकेगी तथा संबंधित एजेंसियां त्वरित कार्रवाई कर सकेंगी। समिति ने इस बात पर जोर दिया कि देश की खनिज संपदा केवल वर्तमान की आर्थिक आवश्यकताओं के लिए नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की संपत्ति भी है।

कैंसर के 70 फीसदी से अधिक मामले एडवांस स्टेज में पहुंच रहे

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। भारत में बढ़ते कैंसर के मामलों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से पार्क अस्पताल मोहाली के विशेषज्ञ डायरेक्टर मेडिकल ऑन्कोलॉजी डॉ. संदीप कुक्कर ने बताया कि देश में करीब 30 लाख लोग कैंसर से पीड़ित हैं और हर वर्ष लगभग 15.6 लाख नए मामले सामने आते हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं में स्तन व सर्वाइकल कैंसर, जबकि पुरुषों में फेफड़े व लिवर कैंसर प्रमुख हैं। स्तन कैंसर के मामले अब कम उम्र की महिलाओं में भी बढ़ रहे हैं और करीब 50 प्रतिशत मामले 25 से 50 वर्ष की आयु वर्ग में सामने आ रहे हैं। चिंता की बात यह है कि 70 प्रतिशत से अधिक मरीज एडवांस स्टेज में उपचार के लिए पहुंचते हैं। डॉ. कुक्कर ने कहा कि कैंसर के लगभग एक-तिहाई मामलों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर रोका जा सकता है। उन्होंने नियमित व्यायाम, संतुलित आहार तथा धूम्रपान और शराब से परहेज की सलाह दी। उन्होंने बताया कि रोबोटिक सर्जरी, इम्यूनोथेरेपी और टार्गेटेड थेरेपी जैसी आधुनिक तकनीकों से उपचार में नई संभावनाएं पैदा हुई हैं।

खेलो इंडिया संवाद में प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण प्रेरणादायक: नरेंद्र अत्री

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष एवं भाजपा नेता नरेन्द्र अत्री ने कहा कि खेलो इंडिया संवाद के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की युवा शक्ति और खेल प्रतिभाओं के प्रति सकारात्मक एवं दूरदर्शी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि खेलों का उद्देश्य केवल पदक जीतना नहीं, बल्कि स्वस्थ, अनुशासित और सशक्त युवा भारत का निर्माण भी है।

एनसीओई हमीरपुर खेल उत्सव के तहत आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए अत्री ने कहा कि आज खेलों में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं हैं। खेलो इंडिया जैसी योजनाओं से गांवों और छोटे शहरों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं।

उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना, अनुशासन और निरंतर मेहनत को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं को नशे और सामाजिक बुराइयों से दूर रखकर सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। इस अवसर पर ओलंपियन दिव्या शर्मा, एसडी शर्मा, नरेश राणा, कोच नेहा सूद, मंजू और पिंकी चौहान सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

सिहुंता में आज कुलदीप सिंह पठानिया करेंगे खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

भारतेन्दु संवाददाता, चंबा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिहुंता में 14 वर्ष से कम आयु वर्ग के छात्रों की जोनल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आगाज विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया 29 अगस्त को करेंगे। विभागीय प्रवक्ता ने बताया कि विधानसभा अध्यक्ष 28 अगस्त को देर शाम शिमला से सिहुंता पहुंचेंगे। इसके बाद 29 अगस्त को प्रातः 11 बजे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिहुंता में आयोजित समारोह में बतौर मुख्यातिथि शिरकत कर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ करेंगे। प्रतियोगिता में क्षेत्र के नौनिहाल खिलाड़ी विभिन्न खेल स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। वहीं, विधानसभा अध्यक्ष 30 अगस्त को बाद दोपहर सिहुंता से शिमला के लिए रवाना होंगे।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए सौंपा मांग पत्र

भारतेन्दु संवाददाता, चंबा। हिमाचल प्रदेश जेबीटी बैच 2006-08 इन-सर्विस टीचर यूनियन का प्रतिनिधिमंडल स्टेट प्रेसिडेंट सुनील कुमार जरियाल की अगुवाई में उपनिदेशक स्कूल एजुकेशन चंबा से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने नवनियुक्त उपनिदेशक का स्वागत करने के बाद पात्र कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने की मांग को लेकर मांगपत्र सौंपा। सुनील जरियाल ने कहा कि जेबीटी बैच 2006-08 की भर्ती प्रक्रिया वर्ष 2002 में शुरू हुई थी। आवेदन, परीक्षा और चयन प्रक्रिया में शामिल अभ्यर्थियों को बाद की परीक्षा में दोबारा शुल्क और नए आवेदन से छूट के साथ आयु पात्रता का लाभ दिया गया। इससे स्पष्ट है कि बाद की प्रक्रिया वर्ष 2002 की मूल भर्ती की निरंतरता थी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2006 में जिला स्तरीय चयन समितियां गठित हुईं और चयनित अभ्यर्थियों ने दो वर्षीय जेबीटी प्रशिक्षण पूरा किया। प्रशिक्षण के बाद स्वीकृत पदों पर नियमित नियुक्तियां दी गईं। यूनियन ने 9 जुलाई 2026 के हिमाचल प्रदेश वित्त विभाग और 3 मार्च 2023 के भारत सरकार के कार्यालय ज्ञापन का हवाला देते हुए केंद्रीय सिविल सेवा पेंशन नियम, 1972 के तहत पुरानी पेंशन का लाभ देने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने विभागीय रिकॉर्ड के आधार पर पात्र मामलों की जांच कर सक्षम प्राधिकारी को भेजने का आग्रह किया।

घनारी में तेंदुए का आतंक, बछड़ा बना शिकार

भारतेन्दु संवाददाता, घनारी। तहसील घनारी के वार्ड नंबर-4 में तेंदुए के बढ़ते आतंक से ग्रामीणों में दहशत है। तेंदुए ने हाल ही में एक बछड़े को शिकार बना लिया, जबकि इससे पहले एक गाय को भी घायल कर चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि तेंदुआ दिन में भी क्षेत्र में घूमता दिखाई दे रहा है, जिससे बच्चों को स्कूल भेजने और बाहर निकलने में डर बना हुआ है। गाय पर हमले के बाद वन विभाग ने पिंजरा लगाया था, लेकिन तेंदुआ अब तक पकड़ में नहीं आया। ग्रामीणों ने वन विभाग से जल्द प्रभावी कार्रवाई कर तेंदुए को पकड़ने की मांग की है।

फौजी भाइयों की कलाई पर महिला मोर्चा ने बांधी राखी

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, हिमाचल प्रदेश की ओर से शुक्रवार को शिमला स्थित ARTRAC, सेंट थॉमस स्कूल के सामने रक्षाबंधन का पर्व उत्साह, आत्मीयता और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिला मोर्चा की बहनों ने फौजी भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके स्वस्थ, सुरक्षित एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष डेजी ठाकुर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के दौरान महिला मोर्चा की पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सैनिक भाइयों को तिलक लगाया, उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और मिठाई खिलाकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान देश की सुरक्षा के लिए दिन-रात समर्पित सैनिकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का भाव देखने को मिला। डेजी ठाकुर ने कहा कि भारतीय सैनिकों के कारण ही देशवासी अपने घरों में सुरक्षित और निश्चिंत होकर त्योहार मना पाते हैं। सैनिक चाहे देश की सीमा पर तैनात हों या किसी अन्य स्थान पर राष्ट्रसेवा का दायित्व निभा रहे हों, वे पूरे देश के परिवार का अभिन्न हिस्सा हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर सैनिक भाइयों को राखी बांधना महिला मोर्चा के लिए गर्व और भावनात्मक अनुभूति का क्षण है। उन्होंने कहा कि राखी केवल एक धागा नहीं, बल्कि स्नेह, विश्वास, सम्मान और सुरक्षा का प्रतीक है। महिला मोर्चा की बहनों ने सैनिक भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर यह संदेश दिया है कि पूरा समाज और देश अपने वीर जवानों के साथ मजबूती से खड़ा है। डेजी ने कहा कि जब कोई सैनिक अपने परिवार से सैकड़ों या हजारों किलोमीटर दूर रहकर राष्ट्र की रक्षा में अपना कर्तव्य निभाता है, तो उसके त्याग और समर्पण को शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है। हमारे जवान कठिन परिस्थितियों, विपरीत मौसम और अनेक चुनौतियों के बीच देश की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। ऐसे वीर जवानों का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में त्योहार समाज को जोड़ने और रिश्तों को मजबूत करने का माध्यम हैं। रक्षाबंधन भाई-बहन के पवित्र रिश्ते के साथ-साथ कर्तव्य, सुरक्षा और परस्पर विश्वास का संदेश भी देता है। महिला मोर्चा इस पर्व के माध्यम से समाज में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक सद्भाव और सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत करना चाहता है। डेजी ठाकुर ने सभी सैनिक भाइयों एवं प्रदेशवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश के वीर जवानों का साहस, त्याग और राष्ट्र के प्रति समर्पण हम सभी के लिए सदैव प्रेरणा

महंगे स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ता मंच मुखर, प्रदेशव्यापी आंदोलन की दी चेतावनी

◆ स्मार्ट मीटर से इनकार पर कनेक्शन काटने की धमकी का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। उपभोक्ता कल्याण मंच ने विद्युत बोर्ड लिमिटेड के अधिकारियों पर उपभोक्ताओं के साथ कथित तौर पर जोर-जबरदस्ती करने और स्मार्ट मीटर लगाने से इनकार करने पर बिजली कनेक्शन काटने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। मंच के मुख्य संरक्षक जेएम पठानिया, संयोजक कुलदीप सिंह खरवाड़ा, सह संयोजक सुरेश राठौर और महासचिव जेके धीमान ने संयुक्त बयान में कहा कि बोर्ड के अधिकारी विद्युत कानून 2003 की धारा 47(5) की कथित अवहेलना कर रहे हैं। मंच का दावा है कि उपभोक्ताओं की सहमति के बिना स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं।

पदाधिकारियों के अनुसार, स्मार्ट मीटर से इनकार करने वाले उपभोक्ताओं को धारा 163 के तहत नोटिस जारी कर 24 घंटे में कनेक्शन काटने की चेतावनी दी जा रही है। मंच ने आरोप लगाया कि कुछ स्थानों पर बिना उचित डिस्कनेक्शन आदेश के भी बिजली कनेक्शन काटे गए हैं।

मंच ने स्मार्ट मीटर की लागत और गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए हैं। उसका कहना है कि करीब 9 से 10 हजार रुपये की लागत वाले मीटर की राशि टैरिफ के माध्यम से उपभोक्ताओं से वसूली जाएगी। मंच ने यह भी सवाल उठाया कि मीटर खराब या जलने की स्थिति में नुकसान की भरपाई कौन करेगा। मंच ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से हस्तक्षेप करते हुए टेंडर प्रक्रिया की पारदर्शी जांच की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि उपभोक्ता हितों की अनदेखी जारी रही तो प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा और न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाएगा।

पौधरोपण कर पौधों की देखभाल का दिया संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, संतोषगढ़। हरोली उपमंडल के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सिंगां में वीरवार को शिक्षा विभाग, हिमाचल प्रदेश के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान स्कूल परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में समाजसेवी एवं पूर्व ग्राम पंचायत प्रधान गुरदेव सिंह उर्फ ज्ञानी बाबा ने विशेष रूप से उपस्थित होकर पौधरोपण किया। उन्होंने कहा कि पौधरोपण से वातावरण शुद्ध एवं स्वच्छ रहता है और पर्यावरण संरक्षण में पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि हमें केवल पौधे लगाने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि लगाए गए पौधों की अपने बच्चों की तरह देखभाल करनी चाहिए, ताकि वे बड़े होकर पर्यावरण को हरा-भरा बनाने में योगदान दे सकें।

मदन धीमान ने पीएम श्री जीएसएस बरमाना के विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की दी सीख

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। पीएम श्री जीएसएस बरमाना में नशा निवारण व सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला मुख्यालय से पहुंचे डीएसपी मदन धीमान ने विद्यार्थियों से नशे से होने वाले नुकसान को लेकर विस्तार से चर्चा की और इसके दुष्परिणामों से अवगत करवाया।

इस अवसर पर थाना प्रभारी पूजा धीमान, सब-इंस्पेक्टर हरीश, महिला कांस्टेबल द्रौपदी देवी भी मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को नशे की गिरफ्त में आने से बचने, गलत संगत से दूरी बनाए रखने तथा समाज में फैल रही विभिन्न बुराइयों के प्रति सजग रहने की बात कही। डीएसपी मदन धीमान ने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य और पढ़ाई पर प्रतिकूल असर डालने के साथ परिवार की खुशहाली और भविष्य की संभावनाओं को भी प्रभावित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथ खेलकूद और अन्य उपयोगी गतिविधियों में समय देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग यदि नशे के प्रति सतर्क रहे और अपने साथियों को भी इससे बचाने में भूमिका निभाए तो समाज में इसके खिलाफ बेहतर माहौल तैयार किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पुलिस अधिकारियों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और नशे से दूरी बनाए रखने की शपथ ली। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्य नीलम कुमारी ने विद्यालय परिवार की ओर से डीएसपी मदन धीमान सहित पुलिस टीम का आभार जताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के बीच नशे के खिलाफ जागरूकता पैदा करने में पुलिस विभाग की यह पहल हर स्कूल में उपयोगी साबित हो रही है।

महंगाई-बेरोजगारी पर संसद में हो सार्थक बहस: हीरापाल

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। कांग्रेस नेता एवं राजीव गांधी पंचायत राज संगठन के सह कन्वीनर रहे ठाकुर हीरापाल सिंह ने देश में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी को लेकर राजनीतिक दलों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस और खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने आम आदमी के घरेलू बजट को बुरी तरह प्रभावित किया है। महंगाई की सबसे अधिक मार गरीब और मध्यम वर्ग पर पड़ रही है। हीरापाल सिंह ने कहा कि महंगाई के साथ बेरोजगारी भी देश के सामने एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। युवाओं के सामने रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल विभिन्न मुद्दों पर बहस करते हैं, लेकिन आम जनता के जीवन से सीधे जुड़े महंगाई और रोजगार जैसे महत्वपूर्ण विषय कई बार चर्चा के केंद्र में नहीं आ पाते। उन्होंने कहा कि संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है और वहां जनहित से जुड़े मुद्दों पर गंभीर एवं सार्थक चर्चा होनी चाहिए।

कुल्लू में एचआरटीसी बस के ब्रेक फेल, चालक की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा, 46 यात्री घायल

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। कुल्लू जिला के भेखली धार के पास कटाहर में शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की बस के ब्रेक फेल होने से बड़ा हादसा होते-होते टल गया। चालक की सूझबूझ और साहसिक निर्णय से बस को खाई में गिरने से बचा लिया गया। हादसे में करीब 46 यात्री घायल हुए हैं, जिन्हें क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार बस व्यासर से कुल्लू की ओर आ रही थी। कटाहर के पास पहुंचते ही चालक को बस के ब्रेक फेल होने का आभास हुआ। चालक ने घबराने के बजाय तत्काल आगे बैठे यात्रियों को खतरे के बारे में सचेत किया और बस को नीचे खाई की ओर जाने से रोकने के लिए उसे अचानक पहाड़ी की तरफ मोड़ दिया। इससे बस खाई में गिरने से बच गई। हालांकि, इस दौरान चालक स्वयं गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यदि बस अनियंत्रित होकर नीचे की ओर चली जाती तो गहरी ढलान और खाई के कारण हादसा बेहद भीषण हो सकता था। चालक के त्वरित निर्णय से बस में सवार कई लोगों की जान बच गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। जिला प्रशासन ने भी तत्परता दिखाते हुए क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू में आवश्यक व्यवस्थाएं कीं। एसडीएम जयवंती, तहसीलदार अनिल कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी रंजीत ठाकुर, एमएस हीरा लाल बौद्ध और एएसपी मनमोहन सिंह पुलिस दल के साथ अस्पताल और दुर्घटनास्थल पर पहुंचे। प्रशासन की ओर से घायलों के उपचार के लिए विशेष प्रबंध किए गए। प्रत्येक घायल को फौरी राहत के तौर पर पांच-पांच हजार रुपये की राशि प्रदान की गई। बस में महिलाओं की संख्या काफी अधिक बताई जा रही है। रक्षाबंधन के पर्व के चलते कई महिलाएं अपने भाइयों को राखी बांधकर वापस लौट रही थीं, जबकि कुछ महिलाएं राखी बांधने के लिए अपने गंतव्य की ओर जा रही थीं। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। हादसे को लेकर घायलों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

अवतार का अर्थ है परम तत्व का जनकल्याण के लिए धरा पर अवतरण: साध्वी भाग्य भारती

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से शाहपुर स्थित अभिनंदन मैरिज पैलेस में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चतुर्थ दिवस कथा व्यास साध्वी भाग्य श्री भारती जी ने गजेंद्र प्रसंग सुनाते हुए कहा कि गजेंद्र की कहानी प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का प्रतीक है। आज का मनुष्य भी संसार में आकर भोग-विलास और रिश्ते-नातों में ही मस्त रहता है, लेकिन जब काल आक्रमण करता है, तो कोई भी साथ नहीं देता।

संसार के रिश्ते अक्सर स्वार्थ की नींव पर टिके होते हैं और ऐसे संबंध हमेशा साथ नहीं निभाते। इसलिए मनुष्य को ऐसे शाश्वत रिश्ते की तलाश करनी चाहिए, जो जीवन को मजबूत आधार और सुरक्षा प्रदान करे। साध्वी ने कहा कि संसार में पूर्ण रूप से निर्भय केवल ईश्वर है इसलिए आवश्यकता है कि मनुष्य उस परम सत्ता को जाने। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण निराकार ब्रह्म हैं, जो अधर्म, पाप और अत्याचार के बोझ तले दबी वसुंधरा की करुण पुकार सुनकर धर्म की स्थापना के लिए धरा पर अवतरित होते हैं। उन्होंने बताया कि 'अवतार' का अर्थ है नीचे उतरना। अपनी परम अवस्था से जनकल्याण के लिए धरा पर अवतरित होने वाला परम तत्व ही ईश्वर अर्थात अवतार कहलाता है।

कथा के दौरान यजमान पूजन भी किया गया। इसके उपरांत ज्योति प्रज्वलन की रस्म में विनोद अग्रवाल, नवनीत शर्मा, वीपी शर्मा, सुरेंद्र सिंह कटोच और महेंद्र सिंह ने ज्योति प्रज्वलित की। श्रद्धालुओं ने आरती में भाग लिया और प्रसाद ग्रहण किया।

पर्व रक्षाबंधन पर डीसी ने वृद्धाश्रम 'अपना घर' देओली में वरिष्ठ नागरिकों के साथ बांटी खुशियां

वरिष्ठ नागरिक समाज की अमूल्य धरोहर: राहुल कुमार

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। रक्षाबंधन के अवसर पर उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार, आईएएस ने अतिरिक्त उपायुक्त रुपिंदर कौर, आईएएस के साथ वृद्धाश्रम 'अपना घर', देओली का दौरा किया और वहां रह रहे वरिष्ठ नागरिकों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया।

वृद्धाश्रम में वर्तमान में 27 वरिष्ठ नागरिक रह रहे हैं। इसका संचालन मानव सेवा ट्रस्ट द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर उपायुक्त एवं अतिरिक्त उपायुक्त ने वरिष्ठ नागरिकों की कलाइयों पर राखियां बांधीं तथा उन्हें मिठाई और उपहार भेंट किए। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से आत्मीय संवाद कर उनके स्वास्थ्य, कुशलक्षेम और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी भी ली। डीसी ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, देखभाल, अपनत्व और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का अवसर भी है। वरिष्ठ नागरिक समाज की अमूल्य धरोहर हैं और जीवन के इस पड़ाव पर उन्हें सम्मान, सुरक्षा एवं अपनत्व प्रदान करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से अपने माता-पिता और बुजुर्गों के साथ समय बिताने तथा उनकी आवश्यकताओं को समझते हुए उन्हें सम्मान एवं सहयोग देने की अपील की।

उन्होंने वृद्धाश्रम में उपलब्ध आवास, भोजन, स्वास्थ्य देखभाल, मनोरंजन सहित अन्य सुविधाओं का जायजा लिया और मानव सेवा ट्रस्ट द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को उपलब्ध करवाई जा रही व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। इस दौरान वरिष्ठ नागरिकों को इंडोर स्पोर्ट्स किट एवं अन्य उपयोगी सामग्री भी वितरित की गई। उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जल तरंग, जोश महोत्सव एवं अन्य जिला स्तरीय आयोजनों में वृद्धाश्रम के वरिष्ठ नागरिकों को उनकी रुचि और प्रतिभा के अनुरूप सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों में भाग लेने के अवसर दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन वरिष्ठ नागरिकों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के साथ-साथ उनमें सक्रियता और आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए घोषित 500 रुपये प्रति निवासी त्योहार भत्ता भी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के माध्यम से पात्र निवासियों को उपलब्ध करवाया जा रहा है। उपायुक्त ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों को सक्रिय एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से अंतरपीढ़ी जुड़ाव कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियां और आजीविका प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं। इनमें कागज एवं जूट के बैग, मोमबत्तियां, साबुन और राखियां बनाने का प्रशिक्षण शामिल है। इन गतिविधियों का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को रचनात्मक कार्यों से जोड़ना तथा उनकी क्षमता के अनुरूप आय अर्जित करने के अवसर उपलब्ध करवाना है। उन्होंने बताया कि मानव सेवा ट्रस्ट को वृद्धाश्रम के संचालन के लिए विभाग की ओर से अनुदान प्रदान किया जा रहा है। साथ ही, सीएसआर के माध्यम से खेल, मनोरंजन, स्वास्थ्य एवं फिजियोथेरेपी से संबंधित आवश्यक उपकरण उपलब्ध करवाकर वृद्धाश्रम की सुविधाओं को और सुदृढ़ करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उपायुक्त ने लोगों से अपील की कि त्योहारों के अवसर पर वृद्धाश्रम में रह रहे वरिष्ठ नागरिकों के साथ समय बिताएं और अपनी क्षमता के अनुसार उनके साथ खुशियां साझा करें। उन्होंने कहा कि त्योहारों की वास्तविक खुशी तभी सार्थक है, जब हमारी खुशियों में वे लोग भी शामिल हों, जिन्हें स्नेह, साथ और अपनत्व की सबसे अधिक आवश्यकता है।

जिला बिलासपुर पुलिस की नशे के खिलाफ कार्रवाई जारी, दो मामलों में 158 ग्राम चिट्टा बरामद, चार काबू

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत विशेष जांच दल और पुलिस टीमों ने नाकाबंदी के दौरान दो अलग-अलग मामलों में कुल 158 ग्राम चिट्टा बरामद कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

दोनों मामलों में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है। पहला मामला—पुलिस थाना घुमारवीं: विशेष जांच दल ने बालोह-मल्यावर लिंक रोड के पास नाकाबंदी के दौरान एक वोल्वो बस की जांच की। बस में सवार दो व्यक्तियों के कब्जे से 104 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। आरोपियों की पहचान रणजीत सिंह उर्फ राणा (40), निवासी सरियाल चुंगी, तहसील पट्टी, जिला तरनतारन, पंजाब तथा अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श (22), निवासी कोट धर्मचंद कलां, जिला तरनतारन, पंजाब के रूप में हुई है। दूसरा मामला—पुलिस थाना स्वारघाट: विशेष जांच दल ने कैचीमोड़ फोरलेन फ्लाईओवर, टनल नंबर-1 के पास नाकाबंदी कर किरतपुर से मंडी-भराड़ी की ओर जा रही वोल्वो बस की जांच की। इस दौरान बस में सवार दो व्यक्तियों से 54 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया। आरोपियों की पहचान जगजीत सिंह (21) और सुखविंद्र सिंह (48), दोनों निवासी गांव डल्ल, जिला तरनतारन, पंजाब के रूप में हुई है। पुलिस दोनों मामलों में नशीले पदार्थ की आपूर्ति के स्रोत और नेटवर्क का पता लगाने के लिए बैकवर्ड लिंक की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार पिछले दो महीनों में एनडीपीएस एक्ट के तहत 67 मामले दर्ज कर 146 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान करीब 1.2 किलोग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद की गई, जबकि वर्ष के पहले छह महीनों में करीब 300 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ था। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर अभिषेक धीमान ने बताया कि नशे की पूरी सप्लाई चेन को तोड़ने के लिए बैकवर्ड लिंक जांच पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अब तक अन्य राज्यों के 15 प्रमुख सप्लायरों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

हिमकेयर योजना में बदला इलाज के खर्च का हिसाब सरकारी अस्पतालों को कम राशि की ही मिलेगी प्रतिपूर्ति

हिमकेयर मरीजों से जरूरी दवाओं व सर्जिकल सामग्री के लिए नहीं लिया जाएगा अलग शुल्क

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने हिमकेयर योजना में इलाज के खर्च की प्रतिपूर्ति के नियम बदल दिए हैं, अब सरकारी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और डेंटल कॉलेजों को हिमकेयर के तहत इलाज पर हुए वास्तविक खर्च या निर्धारित पैकेज दर में से जो राशि कम होगी, उतनी ही राशि की प्रतिपूर्ति का दावा करने की अनुमति होगी। यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है।

चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग ने 27 अगस्त को इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। नए आदेश के अनुसार सरकारी अस्पताल मरीजों को हिमकेयर के तहत नकद रहित इलाज देंगे और इलाज के लिए जरूरी दवाएं, सामान, उपभोग की वस्तुएं और सर्जिकल सामग्री उपलब्ध कराएंगे। सरकार ने नए

नियम में यह भी स्पष्ट किया है कि इलाज के लिए इस्तेमाल होने वाली ऐसी दवाएं, सामान, उपभोग की वस्तुएं और सर्जिकल सामग्री, जो पहले से सरकारी आपूर्ति में उपलब्ध हैं या राज्य सरकार अथवा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अलग बजट से उपलब्ध कराई जा रही हैं, उनके खर्च का दावा हिमकेयर के तहत नहीं किया जा सकेगा।

अस्पताल इलाज पर हुए वास्तविक खर्च और हिमकेयर साथी के पारिश्रमिक का दावा कर सकेंगे, लेकिन प्रतिपूर्ति निर्धारित पैकेज दर से अधिक नहीं होगी। यह आदेश 8 अप्रैल 2026 को जारी की गई विभाग की पिछली अधिसूचना के स्थान पर लागू किया गया है। सरकार ने कहा है कि मरीजों को इलाज के दौरान जरूरी सामग्री उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी अस्पतालों की होगी और इसके लिए मरीजों से अलग से भुगतान नहीं लिया जाएगा।

100 करोड़ से अधिक की कथित गड़बड़ी की आशंका, एसआईटी कर चुकी है पूछताछ

हिमकेयर में यह बदलाव ऐसे समय हुआ है, जब वर्तमान सुखविंद्र सिंह सुक्खू सरकार ने योजना में कथित अनियमितताओं को लेकर विजिलेंस जांच भी शुरू कर रखी है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने योजना में करीब 100 करोड़ रुप से अधिक की गड़बड़ियों और सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका जताई है। मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल बनाया गया है। विशेष जांच दल पूर्व मेडिकल सुपरिंटेंडेंट और भाजपा के एक विधायक से भी लंबी पूछताछ कर चुका है। हालांकि इन आरोपों और जांच में सामने आए तथ्यों पर अंतिम स्थिति जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

पूर्व भाजपा सरकार ने शुरू की थी हिमकेयर योजना

हिमकेयर योजना पूर्व की भाजपा सरकार के कार्यकाल में शुरू की गई थी। योजना का उद्देश्य पात्र परिवारों को अस्पताल में इलाज के दौरान आर्थिक सहायता और नकद रहित उपचार की सुविधा देना है। अब सुक्खू सरकार ने योजना के तहत सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में होने वाले खर्च और उसकी प्रतिपूर्ति की प्रक्रिया को लेकर नई व्यवस्था की है।

तकनीकी शिक्षा मंत्री आज व कल घुमारवीं के प्रवास पर

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी 29 और 30 अगस्त को घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर रहेंगे। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि राजेश धर्माणी 29 अगस्त को सुबह 11 बजे राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला महराणा में घुमारवीं ब्लॉक-एक की ब्लॉक स्तरीय अंडर-14 छात्र वर्ग की खेलकूद प्रतियोगिता के शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे। इसके बाद दोपहर 2 बजे लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह भराड़ी में विभिन्न पंचायतों के बीपीएल परिवारों के साथ संवाद करेंगे। 30 अगस्त को सुबह 11 बजे सिद्ध बाबा बालक नाथ मंदिर, क्यारी में तथा दोपहर 2 बजे ग्राम पंचायत बकरोआ स्थित भगेड़ में विभिन्न पंचायतों के बीपीएल परिवारों के साथ संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे।

शिमला में टैक्सी ऑपरेटरों का अनशन खत्म

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में व्यावसायिक वाहनों के परमिट की अवधि 12 से बढ़ाकर 15 साल करने की मांग को लेकर शिमला के चौड़ा मैदान में चल रहा टैक्सी ऑपरेटरों का आंदोलन शुक्रवार को समाप्त हो गया। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने धरनास्थल पर पहुंचकर आमरण अनशन पर बैठे ऑपरेटरों से बातचीत की और उनकी मांगों को सुना। मांगों पर हरसंभव पैरवी का भरोसा देने के बाद उन्होंने ऑपरेटरों को जूस पिलाकर अनशन समाप्त करवाया।

जयराम ठाकुर ने कहा कि टैक्सी ऑपरेटरों की परमिट अवधि बढ़ाने का मामला केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के सामने उठाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उनकी गुरुवार शाम नितिन गडकरी से फोन पर बातचीत हुई है। जयराम ठाकुर के अनुसार केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश से संबंधित कोई फाइल उनके पास आती है तो उस पर एक घंटे के भीतर उचित निर्णय किया जाएगा। जयराम ठाकुर से बातचीत के बाद टैक्सी ऑपरेटरों ने आंदोलन समाप्त करने पर सहमति जताई। टैक्सी-मैक्सी ऑपरेटर

◆ जयराम ठाकुर ने जूस पिलाकर तुड़वाया

एसोसिएशन मनाली के अध्यक्ष अभी ठाकुर ने कहा कि उनकी मुख्य मांग व्यावसायिक वाहनों के परमिट की अवधि 12 साल से बढ़ाकर 15 साल करना है। ऑपरेटरों का कहना है कि पहाड़ी क्षेत्रों में चलने वाले कई वाहन 12 साल पूरे होने के बाद भी फिट होते हैं। कई वाहनों का उपयोग भी अपेक्षाकृत कम हुआ होता है। मौजूदा नियमों के कारण परमिट अवधि पूरी होने के बाद ऐसे वाहनों को सड़क पर चलाने की अनुमति नहीं मिलती। इससे वाहन मालिकों के सामने आर्थिक संकट पैदा हो जाता है। उनका कहना है कि कई लोगों ने वाहन खरीदने में लाखों रुपये लगाए हैं और परिवार की आय इसी कारोबार पर निर्भर है। ऑपरेटरों की मांग है कि वाहन की उम्र के साथ उसकी फिटनेस को भी महत्व दिया जाए। यदि कोई व्यावसायिक वाहन निर्धारित फिटनेस मानकों पर खरा उतरता है तो उसे परमिट अवधि पूरी होने के बाद भी चलाने की अनुमति देने पर विचार किया जाना चाहिए।

जयराम ठाकुर ने कहा कि उन्होंने विधानसभा के मानसून सत्र में भी टैक्सी ऑपरेटरों की इस मांग को सरकार के सामने उठाया है। उन्होंने कहा कि यह केवल टैक्सी कारोबार से जुड़ा मामला नहीं है, इससे हजारों परिवारों की आजीविका जुड़ी है। सरकार को वाहन मालिकों की व्यावहारिक दिक्कतों को देखते हुए इस मामले में सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए। ऑपरेटरों ने टैक्सी वाहनों के साथ बस, ट्रक, ऑटो, मालवाहक और अन्य व्यावसायिक वाहनों के परमिट से जुड़े नियमों में बदलाव की भी मांग की है। उनका कहना है कि अन्य राज्यों में निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद फिटनेस के आधार पर वाहनों को चलाने की अनुमति देने की व्यवस्था है। हिमाचल में भी ऐसी व्यवस्था लागू करने पर विचार किया जाना चाहिए। ऑपरेटरों का कहना है कि पहाड़ी राज्य में नया वाहन खरीदना आसान नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

चुनावी वादे पूरे करने में विफल रही कांग्रेस सरकार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। भारतीय जनता पार्टी बिलासपुर के जिला अध्यक्ष कृष्ण लाल चंदेल ने कहा कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के दौरान हिमाचल प्रदेश की जनता से बड़े-बड़े वादे व चुनावी गारंटियां देकर सत्ता हासिल की थी, लेकिन सरकार बनने के बाद इन गारंटियों को पूरा करने के बजाय जनता को गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अपने चुनावी वादों को पूरा करने में पूरी तरह विफल रही है। इसके विरोध में जिला भाजपा की ओर से 29 अगस्त को बिलासपुर में कांग्रेस सरकार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और आम जनता से इस प्रदर्शन में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

रक्षाबंधन पर प्रो. प्रेम कुमार धूमल व अनुराग ठाकुर ने प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल एवं सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने हिमाचल प्रदेशवासियों तथा हमीरपुर की जनता को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह, विश्वास, अपनत्व और सुरक्षा के संकल्प का पवित्र पर्व है, जो भारतीय संस्कृति में पारिवारिक एवं सामाजिक मूल्यों को और मजबूत करता है। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना करते हुए कहा कि यह पर्व सभी के जीवन में प्रेम, सौहार्द और आपसी भाईचारे की भावना को और प्रगाढ़ करे। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और रिश्तों की गरिमा का प्रतीक है। यह पर्व हमें एक-दूसरे के प्रति सम्मान, जिम्मेदारी और सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे इस पावन अवसर पर समाज में प्रेम, सद्भाव और एकजुटता की भावना को मजबूत करने का संकल्प लें।

ब्रह्मकुमारियों ने विधायक आशीष शर्मा को बांधा पवित्र रक्षा सूत्र, आवास पर भी अनेक बहनों ने बांधी राखी

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हमीरपुर के विधायक आशीष शर्मा ने भी रक्षाबंधन का पर्व श्रद्धा एवं आत्मीयता के साथ मनाया। इस अवसर पर ब्रह्मकुमारी बहनों ने उनके साथ रक्षाबंधन का पावन पर्व मनाते हुए उन्हें रक्षा सूत्र बांधा और उनके सुखद एवं स्वस्थ जीवन की मंगलकामना की। विधायक आशीष शर्मा ने ब्रह्मकुमारी बहनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए रक्षाबंधन के इस पवित्र बंधन को भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी का प्रतीक बताया। इसके अलावा अनेक बहनों ने उनके निवास पर पहुंचकर उन्हें राखी बांधी और रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

72 घंटे से 200 फुट ऊंचे टावर पर डटे दो बुजुर्ग 79 विस्थापित परिवारों के हक की लड़ रहे जंग

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पठानकोट जिले के शाहपुरकंडी में 'बैराज औसती संघर्ष कमेटी जैनी' से जुड़े दो बुजुर्गों का 200 फुट ऊंचे हाई-वोल्टेज टावर पर चल रहा विरोध प्रदर्शन 72 घंटे से अधिक समय बीतने के बाद गंभीर स्थिति में पहुंच गया है। 85 वर्षीय शर्म सिंह और 81 वर्षीय कुलविंदर सिंह मंगलवार सुबह करीब 10 बजे टावर पर चढ़े थे। लगातार बारिश, तेज धूप, खाने-पानी की कमी और बढ़ती उम्र के कारण दोनों की तबीयत बिगड़ने की बात सामने आई है।

कमेटी के प्रधान दयाल सिंह ने बताया कि दोनों बुजुर्ग अपनी मांगों को लेकर टावर से नीचे उतरने से इनकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि पहले नियमों के विपरीत नियुक्त किए गए 32 कर्मचारियों को हटाकर उनके स्थान पर 79 विस्थापित परिवारों के आश्रितों को नियुक्ति पत्र दिए जाएं। इसके बाद ही दोनों बुजुर्ग

टावर से नीचे उतरेंगे। दयाल सिंह ने चेतावनी दी कि यदि दोनों बुजुर्गों में से किसी को कोई नुकसान पहुंचता है तो इसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन और बांध प्रशासन की होगी। उन्होंने बताया कि अधिकारी बुजुर्गों को नीचे उतारकर कार्यालय में बैठक करने की बात कह रहे हैं, लेकिन प्रदर्शनकारी पहले अपनी मांग पूरी करने पर अड़े हैं। उन्होंने बताया कि दोनों बुजुर्ग पहले भी करीब 13 बार टावरों या ओवरहेड टंकियों पर चढ़कर विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं। इस बार कमेटी और परिवारों ने उन्हें ऐसा कदम न उठाने के लिए समझाया था, लेकिन वे नहीं माने। मंगलवार सुबह दोनों अपने-अपने घरों से साइकिल पर निकले और टावर पर चढ़ गए। कमेटी प्रधान के अनुसार गांव जैनी जुगियाल के 79 विस्थापित परिवारों में 200 से अधिक मतदाता हैं।

उनका आरोप है कि चुनाव के दौरान नेता परिवारों से समस्या हल करने के वादे करते हैं, लेकिन अब तक न तो कथित रूप से नियमों के विपरीत नियुक्त 32 कर्मचारियों पर कार्रवाई हुई और न ही विस्थापित परिवारों के किसी आश्रित को नौकरी मिली। उन्होंने कहा कि मांग पूरी नहीं हुई तो आगामी चुनाव में सभी राजनीतिक दलों का बहिष्कार किया जाएगा। उधर, बांध प्रशासन के सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर कुलविंदर सिंह ने कहा कि बैराज औसती संघर्ष कमेटी जैनी को बैठक का प्रस्ताव दिया गया है। उन्होंने कहा कि समस्या का समाधान बातचीत से ही संभव है। प्रशासन की ओर से मौके पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

लापता बालिका को पुलिस ने किया सुरक्षित बरामद, परिजनों को सौंपा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले के रामपुर क्षेत्र से लापता हुई एक बालिका को पुलिस ने कुल्लू जिले के आनी तहसील के टांडी से सुरक्षित बरामद कर लिया है। बालिका के लापता होने की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की थी। पुलिस के अनुसार बालिका के लापता होने की सूचना मिलने के बाद उसकी तलाश के लिए लगातार प्रयास किए गए। पुलिस टीम ने विभिन्न स्थानों पर खोजबीन की और उपलब्ध जानकारी के आधार पर बालिका की तलाश जारी रखी। पुलिस के प्रयासों के बाद बालिका को टांडी, तहसील आनी, जिला कुल्लू से सुरक्षित बरामद कर लिया गया। पुलिस की जांच में सामने आया कि बालिका घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। पुलिस ने बालिका को बरामद करने के बाद आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कीं और उसे सुरक्षित रूप से उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने बताया कि मामले में कानून के तहत आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

मंडी की पेयजल व सीवरेज व्यवस्था होगी हाईटेक : उपमुख्यमंत्री मुकेश

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध करवाने तथा जलापूर्ति व्यवस्था को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए आधुनिक तकनीक को बढ़ावा दे रही है।

मंडी शहर की पेयजल और सीवरेज व्यवस्था को हाईटेक बनाने के लिए जल शक्ति विभाग सितंबर में हिम जलदूत मंडी मोबाइल ऐप शुरू करेगा। इससे नगर निगम मंडी के 13 वार्डों के करीब 10,900 उपभोक्ता डिजिटल रूप से जुड़ेंगे। मंडी के सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों से योजनाओं की जानकारी लेते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐप के माध्यम से पानी की आपूर्ति, गुणवत्ता, लीकेज, सीवरेज और शिकायतों से जुड़ी सुविधाएं एक ही मंच पर उपलब्ध होंगी। उपभोक्ता पानी में क्लोरीन की मात्रा, पीएच मान और धुंधलेपन की स्थिति का सीधा विवरण देख सकेंगे। पानी की आपूर्ति का समय और वर्तमान स्थिति की जानकारी भी मोबाइल संदेश के माध्यम से मिलेगी। पाइपलाइन टूटने, लीकेज अथवा सीवरेज की समस्या पर फोटो और स्थान की जानकारी के साथ शिकायत दर्ज की जा सकेगी। शिकायत के निवारण की स्थिति भी उपभोक्ता देख सकेंगे। ऐप के माध्यम से जल रक्षकों और पानी के प्रवाह नियंत्रित करने वाले वाल्व की ऑनलाइन निगरानी होगी। जल रक्षक निर्धारित स्थान पर पहुंचने के बाद ही पानी की आपूर्ति शुरू कर सकेगा। विभाग के अनुसार मंडी शहर के प्रमुख जल स्रोत ढांगसीधार और कांगनीधार को भी इस व्यवस्था से जोड़ा गया है।

भाखड़ा विस्थापित छह दशकों से झेल रहे विस्थापन का दर्द : त्रिलोक जम्वाल

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर सदर के विधायक त्रिलोक जम्वाल ने जलविद्युत परियोजनाओं से विस्थापित और प्रभावित परिवारों के हितों की रक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। विधानसभा में जलविद्युत परियोजनाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि देश की पहली बड़ी जलविद्युत परियोजना भाखड़ा बांध के कारण विस्थापित हुए लोग छह दशक से अधिक समय बीतने के बाद भी विस्थापन का दर्द झेल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पुनर्वास नीति वर्ष 1971 में बनाई गई थी, लेकिन पात्र परिवारों की सूची आज तक पूरी नहीं हो पाई है। भाखड़ा विस्थापित बहुल बिलासपुर शहर आज भी लीज पर है, जिसके कारण लोगों को अपने प्लॉटों का मालिकाना हक नहीं मिल पाया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित में भाखड़ा विस्थापितों के त्याग को देखते हुए उन्हें न्याय मिलना जरूरी है। त्रिलोक जम्वाल ने कहा कि 1325 मेगावाट क्षमता वाला भाखड़ा बांध वर्ष 1962 में तैयार हुआ था। गोबिंद सागर झील बनने से बिलासपुर शहर सहित सैकड़ों गांव जलमग्न हुए और लोगों को पंजाब, हरियाणा व राजस्थान में जमीनें दी गईं। नए बिलासपुर में कई परिवारों को केवल 3-4 बिस्वे के प्लॉट मिले, जबकि समय के साथ परिवारों की संख्या बढ़ गई है। उन्होंने बीबीएमबी की ओर से गोविंद सागर के अधिकतम जलस्तर से ऊपर बुर्जियां लगाने का मुद्दा भी उठाया। कोलडैम परियोजना से प्रभावित परिवारों की समस्याओं के समाधान के साथ उन्होंने सीएसआर और लाडा की राशि स्थानीय विकास तथा विस्थापितों के कल्याण पर खर्च करने की मांग की। उन्होंने भाखड़ा और कोलडैम आधारित पेयजल एवं सिंचाई योजनाओं के लंबित कार्य जल्द पूरा करने की भी मांग की।

30 को घुमारवीं कॉलेज में पीटीए की वार्षिक आम सभा

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए पीटीए (अभिभावक-शिक्षक संघ) की वार्षिक आम सभा 30 अगस्त को सुबह 10:30 बजे महाविद्यालय परिसर में आयोजित की जाएगी। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. प्रीतम लाल ने कहा कि संस्थान के समग्र विकास और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य में पीटीए की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विद्यार्थियों से बैठक की सूचना अपने अभिभावकों तक पहुंचाने और उनकी शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने का आग्रह किया। प्रशासन के अनुसार बैठक में केवल वही माता-पिता अथवा रक्त संबंधी अभिभावक शामिल हो सकेंगे, जिन्होंने पीटीए नामांकन फॉर्म भरकर उस पर अपनी तस्वीर लगाई है। सुरक्षा एवं सत्यापन के लिए अभिभावकों को विद्यार्थी का कॉलेज आईडी कार्ड तथा तस्वीर लगे पीटीए नामांकन फॉर्म की प्रति साथ लानी होगी। फॉर्म विद्यार्थी स्टूडेंट आईडी से लॉग इन कर निकाल सकते हैं।

पठानकोट में अंतरराज्यीय स्नेचर और वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, पांच आरोपी काबू

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पठानकोट शहर और आसपास के क्षेत्रों में झपटमारी तथा वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह का जिला पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से सोने के आभूषण और चार चोरीशुदा मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने सात अन्य झपटमारी और चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात कबूल की है।

एसपी पठानकोट जगदीश राज अत्री ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ध्रुव महाजन निवासी प्रेम नगर सैनगढ़, अभिषेक भट्टी उर्फ बड़ा सैम निवासी सुंदर नगर, अमन सहोता उर्फ मोला निवासी सुंदर नगर, शरद शर्मा उर्फ मैंगो निवासी सुंदर नगर तथा जसवंत उर्फ मोंटी निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, पठानकोट के रूप में हुई है। इनमें चार आरोपी झपटमारी और चोरी की वारदातों को अंजाम देते

थे, जबकि जसवंत उर्फ मोंटी ने चोरी का सोना खरीदा था। पुलिस के अनुसार 18 अगस्त को गीता भवन रोड, गुरदासपुर निवासी पवन कुमार की मोटरसाइकिल सीआईए चौक स्थित बंद पेट्रोल पंप से चोरी हो गई थी। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने ध्रुव महाजन, अभिषेक भट्टी उर्फ सैम और अमन सहोता उर्फ मोला को 23 अगस्त को गिरफ्तार किया। इसके बाद 24 अगस्त को 12 अगस्त को हुई झपटमारी की वारदात की पीड़िता महिंदरो देवी से आरोपियों की पहचान करवाई गई। पीड़िता ने अभिषेक भट्टी उर्फ सैम की पहचान की। पूछताछ में उसने अपने अन्य साथियों के नाम बताए, जिसके बाद शरद शर्मा उर्फ मैंगो और चोरी का सोना खरीदने वाले जसवंत उर्फ मोंटी को 25 अगस्त को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चार मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। इनमें सीआईए चौक से चोरी माधोपुर से चोरी स्प्लेंडर बाइक, पीर बाबा चौक से चोरी Hero Honda CD-Delu&e तथा टैंक चौक से चोरी हीरो होंडा डीलक्स शामिल हैं। इसके अलावा छीनी गई सोने की बाली भी बरामद की गई है। एसपी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। सभी आरोपी पुलिस रिमांड पर हैं और उनसे पूछताछ जारी है। पुलिस को अन्य वारदातों के संबंध में भी महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है।

राहत बिलासपुर के 1,500 मछुआरा परिवारों को मिली करीब 53 लाख रुपए की आर्थिक मदद

मछुआरा सम्मान निधि बनी ऑफ सीजन में परिवारों का सहारा

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश में जलाशयों पर आश्रित हजारों मछुआरा परिवारों के लिए 15 जून से 15 अगस्त तक की मत्स्य आखेट प्रतिबंधित अवधि (ऑफ सीजन) आर्थिक चुनौती का समय होती है। मछलियों के संरक्षण और प्रजनन को ध्यान में रखते हुए इस अवधि में मछली पकड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध रहता है। ऐसे में मत्स्य आखेट पर निर्भर परिवारों के सामने दो माह तक आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं रहता। मछुआरा परिवारों की इस परेशानी को समझते हुए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने मछुआरा सम्मान निधि योजना शुरू की है।

योजना के तहत ऑफ सीजन के दौरान प्रत्येक पात्र मछुआरा परिवार को 3,500 रुपए की सम्मान राहत राशि प्रदान की जा रही है। यह सहायता राशि प्रतिबंधित अवधि में परिवारों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में सहायक बन रही है। प्रदेश के हजारों मछुआरा परिवारों

को इसका लाभ मिला है। अकेले बिलासपुर जिले के 1,500 मछुआरा परिवारों को 52 लाख रुपए से अधिक की धनराशि उपलब्ध करवाई गई है।

गोबिंद सागर झील सहित अन्य जलाशयों पर निर्भर मछुआरा समुदाय के लिए यह योजना आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार बनकर उभरी है। मछुआरा सम्मान निधि योजना आर्थिक सहायता के साथ-साथ मछुआरों के श्रम और योगदान के सम्मान का प्रतीक भी बन रही है। झंडूता विकास खंड की दाड़ी-भाड़ी मत्स्य सोसायटी के विक्रेता गुरदास ने बताया कि वह पिछले 40 से 45 वर्षों से मछली पकड़ने का कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार की इस योजना से ऑफ सीजन के दौरान परिवार की रोजी-रोटी की चिंता काफी हद तक कम हुई है। उन्होंने रॉयल्टी दर को 15 प्रतिशत से घटाकर 1 प्रतिशत करने को भी मछुआरों के हित में ऐतिहासिक कदम बताया। स्वारघाट विकास खंड की ज्योर मत्स्य सोसायटी से जुड़े चेत राम ने बताया कि वह वर्ष 1978 से गोविंद सागर झील में मछली पकड़ने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने 3,500 रुपए की सम्मान निधि और रॉयल्टी दर घटाकर एक प्रतिशत करने के लिए प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया। बलघाड़ मछुआरा सोसायटी के सदस्य देश राज और बाबू राम राणा ने कहा कि प्रतिबंधित सीजन में आय पूरी तरह बंद हो जाती है। ऐसे समय में 3,500 रुपए की सहायता राशि गरीब मछुआरा परिवारों के लिए महत्वपूर्ण राहत है। सदर विकास खंड के गांव क्यारियां निवासी कृष्ण लाल ने भी योजना को मछुआरों के हित में सराहनीय कदम बताया। प्रदेश में मत्स्य पालन रोजगार के साथ-साथ जलाशय क्षेत्रों की स्थानीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। सरकार की इस पहल से मछुआरा परिवारों को कठिन समय में आर्थिक सहारा मिलने के साथ सामाजिक सुरक्षा की भावना भी मजबूत हुई है।

प्रदेश में भारी बारिश से होगा सितंबर का आगाज, तीन सितंबर तक येलो अलर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से कछ कमजोर पड़ा मानसून आने वाले दिनों में फिर सक्रिय हो सकता है। मौसम विभाग ने राज्य में 31 अगस्त से तीन सितंबर तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताई है। इन चार दिनों के दौरान कुछ हिस्सों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। ऐसे में सितंबर महीने की शुरुआत प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में तेज बारिश के साथ होने की संभावना है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 29 और 30 अगस्त को भी राज्य में मौसम खराब रह सकता है और कई स्थानों पर बारिश होने की संभावना है। हालांकि, इन दोनों दिनों के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। 31 अगस्त और एक सितंबर को कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। दो और तीन सितंबर को भी अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। विभाग के अनुसार इस दौरान बारिश की गतिविधि बढ़ सकती है। बीते 24 घंटों के दौरान भी प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश हुई। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार सिरमौर जिले के नाहन में सबसे अधिक 51 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। बिलासपुर के बरठीं में 34.8 मिलीमीटर, सिरमौर के धौलाकुआं स्वचालित मौसम केंद्र में 34.5 मिलीमीटर, कांगड़ा के धर्मशाला में 28.3 मिलीमीटर और बिलासपुर के नैना देवी में 28.2 मिलीमीटर बारिश हुई। कांगड़ा के गुलेर में 20.1 मिलीमीटर, बिलासपुर के आरएल बीबीएमबी में 18.6 मिलीमीटर और ऊना के रायपुर मैदान में 17 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इस दौरान प्रदेश में कहीं बर्फबारी, कोहरा, आंधी या ओलावृष्टि दर्ज नहीं हुई। बिजली गिरने की घटना भी दर्ज नहीं की गई। अधिकतम तापमान के आधार पर किसी भी क्षेत्र में लू की स्थिति नहीं रही। शुक्रवार को राजधानी शिमला में भी सुबह से बादल छाए रहे। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों में बादल छाने और बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। मानसून की गतिविधि बढ़ने पर पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन और सड़कों के प्रभावित होने का खतरा भी बढ़ सकता है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार शुक्रवार सुबह तक प्रदेश में भूस्खलन के कारण 68 सड़कें बंद थीं। इनमें मंडी जिले में सबसे अधिक 28 और कुल्लू जिले में 16 सड़कें अवरुद्ध रहीं। इसके अलावा 16 बिजली ट्रांसफार्मर भी बंद थे और एक पेयजल योजना प्रभावित रही। मंडी जिले में छह, सिरमौर में पांच और चंबा जिले में चार बिजली ट्रांसफार्मर बंद थे।

247 लोगों की मौत, 1,183 करोड़ का नुकसान

राज्य में इस मानसून सीजन के दौरान बारिश और इससे जुड़ी घटनाओं से नुकसान लगातार बढ़ा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के आंकड़ों के अनुसार 30 जून से अब तक ऐसी घटनाओं में 247 लोगों की मौत हुई है और 396 लोग घायल हुए हैं। इस अवधि में 96 मकान, 17 दुकानें और 377 पशुशालाएं पूरी तरह नष्ट हुई हैं। 429 मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। मानसून के कारण प्रदेश में अब तक करीब 1,183 करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान आंका गया है। मौसम विभाग की ओर से आने वाले दिनों में बारिश बढ़ने के पूर्वानुमान के बीच प्रशासन और लोगों के लिए भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में विशेष सावधानी बरतना जरूरी होगा।

मॉडल से कम नहीं याना एगोरियन

रूस। याना एगोरियन रूस की प्रसिद्ध तलवारबाज हैं और दो बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं। उन्होंने कम उम्र में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित की। उनकी तेज तकनीक, शानदार कौशल और आत्मविश्वास ने उन्हें विश्व की शीर्ष तलवारबाजों में पहचान दिलाई।

एशियन गेम्स में क्रिकेट की बी टीमें भेज सकता है भारत

जापान में मिलने वाली सुविधाओं से संतुष्ट नहीं बीसीसीआई

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत जापान में होने वाले एशियन गेम्स में क्रिकेट की 'बी टीमें' भेज सकता है। बोर्ड के सूत्रों के अनुसार बीसीसीआई जापान में मिलने वाली सुविधाओं से संतुष्ट नहीं है। एशियन गेम्स में क्रिकेट के मुकाबले 17 सितंबर से 3 अक्तूबर के बीच खेले जाएंगे। खबर है कि टीम जिस होटल में ठहरने वाली है, उसके कमरे बेहद छोटे हैं। उसमें किट बैग रखने तक की पर्याप्त जगह नहीं है। भारत टूर्नामेंट के लिए मेंस और विमेंस दोनों टीमें घोषित कर चुका है। अब इनमें बदलाव पर विचार किया जा रहा है।

क्रिकेट एशियन गेम्स में चौथी बार शामिल किया गया है। ग्वांगझू 2010 एशियन गेम्स में क्रिकेट पहली बार शामिल हुआ था। इंचियोन गेम्स 2014 में यह शामिल रहा। हालांकि, इन मैचों को अंतरराष्ट्रीय दर्जा नहीं दिया गया था। 2018 में गेम्स की लिस्ट से क्रिकेट बाहर कर दिया गया। चीन के हांगझोऊ गेम्स 2022 में इसकी वापसी हुई और भारत विजेता बना। 2026 में क्रिकेट चौथी बार इस गेम्स का हिस्सा होगा।

एशियन गेम्स में चौथी बार शामिल किया क्रिकेट

एसीसी ने जांच के लिए टेक्निकल टीम बनाई

सुविधाओं और पिच की गुणवत्ता को लेकर उठे सवालों के बाद एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) ने एक टेक्निकल टीम जापान भेजने का फैसला किया है। यह टीम मैदान, प्रैक्टिस नेट्स और होटल की व्यवस्थाओं का जायजा लेगी।

बीसीसीआई की नाराजगी की वजहें

होटल के छोटे रूम : रिपोर्ट्स के अनुसार, खिलाड़ियों के ठहरने के लिए जो होटल के कमरे दिए जा रहे हैं, वे बेहद छोटे हैं। बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि कमरे इतने तंग हैं कि अगर दो खिलाड़ी अपना भारी-भरकम किट बैग खोल लें तो चलने या खड़े होने तक की जगह नहीं बचती।

स्टेडियम 20 किमी दूर: इस बार एशियन गेम्स में खिलाड़ियों के लिए कोई अलग एथलीट विलेज नहीं बनाया गया है। स्टेडियम के पास के फाइव स्टार होटल पहले से बुक होने के कारण क्रिकेटर्स को 20 किलोमीटर दूर ठहराया जा रहा है। इससे लंबे ट्रैवल टाइम की समस्या खड़ी हो रही है।

क्रिकेट पिच अनटेस्टेड : मैचों के लिए 'कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क' को सिलेक्ट किया गया है, जो पहले बेसबॉल स्टेडियम था। इसे हाल ही में क्रिकेट स्टेडियम में बदला गया है। पिच और आउटफील्ड अब तक इंटरनेशनल लेवल पर सही तरीके से टेस्ट नहीं हुई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी इस पर चिंता जताई है।

ड्रेसिंग रूम टेंट में, वॉशरूम 500 मीटर दूर: ड्रेसिंग रूम पक्के मकान की बजाय तंबुओं में बनाए गए हैं। यहां से वॉशरूम 500 मीटर दूर है, जिससे खिलाड़ियों को असुविधा हो रही है। बीसीसीआई इस कारण नाराज है।

आर प्रज्ञानानंदा ग्रैंड चेस टूर जीतने वाले पहले भारतीय

एजेंसी, सेंट लुइस

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने 2026 ग्रैंड चेस टूर का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। वे जीसीटी का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। सेंट लुइस में खेले गए फाइनल में प्रज्ञानानंदा ने अमेरिका के ग्रैंडमास्टर फैबियानो

कारूआना को 15-13 से हराया 1.91 करोड़ की प्राइज मनी जीती

कारूआना को 15–13 से हराया। इस जीत के साथ प्रज्ञानानंदा ने 2 लाख डॉलर (लगभग 1.91 करोड़ रुपए) की प्राइज मनी अपने नाम की।

तीसरे स्थान के लिए खेले गए मैच में अमेरिका के ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो ने जर्मनी के विंसेंट कीमर को 18–12 के अंतर से हराया। रैपिड सेक्शन में दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबरी का मुकाबला रहा, लेकिन वेस्ली सो ने लगातार चारों ब्लिट्ज गेम्स जीतकर एक मैच शेष रहते ही जीत तय कर ली।

6 अंक पीछे रहने के बाद प्रज्ञानानंदा ने की वापसी

फाइनल मुकाबले के आखिरी दिन की शुरुआत में प्रज्ञानानंदा कारूआना से 6 पॉइंट पीछे चल रहे थे। हालांकि, उन्होंने दिन की शुरुआत में ही दोनों रैपिड गेम्स जीतकर अपनी स्थिति मजबूत की और स्कोर में बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद हुए ब्लिट्ज मैचों में दोनों खिलाड़ियों का प्रदर्शन बराबरी का रहा, जिससे प्रज्ञानानंदा ने 2 पॉइंट की बढ़त बनाए रखी और 15-13 के अंतिम स्कोर के साथ पहली बार ग्रैंड चेस टूर का खिताब अपने नाम किया।

2027 ग्रैंड चेस टूर के लिए टॉप 3 खिलाड़ी क्वालिफाई

इस टूर्नामेंट के फाइनल नतीजों के साथ ही अगले सीजन यानी 2027 ग्रैंड चेस टूर के लिए टॉप 3 खिलाड़ियों ने डायरेक्ट क्वालिफाई कर लिया है। इन 3 खिलाड़ियों में चैंपियन प्रज्ञानानंदा, रनर-अप फैबियानो कारूआना और तीसरे स्थान पर रहने वाले वेस्ली सो शामिल हैं। टूर्नामेंट सिंगल-एलिमिनेशन नॉकआउट फॉर्मेट में खेला गया, जिसमें चार खिलाड़ियों फैबियानो कारूआना, वेस्ली सो, विंसेंट कीमर और प्रज्ञानानंदा ने हिस्सा लिया।

न्यूज शॉर्ट्स

नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने 2026 डायमंड लीग के फाइनल में जगह बना ली है। सीजन का फाइनल 4 और 5 सितंबर को ब्रसेल्स में आयोजित होगा। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज ने इस सत्र में डायमंड लीग के दो चरणों में हिस्सा लिया। उन्होंने 19 जून को दोहा चरण में 85.69 मीटर के प्रयास के साथ चौथा स्थान हासिल किया था। इसके बाद 21 अगस्त को लॉजेन चरण में 88.05 मीटर का सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। नीरज 27 अगस्त को ज्यूरिख चरण में नहीं उतरे, जहां पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा भी कार्यक्रम में शामिल थी। हालांकि, लॉजेन में उनके प्रदर्शन ने फाइनल में जगह पक्की करने के लिए पर्याप्त अंक दिलाए। नीरज ने इस सत्र में ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में भी 85.83 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। ब्रसेल्स में होने वाले फाइनल से पहले श्रीलंका के रुमेश थारंगा पाथिरागे भाला फेंक की अंक तालिका में शीर्ष पर हैं। उन्होंने ज्यूरिख चरण में 92.07 मीटर के शानदार प्रयास के साथ जीत दर्ज की।

गृहमंत्री अमित शाह ने राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारी का लिया जायजा

एजेंसी, अहमदाबाद। गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में समीक्षा बैठक में भारत की 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों का जायजा लिया और देश की 2036 ओलंपिक बोली पर भी चर्चा की। इस बैठक में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी उपस्थित थे। शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, मोदी सरकार अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी करके भारत को वैश्विक खेल स्थल के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। अहमदाबाद में 2036 में होने वाले ओलंपिक के लिए भारत की बोली के साथ-साथ 2029 में होने वाले पुलिस और अग्निशमन खेलों और 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की तैयारियों पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। खेलों में सुरक्षा व्यवस्था और 'लॉजिस्टिक' से जुड़े मामलों में गृह मंत्रालय की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। भारत 2010 के बाद अहमदाबाद में 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। इसके अलावा वह 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी की दौड़ में भी शामिल है।

भारत के वी. सेंथिलकुमार बुडापेस्ट ओपन स्क्वाश फाइनल में पहुंचे

एजेंसी, बुडापेस्ट। भारत के वेलावन सेंथिलकुमार ने सेमीफाइनल मुकाबले में अपने हमवतन वीर चोटरानी को हराकर हंगरी की राजधानी में चल रहे 43,500 अमेरिकी डॉलर के पीएसए कॉपर टूर्नामेंट बुडापेस्ट ओपन स्क्वाश के फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में सेंथिलकुमार का मुकाबला स्थानीय खिलाड़ी बालाज फरकास से होगा। विश्व रैंकिंग में 54वें स्थान पर काबिज और यहां आठवीं वरीयता प्राप्त सेंथिलकुमार ने तीसरी वरीयता प्राप्त चोटरानी को 9-11, 11-8, 11-7, 1-11, 12-10 से हराकर अपने 15वें पीएसए टूर फाइनल में जगह बनाई। सेंथिलकुमार ने क्वार्टरफाइनल में मलेशिया के विश्व के नंबर 18 और शीर्ष वरीयता प्राप्त ईन यो एनजी को 11-2, 11-9, 11-8 से हराया था। यह टूर पर सेंथिलकुमार और फरकास की तीसरी भिड़ंत होगी। हंगरी के खिलाड़ी 2019 में हुए मुकाबले में जीत हासिल की थी जबकि भारतीय खिलाड़ी ने 2024 में जीत दर्ज की थी।

प्रणवी उर्स की केपीएमजी महिला आयरिश ओपन में शानदार शुरुआत

एजेंसी, स्ट्राफन। प्रणवी उर्स ने केपीएमजी महिला आयरिश ओपन में शानदार शुरुआत करते हुए तीन अंडर 69 का स्कोर बनाया लेकिन अन्य भारतीय खिलाड़ियों दीक्षा डागर, अवनी प्रशांत और त्वेसा मलिक पर कट से चूकने का खतरा मंडरा रहा है। प्रणवी ने 10वें होल से शुरुआत की। उन्होंने 10वें, 16वें और 17वें होल पर बर्डी बनाई और फिर पहले होल पर एक और बर्डी जोड़ी। उन्होंने प्रणवी ने आठवें होल पर अपना एकमात्र शॉट गंवाया। वर्तमान में एलईटी रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज दीक्षा और त्वेसा दोनों ने 74 का स्कोर बनाया और वे संयुक्त 69वें स्थान पर हैं। कट में जगह बनाने के लिए उन्हें दूसरे राउंड में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी अवनी प्रशांत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्होंने सात ओवर में 79 का स्कोर बनाया। उनके लिए कट में जगह बना पाना बहुत मुश्किल होगा।

डायमंड लीग में मसाई रसेल और एलिसन डॉस ने बनाए विश्व रिकॉर्ड

एजेंसी, ज्यूरिख। एलिसन डॉस सैंटोस और मसाई रसेल ने यहां डायमंड लीग प्रतियोगिता में क्रमशः पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ और महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में नए विश्व रिकॉर्ड बनाए। डोस सैंटोस ने गुरुवार रात 400 मीटर बाधा दौड़ पूरी करने के बाद आश्चर्य से घड़ी की ओर देखा। उन्होंने तुरंत अपना दाहिना हाथ हिलाना शुरू कर दिया। उन्होंने 45.80 सेकंड का समय लेकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। इसके लगभग 40 मिनट बाद रसेल ने ट्रैक पर धूम मचाई। उन्होंने 100 मीटर बाधा दौड़ में अपने शानदार प्रदर्शन को अपने दाहिने हाथ की तर्जनी उंगली ऊपर उठाकर यादगार बना दिया। रसेल ने 12.09 सेकंड का समय लेकर विश्व रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज किया। अमेरिका की ओलंपिक चैंपियन रसेल ने टोबी अमुसन द्वारा बनाए गए पिछले विश्व रिकॉर्ड को 0.03 सेकंड से तोड़ा।

इमरान के बेटों के इंटरव्यू पर स्काई स्पोर्ट्स को पाकिस्तान की धमकी

कहा-ब्रॉडकास्ट न करें, वरना इंग्लैंड से नहीं खेलेंगे

एजेंसी, लंदन

पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन (वीरवार को) विवाद हो गया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मैच के आधिकारिक ब्रॉडकास्टर स्काई स्पोर्ट्स से पूर्व कप्तान और देश के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटों का इंटरव्यू प्रसारित न करने को कहा। बोर्ड ने इंटरव्यू दिखाए जाने पर मैच से हटने तक की चेतावनी दे दी थी। हालांकि, स्काई स्पोर्ट्स ने पीसीबी की आपत्तियों के बावजूद तय समय पर 18 मिनट का इंटरव्यू ऑन-एयर किया। पाकिस्तान ने यह धमकी भी दी थी कि अगर इंटरव्यू को ब्रॉडकास्ट किया जाएगा तो लंच के बाद पाकिस्तान के खिलाड़ी शायद मैदान में न उतरें। हालांकि, पाकिस्तान की टीम ग्राउंड पर आई और खेल जारी रहा।

इमरान के बेटों के सामने आने से खुश नहीं था पीसीबी

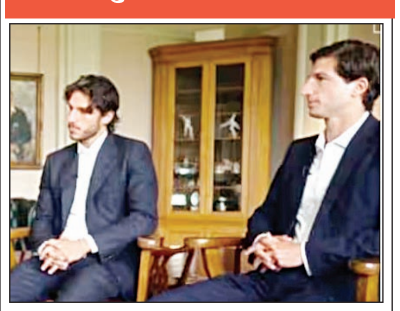

जानकारी के अनुसार, इमरान खान के बेटों सुलेमान और कासिम खान का इंटरव्यू इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर माइकल एथरटन ने लिया था। एथरटन उन 21 कप्तानों में शामिल हैं, जिन्होंने इमरान खान की बिगड़ती सेहत को लेकर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। इमरान अगस्त 2023 से जेल में हैं। क्रिकइंफो और द गार्जियन समेत कई मीडिया संस्थानों ने दावा किया कि टेस्ट मैच के दौरान इमरान खान के बेटों के चर्चा में आने से पीसीबी खुश नहीं था।

वैभव सूर्यवंशी अंडर 19 टीम से हुए बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए भारत की 15 सदस्यीय अंडर–19 टीम घोषित की है। हालांकि, बीसीसीआई के नियम की वजह से 15 वर्ष के वैभव सूर्यवंशी टीम में शामिल नहीं हैं। वैभव अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं और इंग्लैंड के खिलाफ टी–20 इंटरनेशनल में सीनियर टीम के लिए डेब्यू भी कर चुके हैं। बीसीसीआई ने 2016 में खिलाड़ियों के लिए एक नियम बनाया था। इसके मुताबिक, पात्र होने के बावजूद कोई खिलाड़ी एक से ज्यादा अंडर–19 वर्ल्ड कप नहीं खेल सकता है। इसी नियम के कारण वॉशिंगटन सुंदर 2018 का अंडर–19 वर्ल्ड कप नहीं खेल सके थे। उनसे पहले सरफराज खान, संदीप शर्मा, विजय जोल और अन्य खिलाड़ी टूर्नामेंट के कई एडिशन में हिस्सा ले चुके थे। वैभव 2026 का अंडर–19 वर्ल्ड कप खेल चुके हैं। इसलिए वे किसी और एडिशन में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, इसी वजह से उन्हें अंडर–19 टीम की योजनाओं में शामिल नहीं किया गया।

महिला टी20 एशिया कप: दुबई में 5 सितंबर को होगा भारत व पाकिस्तान का महामुकाबला

एजेंसी, नई दिल्ली

महिला टी20 एशिया कप 2026 का आगाज शनिवार से यूएई के दुबई में होगा। इस बार टूर्नामेंट में आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश के अलावा इंडोनेशिया, हांगकांग चीन, थाईलैंड और मेजबान यूएई भी खिताब के लिए मैदान में पूरी ताकत झोंकेंगे।

टूर्नामेंट का फाइनल 13 सितंबर को खेला जाएगा। भारत को प्रतियोगिता का प्रबल दावेदार माना जा रहा है, जबकि मौजूदा चैंपियन श्रीलंका की टीम भी शानदार फॉर्म के साथ टूर्नामेंट में पहुंची है। पाकिस्तान और बांग्लादेश उलटफेर करने की क्षमता रखते हैं। महिला टी20 एशिया कप में कुल 15 मुकाबले खेले जाएंगे। इनमें 12 लीग मैच, दो सेमीफाइनल और एक फाइनल शामिल है। ग्रुप चरण के मुकाबले 28 अगस्त से आठ सितंबर तक होंगे और इस दौरान हर दिन एक मैच खेला जाएगा।

इसके बाद पहला सेमीफाइनल 10 सितंबर और दूसरा सेमीफाइनल 11 सितंबर को होगा। खिताबी मुकाबला 13 सितंबर को खेला जाएगा। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले दुबई में आयोजित किए जाएंगे।

आज होगा आगाज, खेले जाएंगे कुल 15 मुकाबले

12 लीग मैच, 2 सेमीफाइनल व एक फाइनल मुकाबला

दोनों ग्रुपों की टीमें?

ग्रुप एः भारत, पाकिस्तान, हांगकांग चीन और थाईलैंड

ग्रुप बी: बांग्लादेश, श्रीलंका, यूएई और इंडोनेशिया

भारतीय वायु सेना ने ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट से 47 .5 टन राहत सामग्री नेपाल पहुंचाई

एनडीआरएफ की मदद से नेपाल के लिए ऑपरेशन लांच किया

एजेंसी, नई दिल्ली

नेपाल में ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा टूटने से विनाशकारी सैलाब के कारण मची तबाही से निपटने के लिए भारतीय वायु सेना राहत और बचाव कार्यों में अहम भूमिका निभा रही है। आपदा के कुछ ही घंटों बाद वायु सेना ने सी–130जे विमान के जरिए 10 टन आवश्यक राहत सामग्री नेपाल पहुंचाई, जिसमें दवाइयां, अस्थायी शेल्टर, कंबल और हाइजीन किट शामिल थीं। दूसरी खेप लेकर वायु सेना के सी –17 ग्लोबमास्टर विमान ने 37.5 टन अतिरिक्त राहत सामग्री (खाद्य पैकेट और जरूरी दवाइयां) लेकर काठमांडू के लिए उड़ान भरी। भारत अब तक कुल 47.5 टन राहत सामग्री नेपाल भेज चुका है। वायु सेना ने नेपाल में अचानक आई बाढ़ के कारण राहत कार्यों के लिए अपने ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट फ्लीट को स्टैंडबाय पर रखा है। इसमें सी–17, सी–130जे और सी–295 विमान हैं। एक सी–130जे ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट आज देर शाम तक राहत सामग्री लेकर नेपाल के लिए उड़ान भरेगा। वायु सेना के एमआई–17 हेलीकाप्टर भी नेपाली लोगों की मदद के लिए चौबीसों घंटे उड़ान भर रहे हैं। राहत सामग्री लेकर नेपाल जाने वाले विमानों का संचालन वायु सेना के हिंडन स्टेशन से किया जा रहा है। स्टेशन के एओसी एयर कमोडोर आर डोभाल ने कहा कि हम ऐसी इमरजेंसी के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इसलिए हमने तुरंत एक सी–130जे हरक्यूलिस एयरक्राफ्ट तैयार किया। हमने उसमें राहत का सामान, दवाइयां और जनरेटर लोड किए।

यह काम सिविल अधिकारियों और एनडीआरएफ की मदद से पूरा करके ऑपरेशन लॉन्च किया। विमान ने रात करीब 8.30 बजे उड़ान भरी और दो घंटे के अंदर नेपाल में लैंड करके करीब 10 टन सामान पहुंचाया। इसी दूसरी फ्लाइट में सी–17 से बाढ़ से तबाह नेपाल के लिए 37.5 टन मानवीय सहायता और आपदा राहत सामग्री, दवाइयां और खाने के पैकेट पहुंचाए।

एनसीएलएटी जाएगा एचडीएफसी बैंक

एजेंसी, नई दिल्ली। एस्सेल समूह के संस्थापक सुभाष चंद्रा की व्यक्तिगत दिवाला समाधान प्रक्रिया में राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण के फैसले के खिलाफ एचडीएफसी बैंक ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण में अपील करने की तैयारी शुरू कर दी है। एनसीएलटी ने करीब 22,006 करोड़ रुपये के दावों के मुकाबले केवल 6.5 करोड़ रुपये के पुनर्भुगतान को मंजूरी दी है। इससे ऋणदाताओं को कुल बकाये का लगभग 0.03 प्रतिशत ही प्राप्त होगा। इस भारी कटौती को लेकर एचडीएफसी बैंक समेत कई वित्तीय संस्थानों ने आपत्ति जताई है। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस सहित अन्य ऋणदाताओं ने भी समाधान योजना का विरोध किया था। इसके बावजूद एनसीएलटी की तीन सदस्यीय पीठ ने योजना को मंजूरी दे दी।

स्विगी की 'फूड ऑन ट्रेन' सेवा अब 201 रेलवे स्टेशनों तक पहुंची

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑनलाइन खाद्य वितरण मंच स्विगी ने अपनी लोकप्रिय फूड ऑन ट्रेन सेवा का विस्तार करते हुए इसे देश के 201 रेलवे स्टेशनों तक पहुंचा दिया है। वर्ष 2024 में यह सुविधा केवल 66 रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध थी। अब कोल्हापुर, इंदौर, जामनगर और टूंडला समेत कई नए स्टेशनों के यात्री भी ट्रेन में अपनी सीट पर पसंदीदा भोजन मंगा सकेंगे। इस विस्तार से लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को खानपान के लिए अधिक विकल्प मिलने की उम्मीद है।

स्विगी के अनुसार यात्रियों की भोजन संबंधी पसंद में भी बदलाव देखने को मिल रहा है। अब फास्ट फूड के बजाय पारंपरिक और स्वास्थ्यवर्धक भोजन की मांग तेजी से बढ़ रही है। लस्सी, छाछ और अन्य पेय पदार्थों के साथ स्थानीय व्यंजन भी यात्रियों को आकर्षित कर रहे हैं।

पारंपरिक भोजन का बढ़ा क्रेज

सेवा में थाली की मांग सबसे अधिक बनी हुई है और कुल ऑर्डर में इसकी हिस्सेदारी 65 प्रतिशत से ज्यादा है। वहीं रसगुल्ले जैसी मिठाइयों की मांग भी पहले की तुलना में दोगुनी हुई है। दक्षिण और मध्य भारत के रेलवे स्टेशनों पर स्थानीय बिरयानी तथा अन्य क्षेत्रीय व्यंजनों के ऑर्डर भी बड़ी संख्या में मिल रहे हैं। फूड ऑन ट्रेन सेवा के माध्यम से यात्री यात्रा के दौरान अपनी सीट पर ही भोजन प्राप्त कर सकते हैं। इससे उन्हें स्टेशन पर उतरकर भोजन तलाशने या उपलब्ध सीमित विकल्पों पर निर्भर रहने की परेशानी कम होती है।

सेंसेक्स 331 अंक चढ़कर 77265 पर बंद, निफ्टी में 85 अंक की तेजी

एजेंसी, मुंबई

शेयर बाजार में 28 अगस्त को बढ़त रही। सेंसेक्स 331 अंक की तेजी के साथ 77,265 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 85 अंक की तेजी रही, यह 24,176 पर बंद हुआ। द्व और मेटल शेयर्स में आज ज्यादा खरीदारी रही।

टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स का शेयर अपने आईपीओ प्राइस से 110% ऊपर लिस्ट हुए। एनएसई पर कंपनी का शेयर 300 रुपए के इश्यू प्राइस के मुकाबले 111.33% बढ़त के साथ 634 रुपए पर लिस्ट हुआ। वहीं बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 110.40% प्रीमियम के साथ 631.20 रुपए पर हुई। टैम्परेचर सेंसर्स बनाने वाली राजस्थान की इस कंपनी के आईपीओ को निवेशकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। यह आईपीओ 20 अगस्त से 24 अगस्त तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था।

रक्षाबंधन के त्योहार पर सोना सस्ता, चांदी महंगी

एजेंसी, नई दिल्ली। रक्षाबंधन पर 28 अगस्त को सोने की कीमतों में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 160 रुपए घटकर 1.58 लाख रुपए हो गया है। सोना 2 दिन में ही 3 हजार रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 882 रुपए बढ़कर 2.40 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

इथेनॉल बीपीसीएल ने कहा, राष्ट्रीय इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम के समर्थन से पीछे नहीं हटेंगे

बीपीसीएल ई–20 मिश्रित पेट्रोल के समर्थन में

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संजय खन्ना ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा ई–20 मिश्रित पेट्रोल की जगह ई–10 पेट्रोल लाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने उन खबरों को गलत बताया जिनमें उनके बयान के आधार पर यह संकेत दिया गया था कि ई–20 के विकल्प के रूप में ई–10 पेट्रोल पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी किसी योजना पर चर्चा नहीं हो रही है और कंपनी मौजूदा इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम के अनुरूप आगे बढ़ रही है। संजय खन्ना ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से अधिक समय से देश में लाखों वाहन ई–20 पेट्रोल का इस्तेमाल कर रहे हैं।

ई-20 पेट्रोल से इंजन खराब होने का सबूत नहीं: बीपीसीएल

उन्होंने कहा कि ई-20 पेट्रोल को लेकर अलग-अलग स्तर पर उठाई जा रही चिंताओं को तथ्यों के आधार पर देखा जाना चाहिए। कंपनी के अनुसार अब तक का अनुभव ई-20 के नियमित इस्तेमाल के लिहाज से संतोषजनक रहा है। बीपीसीएल प्रमुख ने ई-20 पेट्रोल के व्यापक उपयोग के कई लाभ भी बताए। उनके अनुसार पेट्रोल में इथेनॉल का मिश्रण करने से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने में मदद मिलती है। इसके साथ ही यह प्रदूषण कम करने की दिशा में भी उपयोगी कदम है। इथेनॉल का उत्पादन देश में कृषि आधारित गतिविधियों से जुड़ा होने के कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी इससे लाभ मिलने की उम्मीद है।

ई-10 पेट्रोल लाने की खबरों को बीपीसीएल ने नकारा

बीपीसीएल इस कार्यक्रम का समर्थन जारी रखेगा। कंपनी पेट्रोल की गुणवत्ता बनाए रखने और उपभोक्ताओं को निर्धारित मानकों के अनुरूप ईंधन उपलब्ध कराने के लिए भी प्रतिबद्ध है। संजय खन्ना ने यह स्पष्टीकरण कंपनी की वार्षिक आम बैठक के बाद दिया। उन्होंने कहा कि उनके पूर्व बयान को जिस तरह से प्रस्तुत किया गया उससे गलत धारणा बनी कि ई-20 पेट्रोल के स्थान पर ई-10 लाने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने साफ किया कि ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। उनके इस बयान से ई-20 पेट्रोल के भविष्य को लेकर बनी असमंजस की स्थिति दूर होने की उम्मीद है। कंपनी का रुख फिलहाल स्पष्ट है कि वह राष्ट्रीय इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम के साथ आगे बढ़ते हुए ई-20 पेट्रोल के इस्तेमाल को जारी रखने के पक्ष में है।